@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 2 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 202 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नगालैंड में विधायकों के पार्टी छोड़ने पर अजित पवार की पहली प्रतिक्रिया

पुणे, 1 जून। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को बताया कि नगालैंड में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सात विधायकों ने वहां की सत्तारूढ़ पार्टी नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में इसलिए शामिल होने का फैसला किया क्योंकि उन्हें काम नहीं हो पाने की वजह से

असंतोष था। शनिवार को नगालैंड की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ जब एनसीपी के सभी सात विधायक मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की अगुवाई वाली एनडीपीपी में शामिल हो गए। इसके बाद 60 सदस्यीय नगालैंड विधानसभा में एनडीपीपी की ताकत बढ़कर 32 हो गई, जबकि पहले उनके पास 25 विधायक थे। 2023 के विधानसभा चुनावों में एनसीपी ने नगालैंड में अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीसरे नंबर की पार्टी बनने में सफलता पाई थी। एनडीपीपी और उसकी सहयोगी पार्टी भारतीय जनता पार्टी पहले और दूसरे स्थान पर रही थीं। भाजपा ने उस चुनाव में 12 सीटें जीती थीं। वहीं जुलाई 2023 में जब अजित पवार महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हुए, तब एनसीपी में विभाजन हो गया। इसके बाद नगालैंड में पार्टी के सातों विधायकों ने अजित पवार का साथ चुना, ना कि एनसीपी के संस्थापक शरद पवार का। पुणे में मीडिया से बातचीत करते हुए अजित पवार ने कहा, करीब दो महीने पहले सभी विधायक मुझसे मिलने आए थे। उन्होंने कहा कि वहां उनका कोई काम नहीं हो पा रहा है। यह बात सही है कि वे असंतोष में थे। उन्हें लग रहा था कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही।

जयराम रमेश ने फिर की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 जून। सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) अनिल चौहान भारतीय फाइटर जेट गिरने के दावों पर दिए बयान पर भारत में सियासत तेज हो गई है। सीडीएस के बयान के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठाई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सिंगापुर में कल जनरल चौहान द्वारा किए गए खुलासे हमारी मांग को और भी प्रासंगिक बनाते हैं। अब संसद सत्र का परिणाम एक प्रस्ताव होना चाहिए, जो पीओके पर 22 फरवरी, 1994 के प्रस्ताव को दोहराए और नए तत्वों को शामिल करे। उन्होंने कहा कि मैंने गिनती की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने वही बात दोहराई है जो वे 21 दिनों से कह रहे हैं। उन्होंने युद्ध विराम में मध्यस्थता करने का दावा किया है, उन्होंने जो नई बात कही है वह परमाणु हमले के बारे में है। उन्होंने अपने व्यापार और टैरिफ की धमकी को भी दोहराया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और यहां तक कि उनके व्यापार सचिव ने भी यह कहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि मगर हमारे प्रधानमंत्री चुप हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कही गई बातों का जवाब नहीं दिया है। वे कांग्रेस पार्टी को निशाना बना रहे हैं जबकि उन्हें पाकिस्तान को निशाना बनाना चाहिए। कांग्रेस ने 22 अप्रैल से शुरू होने वाले इस बड़े संकट के समय एकता और एकजुटता की मांग की है और हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। हमने केवल इतना कहा है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और संसद का सत्र बुलाएं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि विदेशी धरती पर सीडीएस का बड़ा इंटरव्यू हुआ, जिसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी कई बातें भी कहीं। जिस तरह से उन्होंने कहा कि जब युद्ध होता है, तो विमान भी गिरते हैं। यह महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इससे क्या सीखते हैं। यह एक सैनिक का संदेश है और उनका बयान मोदी सरकार के मंत्रियों द्वारा दिए गए बयानों से मेल नहीं खाता। सरकार इस मामले में लगातार देश को गुमराह कर रही है। हम भारतीय सेना के साथ खड़े हैं और

उनकी बहादुरी को सलाम करते हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय से मांग कर रही है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। 1962 के युद्ध के दौरान भी इसे बुलाया गया था, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि अब युद्ध समाप्त होने के बाद भी संसद का कोई सत्र नहीं बुलाया गया है। हर रोज सवाल उठ रहे हैं, उनमें सबसे बड़ा सवाल डोनाल्ड ट्रंप के दावों का है। हम युद्ध विराम की शर्तों को भी जानना चाहते हैं, यह अचानक क्यों किया गया और अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसकी घोषणा क्यों की? सीडीएस के बयानों ने फिर कई सवाल खड़े किए हैं। सरकार को आगे आने की जरूरत है। देश को हमारी रक्षा तैयारियों को जानने की जरूरत है। सीडीएस अनिल चौहान ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ हाल के संघर्ष में लड़ाकू विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा था कि यह ज्यादा जरूरी है कि हम यह समझें कि हमारे विमान क्यों गिरे, ताकि आगे की रणनीति बेहतर बनाई जा सके। मेरे लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि विमान क्यों गिरे, न कि यह कि वे गिरे। उन्होंने माना कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ विमान जरूर गिरे, लेकिन भारत ने इससे सीख ली और दो दिन के अंदर सुधार कर फिर से अपनी रणनीति को लागू किया।

वायनाड में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग: प्रियंका गांधी

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

तिरुवनंतपुरम, 1 जून। कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-ढ्ढङ्क (पीएमजीएसवाई-ढ्ढङ्क) के तहत वायनाड जिले में सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने की मांग की है। अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने कहा कि वायनाड जिले में 331 बस्तियों की पहचान की गई है, जहां अब तक हर मौसम में चलने योग्य सड़कों की सुविधा नहीं है। इनमें से केवल कलपेट्टा ब्लॉक की 64 बस्तियों के प्रस्तावों को ही राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) की ओर से मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि केरल राज्य ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी ने पहले ही सभी 331 सड़कों को मंजूरी दे दी है, लेकिन सुल्तान बथेरी, मंथवाड़ी और पनामारम ब्लॉकों की 267 बस्तियों से जुड़ी परियोजनाओं को अब भी

एनआरआईडीए की ऑनलाइन प्रबंधन प्रणाली (ओएमएमएएस) पर मंजूरी नहीं मिली है। कांग्रेस नेता ने पत्र में लिखा, इन इलाकों में बड़ी आदिवासी आबादी रहती है और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की गाइडलाइन कहती है कि आकांक्षी ब्लॉकों की आदिवासी बस्तियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 25 बस्तियों को गलती से जुड़ा हुआ दिखाया गया है, जबकि वे वास्तव में अब भी कटी हुई हैं। उन्होंने मांग की कि ओएमएमएएस सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव की अनुमति दी जाए, ताकि सभी बस्तियों की स्थिति सही और अपडेट रह सके।

किसी को डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 1 जून। सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी कर दिया है। एक स्कूल और छात्रावास के प्रभारी ने एक छात्र की शिकायत पर छात्र को डांट दिया था। डांटने के बाद छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद आरोपी स्कूल प्रभारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने से ऐसी त्रासदी हो सकती है। पूरे मामले पर विचार करने के बाद हमें लगता है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह कल्पना नहीं कर सकता था कि एक छात्र की शिकायत के आधार पर छात्र को डांटने पर ऐसी घटना हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश पलट दिया। उच्च न्यायालय ने स्कूल प्रभारी को बरी करने से इनकार कर दिया था।

गोसदनों में पशुओं के लिए किया चारा अनुदान 700 से बढ़ा 1,200 रुपये: मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, 1 जून। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश में बेसहारा गोवंश की देखभाल और उनके कल्याण के उद्देश्य से राज्य सरकार ने गोसदनों में रखे गए पशुओं के लिए मासिक चारा अनुदान को 700 रुपये से ब ?ाकर 1,200 रुपये प्रति पशु करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय सरकार की पशुधन कल्याण और किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ब ?ा हुआ अनुदान बेसहारा गोवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने में कल्याणकारी साबित होगा। इस निर्णय से खेतों में बेसहारा घूमने वाले पशुओं से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने पशुधन कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। गोसदनों की स्थापना और विस्तार के लिए स्थानीय लोगों और संस्थाओं को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। नए गोसदनों की स्थापना के लिए सरकार लोगों को 10 लाख रुपये अथवा परियोजना लागत की 50 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में प्रदान कर रही है। इसी प्रकार गोसदन के विस्तार के लिए पांच लाख अथवा परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अनुदान भी दिया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इन प्रयासों को मजबूती देने के लिए शराब पर उप कर ब ?ाकर 2.50 रुपये प्रति बोतल किया है, जिससे प्राप्त अतिरिक्त राजस्व को गोसेवा के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। वर्तमान सरकार पशुधन की सुरक्षा और किसानों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। पशु खेतों में घुसकर ख ?ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे किसानों को आर्थिक हानि होती है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार: एक ऐतिहासिक घाव जो आज भी हरा है-आखिर क्यों चुना गया सैन्य विकल्प?

कौमी पत्रिका
गुरचरन सिंह बब्बर

नई दिल्ली, 1 जून। जून 1984 के पहले सप्ताह में भारत ने एक ऐसा दु:खद और विवादित अध्याय देखा, जिसने न केवल भारतीय लोकतंत्र को झकझोर दिया बल्कि देश की सांप्रदायिक एकता पर भी गहरी चोट पहुंचाई — यह था ऑपरेशन ब्लू स्टार, जिसमें भारतीय सेना को श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर), अमृतसर में प्रवेश कराया गया। इस सैन्य कार्रवाई का परिणाम था सैकड़ों लोगों की मौत और श्री अकाल तख्त साहिब जैसी पवित्र धार्मिक धरोहर का भारी नुकसान। इस घटना ने सिख समुदाय को गहरे रूप से आहत किया — न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में बसे सिख आज तक इस दर्द को महसूस कर रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल आज भी यही है: तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने सैन्य कार्रवाई जैसा चरम कदम क्यों उठाया? इतिहासकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और आलोचकों का मानना है कि सरकार के पास कई वैकल्पिक, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध थे। अगर सरकार का उद्देश्य सिर्फ कुछ व्यक्तियों को गिरफ्तार करना था, तो यह काम-

- गुप्तचर और खुफिया एजेंसियों के माध्यम से
- सिख नेताओं से बातचीत करके
- इलाके में कर्फ्यू लगाकर या
- बिना सैन्य टकराव के रणनीतिक तरीके से किया जा सकता था।

लेकिन धर्मस्थल में तोपें, टैंक और पूरी सैन्य शक्ति भेजना न केवल अत्यधिक था, बल्कि करोड़ों सिखों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना भी था।

कई विश्लेषकों का मानना है कि यह सिर्फ सुरक्षा अभियान नहीं था बल्कि इंदिरा गांधी का एक राजनीतिक दांव था। आगामी चुनावों को देखते हुए, उन्होंने खुद को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत करने के लिए यह कार्रवाई की। एक आंतरिक दुश्मन के खिलाफ सख्त रुख दिखाकर वे जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती थीं — लेकिन इसकी कीमत देश ने बहुत भारी चुकाई। श्री अकाल तख्त साहिब की तबाही केवल एक इमारत का विध्वंस नहीं था, बल्कि यह सिख कौम की आस्था, आत्मसम्मान और पहचान पर सीधा प्रहार था।

शेष पृष्ठ पेज 3 पर

लालू के एक्शन के बाद तेज प्रताप का भावुक पोस्ट

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 1 जून। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने रविवार को अपने पिता और मां के लिए एक भावुक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने खुद को राजनीति का शिकार बताया और बिना नाम लिए उनके खिलाफ सियाशी साजिश रचने वालों पर निशाना भी साधा। उन्होंने उन्होंने माइक्राब्लॉगिंग साइट एक्स पर लिखा, मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए न कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो न ये पार्टी होती और न मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा। इससे पहले 25 मई को पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से निकाल दिया गया था। तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। लालू ने उन्हें परिवार से भी दूर कर दिया थ। लालू ने एक्स पर लिखा था, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक

मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। इससे 24 मई को तेज प्रताप यादव के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट पर शेयर किए गए पोस्ट ने बवाल मचा दिया था। पोस्ट में तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे। इसमें लिखा गया था कि हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं। प्यार भी करते हैं। पिछले 12 साल से हम रिलेशन में हैं। मैं बहुत दिनों से आप लोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हूं कि आप लोग मेरी बातों को समझेंगे। पोस्ट को लेकर बवाल हुआ तो यह सोशल मीडिया से गायब कर दिया गया। तेज प्रताप यादव के अकाउंट से ही इसे डिलीट कर दिया गया। हालांकि, तब तक इसके स्क्रीनशॉट लोगों ने सुरक्षित कर लिए। देखते ही देखते पोस्ट की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। मीडिया में भी इसक खूब चर्चा हुई। मामले को तूल पकड़ता देख तेज प्रताप ने एक्स पर अकाउंट हैक होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, मेरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को हैक कर लिया गया था।

नासिक में अगले वर्ष 31 अक्तूबर से शुरू होगा कुंभ मेला

मुंबई, 1 जून। सिंहस्थ कुंभ मेला अगले वर्ष 31 अक्तूबर को नासिक के त्र्यंबकेश्वर के साथ-साथ रामकुंड और पंचवटी में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा और 24 जुलाई, 2028 तक चलेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को 13 प्रमुख अखाड़ों के महंतों और पुरोहित संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद मेले की तारीखों का एलान किया। तय कार्यक्रम के मुताबिक, सिंहस्थ की शुरुआत के बाद 29 जुलाई 2027 को नासिक में नगर प्रदक्षिणा होगी। पहला अमृत स्नान दो अगस्त 2027 को होगा, जबकि दूसरा अमृत स्नान 31 अगस्त को होगा और तीसरा और अंतिम स्नान 11 सितंबर को नासिक में और 12 सितंबर को त्र्यंबकेश्वर में होगा। 24 जुलाई 2028 को ध्वज को उतार दिया जाएगा। इसी के साथ 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले का समापन हो जाएगा। इस मौके पर फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में शामिल लोगों को आयोजन के लिए प्रदेश सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों का ब्योरा दिया गया। उन्होंने कहा, 4,000 करोड़ रुपये की लागत वाले कार्यों के लिए निविदाएं जारी की गई हैं। 2,000 करोड़ रुपये की लागत वाले अन्य कार्यों के लिए भी जल्द ही निविदाएं जारी की जाएंगी।

पूर्वोत्तर में बारिश से हालात बदतर, शाह ने स्थिति की ली जानकारी

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 1 जून। पूर्वोत्तर भारत में बारिश से हाल बेहाल है। यहां चरम मौसमी स्थितियों से उपजे हालातों में 14 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। जहां बाढ़ के कारण असम में ही करीब 78 हजार लोग प्रभावित हुए हैं वहीं, अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से बात कर हालात की जानकारी ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर बताया है कि असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से उनके राज्यों में जारी भारी बारिश के मद्देनजर बात की। साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्से बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। बाढ़ के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित असम है, जहां 15 से अधिक जिलों में 78,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में राज्य भर में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के कारण सड़क परिवहन और ट्रेन और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। वहीं, पिछले दो दिनों में अरुणाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में नौ लोगों की मौत हो गई

है। इसी तरह सिक्किम में भी लगातार हो रही बारिश से हालत खराब हैं। यहां भूस्खलन के कारण शनिवार को उत्तरी सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में लगभग 1,500 पर्यटक फंस गए। सिक्किम के मंगन जिले में गुरुवार रात को एक वाहन के तीस्ता नदी में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, दो घायल हो गए और आठ अन्य लापता हो गए। वाहन में 11 पर्यटक सवार थे। पिछले दो दिनों से लगातार बारिश के कारण त्रिपुरा में भी हाल बेहाल हैं। राज्य में भारी बारिश के कारण लगभग 1300 परिवारों ने पश्चिमी त्रिपुरा जिले में सरकारी राहत शिविरों में शरण ली है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पश्चिमी त्रिपुरा जिले के विभिन्न हिस्सों में भयंकर बाढ़ आ गई है। इसके कारण लगभग 1300 परिवारों को सुरक्षा के लिए सरकारी आश्रय गृहों में स्थानांतरित कर दिया गया है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रख रही है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 जून से 5 जून, 2025 के बीच त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी वर्षा और आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने अलग-अलग इलाकों, खास तौर पर धलाई और पश्चिमी त्रिपुरा जिलों में, बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ इलाकों में बिजली चमकने और तेज़ हवाएँ (40-50 किलोमीटर प्रति घंटे) चलने के साथ गरज के साथ बारिश होने की भी संभावना है।

दो दशकों में पहली बार चुनाव आयोग ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली, 1 जून। लगभग दो दशकों में पहली बार चुनाव आयोग ने बेदाग मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए पांच निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में संशोधन किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछली बार 2006 में तमिलनाडु में उपचुनाव के लिए ऐसा संशोधन किया गया था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि मतदाता सूची को हर चुनाव और उपचुनाव से पहले संशोधित किया जाना चाहिए, जब तक कि चुनाव आयोग की ओर से अन्यथा निर्देश न दिया जाए। उन्होंने कानून का हवाला देते हुए कहा कि यदि मतदाता सूची में संशोधन नहीं किया जाता है, तो भी मतदाता सूची की वैधता या निरंतर संचालन प्रभावित नहीं होगा। विशेष संशोधन के पूरा होने तक वर्तमान मतदाता सूची की वैधता जारी रहती है। अधिकारियों ने जिक्र किया कि आवश्यकता के आधार पर यह तय करना आयोग का काम है कि मतदाता सूची में संशोधन किया जाना है या नहीं। चुनाव आयोग ने पिछले महीने घोषणा की थी कि चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर 19 जून को उपचुनाव होंगे। गुजरात में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे, जबकि केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब में एक-एक सीट पर उपचुनाव होंगे। मतगणना 23 जून को होगी। गुजरात में कादी सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधायक करसनभाई पंजाबभाई सोलंकी के निधन के बाद जरूरी हो गया था। ऐसे ही

विसावदर सीट पर एक और उपचुनाव मौजूदा सदस्य भयानी भूपेंद्रभाई गंडूभाई के इस्तीफे के कारण हो रहा है। केरल में नीलांबुर सीट पर उपचुनाव होगा, क्योंकि पीवी अनवर ने इस्तीफा दे दिया है। पंजाब की लुधियाना सीट पर मौजूदा सदस्य गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के कारण उपचुनाव होगा। पश्चिम बंगाल में कालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव मौजूदा विधानसभा सदस्य नसीरुद्दीन अहमद के निधन के कारण जरूरी हो गया है।

शांति स्थापित करने के बजाय हम पर दबाव बढ़ा रहा है फ्रांस : रूस

मॉस्को/पेरिस। रूस ने कहा है कि फ्रांस शांति की कोशिश नहीं कर रहा है बल्कि उसके ऊपर दबाव बढ़ा रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूसी पत्रकार पावेल ज़ारुबिन से कहा, फ्रांस शांति की राह पर नहीं है। फ्रांस रूस पर दबाव बढ़ाने की राह पर है। उन्होंने कहा कि यह खेदजनक है कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वास्तविक स्थिति को नहीं समझ पाए और उनका मानना था कि दबाव उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, केवल इस बात पर खेद व्यक्त किया जा सकता है कि फ्रांसीसी राष्ट्र के प्रमुख वास्तविक स्थिति को नहीं समझते हैं। श्री इमैनुएल मैक्रों ने बार-बार रूस विरोधी बयान और प्रस्ताव दिए हैं। मार्च में उन्होंने दावा किया कि रूस कथित तौर पर फ्रांस और यूरोप के लिए खतरा बन गया है और पूरे यूरोपीय संघ की रक्षा के लिए फ्रांस के परमाणु हथियारों के उपयोग पर चर्चा करने का आह्वान किया। क्रेमलिन ने इन टिप्पणियों को बेहद टकरावपूर्ण बताया।

कामिल इदरीस ने ली सूडान के प्रधानमंत्री पद की शपथ

खार्तूम। श्री कामिल इदरीस ने सूडान के नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्री इदरीश ने सत्तारूढ़ संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान के समक्ष शपथ ली। परिषद ने एक बयान में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद श्री बुरहान और परिषद अन्य सदस्यों ने श्री इदरीस से मुलाकात की और सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की, जिसमें अर्थव्यवस्था को स्थिर करना, नागरिक आजीविका की रक्षा करना और राज्यों में व्यवस्था बहाल करना शामिल है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के रूप में श्री इदरीस की नियुक्ति 19 मई को श्री बुरहान द्वारा जारी एक संवैधानिक डिक्री के माध्यम से औपचारिक रूप से की गई थी। श्री बुरहान सूडानी सशस्त्र बलों के कमांडर के रूप में भी कार्य करते हैं। इस निर्णय का संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ आयोग एवं विकास पर अंतर-सरकारी प्राधिकरण (आईजीएडी) ने स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में श्री बुरहान के नेतृत्व में सैन्य तख्तापलट करने और जनवरी 2022 में श्री अब्दुल्ला हमदोक के इस्तीफे के बाद से प्रधानमंत्री का पद खाली था। श्री हमदोक और अन्य नागरिक नेताओं को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके कुछ बाद उन्होंने पद छोड़ दिया था और कहा था कि सूडान एक 'खतरनाक मोड़' पर है क्योंकि सैन्य शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ट्रम्प जल्द करेंगे नासा प्रमुख के नाम की घोषणा: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के नये प्रमुख के नाम की घोषणा करेंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस दी है। इससे पहले श्री ट्रम्प ने टेक अरबपति जेरेड इसाकमैन को नासा के प्रमुख के रूप में नामित किया था, जो प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क के करीबी सहयोगी हैं। एजेंस फ्रांस-प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने कहा, यह जरूरी है कि नासा का अगला प्रमुख ऐसा व्यक्ति हो जो राष्ट्रपति ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के साथ पूरी तरह से ठीक बैठता हो। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा जल्द ही इसके बारे में घोषणा की जाएगी। इससे पहले अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों का हवाला से अपनी रिपोर्ट में बताया था कि श्री ट्रम्प इसाकमैन के नामांकन को वापस लेना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने चार दिसंबर, 2024 को नासा प्रमुख के पद के लिए श्री इसाकमैन को नामित किया था। इसके बाद अप्रैल के अंत में वाणिज्य, विज्ञान और परिवहन के लिए सीनेट समिति ने श्री इसाकमैन की इस पद पर पुष्टि की सिफारिश की थी।

रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने से सात की मौत, 35 घायल

मास्को। रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने के कारण सात लोगों की मौत हो गयी तथा 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने यह जानकारी दी है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, पाँच और लोगों ने चिकित्सा सहायता मांगी। फिलहाल घटना के कारण सात लोगों की मौत हो गई है और 35 घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। एक बच्चे को एयर एम्बुलेंस द्वारा

मास्को ले जाया जाएगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि ब्रांस्क क्षेत्र के विगोनिचस्की जिले में एक पुल ढह गया है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुयी है और 30 लोग घायल हुए हैं। मास्को रेलवे की रिपोर्ट के अनुसार क्लिमोव-मास्को मार्ग पर यात्री ट्रेन नंबर 86 के लोकोमोटिव और डिब्बे परिवहन संचालन में अवैध हस्तक्षेप के कारण यह हादसा हुआ।

मध्यपूर्व में शांति प्रयासों को झटका: अमेरिकी दूत विटकॉफ ने हमास की प्रतिक्रिया को 'अस्वीकार्य' बताया

एजेंसी
वाशिंगटन/गाजा। गाजा संघर्ष के बीच चल रही संघर्षविराम वार्ताओं को लेकर अमेरिका ने हमास की प्रतिक्रिया को पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। अमेरिका के मध्यपूर्व विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हमास के ताजा जवाब पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमास की प्रतिक्रिया हमें पीछे ले जाती है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हमास को उस रूपरेखा को स्वीकार करना चाहिए जिसे हमने आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया है, ताकि इस सप्ताह से ही 'प्रॉक्सिमिटी टॉक्स' (परोक्ष वार्ता) शुरू की जा सके। विटकॉफ ने यह भी कहा कि प्रस्तावित 60 दिन के संघर्षविराम के भीतर आधे जीवित बंधकों और मृतकों के शवों की वापसी

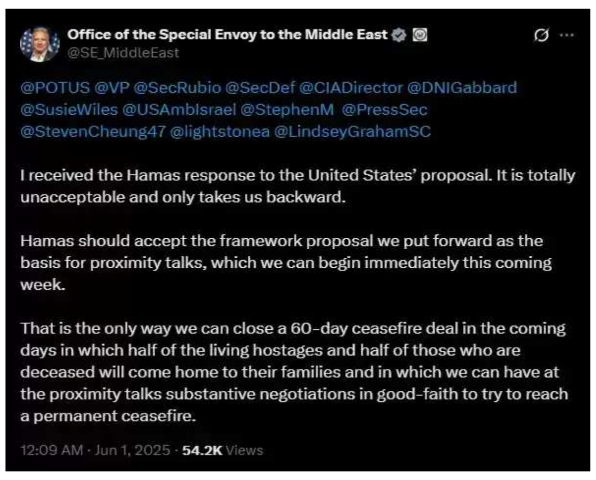

सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह एकमात्र रास्ता है जिससे हम सार्थक और सद्भावनापूर्ण स्थायी संघर्षविराम तक पहुंचने के प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले, हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने संघर्षविराम प्रस्ताव के जवाब में कुछ संशोधन सुझाए हैं। हमास ने यह स्पष्ट किया कि उसका जवाब स्थायी संघर्षविराम, इजराइली सेना की पूर्ण वापसी और मानवीय सहायता की अबाध आपूर्ति की मांगों के दायरे में है। प्रस्ताव के तहत हमास 10 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करने और 18 शवों को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते एक तय संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, मिस्र और कतर के नेतृत्व में चल रही इन वार्ताओं का मकसद लगभग 20 महीने से जारी गाजा संघर्ष को समाप्त करना है। हालांकि, हालिया गतिरोध से यह स्पष्ट है कि संघर्षविराम की राह अब भी कठिन बनी हुई है।

नाइजीरिया में बाढ़ से भारी तबाही, मोक्वा में 151 लोगों की मौत

एजेंसी
अबुजा (नाइजीरिया)। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तरी नाइजर राज्य में बाढ़ से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। अकेले मोक्वा में इस आपदा में कम से कम 150 लोग मारे गए। भारी बारिश से हालात मुश्किल हो गए हैं। शनिवार सुबह 9 बजे तक 151 शव बरामद किए गए हैं। इनमें कई बच्चों के शव भी शामिल हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार राज्य की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता इब्राहिम हुसैनी ने कहा कि 3,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मोक्वा निवासी 26 वर्षीय हसन अब्दुल्लाही ने बताया कि घर में पानी भर जाने से उनके परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें उनकी मां और 4 से 8 साल की उम्र के दो भतीजे और भतीजियां शामिल हैं। बाढ़ में सब कुछ बरबाद हो गया। सारा सामान बह गया है। इस आपदा पर राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने वादा किया है कि

संघीय सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नाइजर राज्य के मोक्वा में हर बाढ़ प्रभावित की यथासंभव मदद की जाए। उन्होंने बाढ़ आपदा पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र सक्रिय है। खोज और बचाव अभियान जारी है।

हमास ने चल रही वार्ता के बीच गाजा के लिए अमेरिकी युद्धविराम योजना में बदलाव की मांग की

एजेंसी
तेल अवीव/गाजा। अमेरिका द्वारा प्रस्तुत नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर हमास ने प्रतिक्रिया देते हुए कुछ बिंदुओं पर संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी आपत्तियां विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई की समय-सीमा, मानवीय सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेनाओं की वापसी से संबंधित हैं। हमास की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्धविराम, गाजा से सम्पूर्ण इजराइली वापसी और सुनिश्चित सहायता आपूर्ति है। हमास ने यह भी कहा कि वह 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को निर्धारित संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सौंपने के लिए तैयार है। वहीं, इजराइली अधिकारियों ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को अस्थायी युद्धविराम के रूप में मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान

में कहा कि वार्ताकार एक समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

गाजा में गहराता मानवीय संकट

इसी बीच, गाजा में भूख और कुपोषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के अनुसार, भूखे फिलिस्तीनियों ने दर्जनों खाद्य ट्रकों को रोककर उनमें से अधिकांश खाद्य सामग्री उतार ली। संगठन के मुताबिक, 77 ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों द्वारा रोक लिए गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि उसके पास 1.4 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न तैयार है, जो गाजा की पूरी आबादी को दो महीने तक भोजन उपलब्ध करा सकता है, लेकिन इसके वितरण में सुरक्षा और अनुमति की बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं।

थाईलैंड की सुंदरता का जलवा, ओपल बनीं मिस वर्ल्ड

एजेंसी
वाशिंगटन। 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल 2025 का भव्य फिनाले आज हैदराबाद के हाईटेक्स एग्जिबिशन सेंटर में धूमधाम से आयोजित हुआ। इस प्रतिष्ठित खिताब पर इस बार थाईलैंड ने कब्जा जमाया। थाईलैंड की प्रतिनिधि, ओपल सुचाता चुआंगसरी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 72वीं मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम किया। भारत की ओर से भाग ले रहीं कोटा, राजस्थान की नंदिनी गुप्ता एशिया कॉन्टिनेंटल टॉप-2 तक भी नहीं पहुंच सकीं, जिससे भारत के लिए सातवीं बार यह खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। दुनियाभर से आईं सुंदरियों और दर्शकों की मौजूदगी में यह आयोजन बेहद भव्य और यादगार रहा।मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर के 108 देशों से खूबसूरत प्रतिभागी हैदराबाद पहुंचीं थीं। इनमें से भारत की नंदिनी गुप्ता समेत 40 प्रतिभागियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से ग्रैंड फिनाले के लिए जगह बनाई थी। हालांकि, भारत की उम्मीदों को

झटका लगा जब नंदिनी गुप्ता प्रतियोगिता से पहले ही बाहर हो गईं। इस साल मिस वर्ल्ड का ताज थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी के सिर सजा, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता मिस वर्ल्ड की चेयरपर्सन जूलिया मोर्ले ने की, जबकि निर्णायक मंडल में बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद, जानी-मानी उद्यमी सुधा रेड्डी और मिस इंग्लैंड 2014 कैरिना टायरेल शामिल थीं।

सीरिया और सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को देंगे नई रफ्तार, प्रतिबंधों में ढील के बाद निवेश के रास्ते खुले

एजेंसी
दमिश्क। पश्चिमी देशों द्वारा सीरिया पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में हालिया ढील के बाद सीरिया और सऊदी अरब ने आपसी आर्थिक सहयोग को बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि दोनों देशों को पारस्परिक लाभ मिल सके और युद्धग्रस्त सीरिया में नौकरियों के नए अवसर सृजित किए जा सकें। यह घोषणा सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान की दमिश्क यात्रा के दौरान की गई, जहां उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शराआ और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। प्रिंस फैसल ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा इस महीने की शुरुआत में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील से सीरिया की ठप पड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से गति मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि सऊदी व्यापारिक

प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही सीरिया का दौरा करेगा और तेल, बुनियादी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सऊदी अरब और कतर मिलकर सीरिया के सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे। हालांकि इस संबंध में उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। प्रिंस फैसल ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सीरिया के पुनर्निर्माण और आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा में सऊदी अरब अग्रणी भूमिका निभाएगा। सीरियाई विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने भी इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच सहयोग के एक नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर यह साझेदारी सीरिया के विकास की नींव रखेगी। इस ऐतिहासिक बैठक से दो दिन पहले, सीरिया ने कतर, तुर्की और अमेरिकी कंपनियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत 5000 मेगावाट की ऊर्जा परियोजना विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य युद्ध से क्षतिग्रस्त बिजली ढांचे को फिर से दुरुस्त करना है।

गाजा में 13 मई को सिलसिलेवार एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास नेता मुहम्मद सिनवार: आईडीएफ

जेंसी
तेल अवीव/गाजा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि बीते 13 मई को गाजा के दक्षिणी क्षेत्र खान यूनिस में किए गए एक बेहद सटीक हवाई

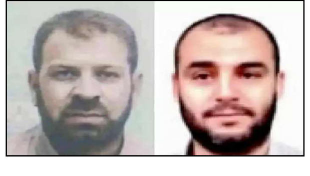

हमले में हमास के वरिष्ठ नेता मुहम्मद सिनवार मारे गए। इस हमले में 30 सेकंड में 50 से अधिक बम गिराए गए थे। अनुसार, यह हमला खान यूनिस स्थित यूरोपीय अस्पताल के नीचे फैले हमास के भूमिगत सुरंग नेटवर्क और कमांड सेंटर को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में सिनवार के अलावा राफा ब्रिगेड के कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन के कमांडर महदी क्वारा भी मारे गए। सेना ने यह भी दावा किया कि सभी मिसाइलें सटीक थीं और अस्पताल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस पुष्टि के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अब यह आधिकारिक है कि हत्यारा मुहम्मद सिनवार, राफा ब्रिगेड प्रमुख मुहम्मद शबाना और उनके साथियों के साथ मारा गया। उसे अपने भाई के पास नर्क के दरवाजे पर भेज दिया गया।काट्ज ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के गाजा सिटी कमांडर इज्ज अल-दीन हद्दाद और विदेश में बैठे नेता खलील अल-हय्या तथा अन्य उनके साथी भी तैयार रहें, आप अगली पंक्ति में हैं।

इंडोनेशिया में खदान धंसने से मृतकों की संख्या 17 हुई, राहत कार्य जारी

एजेंसी
सिरेबोन। इंडोनेशिया के वेस्ट जावा प्रांत में स्थित एक पत्थर की खदान के धंसने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। गुनुंग कुडा खदान, जोकि सिरेबोन जिले में स्थित है, शुक्रवार को अचानक धंस गई थी। अब भी 8 लोग लापता हैं, जिन्हें मलबे से निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुमार्नी ने बताया कि अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि एक घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि राहत दल अब भी लापता लोगों की तलाश

कर रहा है, लेकिन खराब मौसम, अस्थिर जमीन और कठिन भू-भाग बचाव कार्य में बाधा बना हुआ है। खदान के धंसने के पीछे का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने खदान मालिक समेत 6 लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच के अनुसार खदान सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरती थी। वेस्ट जावा के गवर्नर डेडी मुल्यादी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश में बताया कि उन्होंने इस खदान का दौरा अपने चुनाव से पहले किया था और तब ही उसे खतरनाक पाया था। उन्होंने कहा कि उस समय मेरे पास इसे बंद करने का अधिकार नहीं था। अब गवर्नर बनने के बाद मुल्यादी ने इस खदान सहित चार अन्य अवैध खनन स्थलों को बंद करने का आदेश दिया है।

नेपाल में राजतंत्र समर्थकों ने तीसरे दिन भी किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री निवास घेरा

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की वापसी और हिन्दू राष्ट्र की घोषणा की मांग करते हुए राजशाही समर्थकों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। बाद में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री निवास का घेराव किया। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में लगातार तीसरे दिन आज राजदरबार के आगे प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। सरकार ने इस प्रदर्शन को रोकने के लिए एक दिन पहले ही पूरे राजदरबार के आसपास के इलाकों में निषेधाज्ञा लगाते हुए किसी भी तरह के सभा, जुलूस, प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी।इसके विरोध में प्रदर्शनकारियों ने राजदरबार के बदले प्रधानमंत्री निवास के घेराव की योजना बनाई। काठमांडू के रत्नपार्क से प्रदर्शनकारियों की भीड़ से यह संभव नहीं हो पाया। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले हैं

प्रधानमंत्री के सरकारी आवास की तरफ बढ़ने लगी। अचानक से बदली रणनीति के बाद भारी संख्या में पुलिस बलों को तैनात किया गया। रत्नपार्क से प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह और सुरक्षा बलों ने भी संयमित होने की अपील करते हैं। तीसरे दिन का प्रदर्शन भी बिना किसी झड़प और टकराव के शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो गया। आरपीपी ने इसके लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कल के प्रदर्शन में फिर से आने की अपील की है।

रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर दो जून को होने की उम्मीद

मॉस्को/इस्तांबुल। रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर इस्तांबुल में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन के कार्यालय में होने की उम्मीद है।सूत्रों ने कहा,सबसे अधिक संभावना है कि यह दौर फिर से डोलमाबाहचे में कार्यालय में होगा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने कहा कि इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ संभावित आगामी वार्ता में रूस वार्ता प्रक्रिया के लिए दोनों पक्षों के दृष्टिकोणों पर ज्ञापनों का आदान-प्रदान करने का प्रस्ताव करता है।

श्रीलंका में खराब मौसम के कारण 6000लोग प्रभावित

एजेंसी
कोलंबा। श्रीलंका में खराब मौसम के कारण लगभग 6,000 लोग प्रभावित हुये हैं।

आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार प्रतिकूल परिस्थितियों ने 1,579 परिवारों के 5,974 व्यक्तियों को प्रभावित किया है, जबकि 1,545 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इस बीच, श्रीलंका के सरकारी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) ने मानसून में भारी बारिश और तेज

हवाओं के कारण शुक्रवार रात आठ बजे तक 50,000 से अधिक बार बिजली कटौती की सूचना दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों तक भारी बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवायें चलने के आसार हैं। लोगों को गरज के साथ स्थानीय तेज हवाओं और बिजली गिरने से बचने के लिये सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है। श्रीलंका की भौगोलीय स्थिति को देखते हुये इस तरह के खराब मौसम में ऐसी घटनाओं की आशंका अधिक रहती है।गौरतलब है कि श्रीलंका में दक्षिण-पश्चिम मानसून (मई से सितंबर) और पूर्वोत्तर मानसून (दिसंबर से मार्च) दो मुख्य मानसून मौसम होते हैं। इन अवधियों में अक्सर भारी वर्षा, तेज़ हवायें चलती हैं और व्यापक बाढ़ और भूस्खलन होती रहती हैं, जिसके कारण बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचता है, परिवहन, मोबाइल संचार जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ता है और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती होती है।

मूल कारणों के समाधान तक यूक्रेन में जारी रहेगा सैन्य अभियान:रूस

एजेंसी
मॉस्को। वरिष्ठ रूसी अधिकारियों ने कहा है कि यूक्रेन में सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान नहीं हो जाता और शांति समझौतों की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। रूसी स्टेट ड्यूमा की रक्षा समिति के अध्यक्ष एंड्रे कार्टापोलोव ने बिना शर्त युद्ध विराम की संभावना से इनकार करते हुए कहा, हमारा देश तब तक अपना हमला जारी रखेगा जब तक कि चीजें 'लिखित रूप में नहीं रखी जातीं। रूस के सरकारी मीडिया तास (टीएएसएस) के अनुसार, देश की संघीय टीवी एजेंसी चैनल वन पर श्री कार्टापोलोव ने कहा, हम केवल युद्ध विराम के लिए सहमत नहीं होंगे। जब सब कुछ लिखित रूप में रखा जाता है, कानून में पारित किया जाता है, संसदों द्वारा पुष्टि की जाती है, और एक वास्तविक, स्थायी समझौता का हिस्सा बन जाता है - तभी शांति पर विचार किया जा सकता है। तब तक, विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आआपा का 'महिला समृद्धि योजना' को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'महिला समृद्धि योजना' को लेकर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के खिलाफ जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं को 2500 रूपये देने का वादा पूरा नही किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे आआपा के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आज एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दौरान आआपा के नेताओं ने स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन किया। आआपा के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि सरकार बनते ही दिल्ली की महिलाओं के खाते में 2500 रुपये देंगे। सरकार अपने वादे को पूरा करने में नाकामयाब हो गई है। दिल्ली सरकार ने जनता को धोखा दिया है। आआपा का कहना है कि दिल्ली की जनता सरकार से सवाल कर रही है कि अपने वादों को सरकार कब पूरा करेगी?

बच्ची के साथ लापता महिला को पुलिस ने खोजा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के मुखर्जी नगर इलाके में साढ़े पांच माह की बच्ची के साथ गायब हुई एक महिला को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ढूंढ निकाला है। महिला ने बताया कि उसका पति उसके साथ बदसलूकी करता था। इससे हताश होकर उसने 20 दिसंबर, 2024 को अपना घर छोड़ दिया था। काफी प्रयासों के बाद भी स्थानीय पुलिस उसका पता नहीं लगा पाई। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उसकी बरामदगी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच भी उसकी तलाश में जुटी। टेक्नीकल सर्विलांस की मदद से महिला और उसकी तीन साल की बच्ची को नोएडा सेक्टर-73 से सकुशल बरामद कर लिया गया है। महिला पति से अलग होकर यहां छिपकर रह रही थी।

आईपी विश्वविद्यालय ने दाखिला परामर्श सत्र का किया आयोजन

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी) ने दवारका कैंपस में दाखिला संबंधी समाधान के लिए परामर्श सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र के प्रस्तावना संबोधन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने दाखिले के लिए होने वाले ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि काउंसलिंग के दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना है ताकि रैंक या क्वालीफाइंग एग्जाम के मेरिट के अनुसार पसंद का इंस्टिट्यूट मिले। विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव अजय अरोड़ा ने बताया कि आईपीयू ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दाखिला लेता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में पिछले साल से शुरू सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा और स्पोर्ट्स कोटा के बारे में भी जानकारी दी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. गौरव तेहलान ने इस अवसर पर मेधावी एवं निर्धन छात्रों के लिए चलाई जा रही वित्तीय सहायता योजनाओं पर विस्तार से बताया। इसके तहत उन्होंने दिल्ली सरकार की मेरिट-कम-मीन छात्रवृत्ति एवं यूनिवर्सिटी की ईडब्ल्यूएस स्किम के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. उदयन घोष के इस अवसर पर बताया कि ढेर सारे प्रोग्राम में विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर दाखिला देती है। कई प्रोग्राम में दाखिलें नेशनल लेवल टेस्ट्स और क्वालीफाइंग एग्जाम के मेरिट पर दिए जाते हैं। घोष ने बताया कि समस्त प्रोग्राम में दाखिलें ऑनलाइन या ऑफलाइन काउंसलिंग के जरिए होते हैं। कई प्रोग्राम में दाखिलें के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। शेष प्रोग्राम के लिए भी काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

आईपीपीबी का फर्जी असिस्टेंट मैनेजर बनकर की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने शातिर साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए जामताड़ा (झारखंड) से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने खुद को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) का असिस्टेंट मैनेजर बताकर पीड़ित को झांसे में लिया और मोबाइल पर स्क्रीन शेयर करवाकर 15 लाख की ठगी की। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 17 अप्रैल 2025 को साइबर थाना पश्चिम दिल्ली में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज करवाई गईं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति ने आईपीपीबी बैंक का अधिकारी बनकर कॉल किया और कहा कि वह उनके दो बैंक खातों को लिंक करने में मदद करेगा। व्हाट्सऐप कॉल के दौरान आरोपित ने पीड़ितों को स्क्रीन शेयरिंग के लिए कहा और फिर उन्हें एक एपीके फ़ाइल भेजी। जैसे ही पीड़ितों ने वह ऐप इंस्टॉल किया, आरोपित ने उनके मोबाइल को रिमोट एक्सेस कर लिया और धीरे-धीरे 15 लाख उनके खातों से निकाल लिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर विकास कुमार की देखरेख में पुलिस टीम को तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल नंबर और आईपी एड्रेस की जांच के बाद आरोपित की लोकेशन झारखंड के जामताड़ा में मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपित सनाउल मियां को गिरफ्तार किया।

सिटी फॉरेस्ट बनेगा दिल्ली एनसीआर का बेस्ट पर्यटन स्थल

एजेंसी
गाजियाबाद। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले समय में जिले का सिटी फारेस्ट दिल्ली एनसीआर के बेस्ट पर्यटन स्थलों में से एक होगा। जिसमें पर्यटकों के लिए जीप लाइनिंग, ट्रैकिंग ट्रेल्स, बोटिंग, डेकोरेटिव लाइटिंग सहित विभिन्न हाई-एंड सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए जीडीए ने पूरी कार्य योजना बनाई है। इस कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण मंडल आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद के समक्ष किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सभागार में मेरठ मंडल आयुक्त एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सिटी फोरेस्ट पार्क के पुनर्विकास को लेकर एक बैठक हुई। इस बैठक में प्राधिकरण की परामर्शदाता संस्था अर्नस्ट एंड यंग ने कार्य योजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि वर्ष 2023 में आई भीषण बाढ़ के चलते सिटी फोरेस्ट में

पूर्व में कराए गए विकास एवं अनुरक्षण कार्य प्रभावित हुए थे, जिससे पार्क की सौंदर्य व्यवस्था एवं संरचना को भारी क्षति पहुंची थी। इसी के मद्देनज़र सिटी फोरेस्ट के समग्र पुनर्विकास की योजना तैयार की गई है। प्रस्तुतिकरण में प्रस्तावित किया गया कि पार्क को न केवल पूर्व की तुलना में अधिक आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल रूप में विकसित किया जाएगा, बल्कि इसे एक अत्याधुनिक और जन-सामान्य के लिए उपयोगी पर्यटन स्थल के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां प्रस्तावित सुविधाओं में जीप लाइनिंग, ट्रैकिंग ट्रेल्स, बोटिंग, डेकोरेटिव लाइटिंग सहित विभिन्न हाई-एंड सुविधाएं शामिल होंगी, जिससे यह पार्क एक मॉडल अर्बन फॉरेस्ट के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण नागरिकों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं आधुनिक हरित पर्यावरण उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहा है जिससे ना केवल शहर को सुंदर बनाया जायेगा, बल्कि दिल्ली एनसीआर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा, जहाँ बच्चो को घूमने फिरने के साथ पर्यावरण से जुड़ाव होगा। इस बैठक में नगर निगम के आयुक्त विक्रमादित्य मलिक भी उपस्थित रहे।

मान सरकार की 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम पूरी तरह विफलः चुघ

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की पीआर राजनीति ने पंजाब की 'युद्ध नशेयाँ विरुद्ध' मुहिम को भी दिखावटी तमाशा बना दिया। चुघ ने जारी बयान में आरोप लगाया कि इसी अभियान के दौरान पंजाब के इतिहास की सबसे भयावह जहरीली शराब त्रासदी घटी, जिसने साफ तौर पर उजागर कर दिया कि भगवंत मान की सरकार शराब माफियाओं के साथ गठजोड़ में है।चुघ ने कहा, 'आज 31 मई, 2025 है- वही तारीख जिसे आप सरकार ने पंजाब को नशा-मुक्त बनाने की अंतिम समयसीमा घोषित की थी। क्या सच में 'नशे के खिलाफ युद्ध' जीत लिया गया या यह भी उनके बाकी ड्रामों की तरह चुपचाप खत्म हो गया? अरविंद केजरीवाल को 'ब्रांडेड ज़मानती नेता' करार देते हुए चुघ ने कहा कि यह पूरा अभियान सिर्फ एक

राजनीतिक मार्केटिंग स्टंट था, जिसका मकसद सिर्फ दिखावा था, न कि परिणाम। हेल्पलाइन नंबर लॉन्च हुए, यात्राएं निकाली गईं, प्रेस कॉन्फ्रेंसें हुईं – लेकिन असली सवाल जस का तस है कि क्या पंजाब से नशा तस्करी खत्म हुई या फिर सिर्फ मीडिया की सुर्खियों के लिए इसे छिपा दिया गया?

आत्मबोध के बिना आत्मनिर्भरता संभव नहीं,एकात्म दर्शन बनेगा प्रकाश स्तंभ : अरुण कुमार

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि आज जब वैश्विक प्रभाव बढ़ रहे हैं, आत्मबोध के बिना आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। पंडित दीनदयाल का दर्शन इस दिशा में प्रकाश स्तंभ बन सकता है। एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन के आधार पर राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण विचारधारा है। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानव दर्शन व्याख्यानों की 60वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय स्मृति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। अरुण कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन पर चर्चा करते हुए कहा कि एकात्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण विचारधारा है। यह व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की ओर ले जाती है और समाज में परिवर्तन लाने के लिए आवश्यक है। पंडित दीनदयाल ने

भारतीय चिंतन के आलोक में 'एकात्म मानवदर्शन' की कल्पना की। यह दर्शन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एक इकाई मानता है। उनका मानना था कि आत्मबोध ही राष्ट्रबोध की पहली सीढ़ी है। अब समय आ आत्मविस्मृति को आज़ादी के बाद की सबसे बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई समाज अपनी पहचान और जड़ों को भूल जाता है, तो आत्मग्लानि और आत्महीनता घर कर लेती है। इसी आत्मविस्मृति से उबरने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानवदर्शन' का विचार दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई नया विचार नहीं था, बल्कि भारतीय

पीएम मोदी समेत नेताओं ने दी केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की शुभकामनाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मनसुख मांडविया भारत को खेल जगत में महाशक्ति बनाने और हमारे युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में पूरी ऊर्जा से काम कर रहे हैं। हमारे श्रमिकों के कल्याण के लिए उनके प्रयास भी उतने ही सराहनीय हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं।' पीएम मोदी से मिली शुभकामनाओं पर केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा, 'पीएम मोदी आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और आभारी हूं। आप हमारे लिए हर दिन कड़ी मेहनत करने और देश के विकास और कल्याण में योगदान

देने के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी उन्होंने पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भगवान सोमनाथ से प्रार्थना है कि आपको स्वस्थ, सुदीर्घ एवं सुयश पूर्ण जीवन की प्राप्ति हो। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम की कृपा आप पर सदैव बनी रहे, आप स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों, आपके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। दूसरी ओर रविवार को केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल'

राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेने वालों की राह में कोई भी ताकत बाधा नहीं बन सकती: योगी आदित्यनाथ

विशेष संवाददाता
आगरा/लखनऊ, 01 जून।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 2025 के अंतर्गत आगरा में आयोजित विशाल संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पुण्यश्लोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा साम्राज्य की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेशऔर महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखंड में जब विदेशी आक्रांताओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मंदिरों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुनरोद्धार का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक माध्यम बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत आगरा को ब्रजभूमि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरती, जिसे भगवान कृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ, आज हमें गर्व का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का आगरा में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपने राष्ट्रनायकों और नायिकाओं से प्रेरणा लेता है, तो कोई भी ताकत उसके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोकमाता अहिल्याबाई का विराट व्यक्तित्व इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने महिलाओं, हस्तशिल्पियों, कारीगरों, किसानों, युवाओं, सुरक्षा और भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए जो कार्य किए, वे अविस्मरणीय और अभिनंदनीय हैं। उन्होंने बताया कि पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई ने राजकोष की जगह अपने निजी धन से पुरी के जगन्नाथ मंदिर, गया के मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, केदारनाथ धाम, महाकाल मंदिर, ओमकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, भीमाशंकर मंदिर और रामेश्वरम मंदिर सहित अनेक धार्मिक स्थलों का पुनरोद्धार किया। उन्होंने मात्र 70 वर्ष का जीवन जिया, लेकिन उनका व्यक्तित्व आज भी हमें प्रकाश और प्रेरणा दे रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यों से प्रेरित होकर डबल इंजन की सरकार तमाम योजनाएं सांचालित कर रही है। सीएम योगी ने लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,

मातृ वंदना योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान का विशेष उल्लेख किया। साथ ही, काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भव्य राम मंदिर, महाकाल में महालोक, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम, सोमनाथ और रामेश्वरम मंदिरों में हो रहे कार्यों को भी इसी कड़ी का हिस्सा बताया। सीएम योगी ने कहा कि लोकमाता ने मालवा साम्राज्य को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। आज भारत की सेना उसी प्रेरणा से सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करती है। जब पाकिस्तान आतंकियों को पालता है, तो भारत घुसकर मारता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयर सिस्टम को ध्वस्त कर दुश्मन को झुकने के लिए मजबूर किया। यह लोकमाता के विराट व्यक्तित्व की प्रेरणा का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग माफिया को पालते थे, जो कानून व्यवस्था के लिए संकट पैदा करते थे। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार ने लोकमाता के नाम पर औरैया में मेडिकल कॉलेज का नामकरण किया। पहले कुछ लोग उनके नाम पर बने डिग्री कॉलेज का नाम बदल देते थे, लेकिन हम उनकी विरासत को सम्मान दे रहे हैं। सीएम योगी ने देवी अहिल्याबाई द्वारा महिलाओं और हस्तशिल्प के लिए किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे काशी में बनारसी साड़ी विश्वविख्यात है, वैसे ही लोकमाता ने माहिष्मती की साड़ियों को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने महिलाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई, जो आज भी प्रेरणादायक है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उनकी पत्नी सुदेश धनखड़, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, संगोष्ठी के आयोजक एवं संयोजक केंद्रीय मंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल, महाराष्ट्र विधानपरिषद् के सभापति श्रीराम शिंदे, सांसद वीके पार्थसारथी, सांसद वाचस्पति नागराजू, गोवा के पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रकांत कवलेकर, कार्यक्रम के अध्यक्ष हरि सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित पाल और बघेल समाज से जुड़े लोग मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भ्रामक विपणन रणनीतियों को समझने की आवश्यकताः जेपी नड्डा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने युवाओं में तंबाकू के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एक्स पर अपने संदेश में नड्डा ने कहा कि युवाओं में तंबाकू की लत लगने से पहले ही उसे रोकने के लिए समाज को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम, तंबाकू के विज्ञापन का पर्दाफाश करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की चालों को उजागर करना, भ्रामक विपणन रणनीतियों को समझने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है जो हमारे युवाओं को जोखिम में डालती हैं। नड्डा ने सभी को तंबाकू निषेध में एकजुट होकर स्वस्थ, तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों और मौतों पर लगाम लगाने के लिए इस दिन की शुरुआत की थी। पहली बार 31 मई 1988 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इसके बाद से हर साल यह दिन वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि नीति-निर्माण को मजबूत करना, लोग मरते हैं। भारत में ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वेक्षण के अनुसार, 28.6 प्रतिशत वयस्क (लगभग 26.68 करोड़) तंबाकू का किसी न किसी रूप में उपयोग करते हैं- चाहे वह धूम्रपान हो, चबाना हो, दांतों या मसूड़ों पर लगाना हो या सूंघना हो।

जनसहभागिता को बढ़ाना और युवाओं को इन उत्पादों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करना है। स्वास्थ्यकर्मियों, नीति-निर्माताओं, शिक्षकों और समुदायों के बीच सहयोग ही हमें एक तंबाकू-मुक्त भविष्य की ओर ले जा सकता है। हर साल तंबाकू से लगभग 80 लाख लगभग 87 प्रतिशत रोज़ाना तंबाकू का सेवन करते हैं, जबकि 13 प्रतिशत कभी-कभार करते हैं। 21.4 प्रतिशत वयस्कों द्वारा प्रयुक्त तंबाकू स्मोकलेस (बिना धुएं वाला) होता है, जो धूम्रपान (10.7 प्रतिशत) की तुलना में दो गुना से अधिक है- यह इस बात का संकेत है।

देश सबसे पहले, दिल्ली हाई कोर्ट ने ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को सही ठहराया

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय सेना के तीन कैवेलरी रेजीमेंट के एक कमांडिंग ऑफिसर की बर्खास्तगी को बरकरार रखा है। अधिकारी ने खुद के ईसाई धर्म से होने का हवाला देते हुए रेजीमेंट के मंदिर और गुरुद्वारे में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने से इनकार कर दिया था। सैमुअल कमलेसन नाम के अधिकारी ने पेंशन और ग्रेच्युटी के बिना सेना से बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती देते हुए अपनी सेवा फिर से बहाल करने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, लेफ्टिनेंट को सीनियर अधिकारियों ने कई बार समझाया, पर वह अपनी धार्मिक मान्यताओं के चलते धार्मिक परेड में शामिल न होने के फैसले को लेकर अडिग थे। हाई कोर्ट ने कहा, हमारे सैन्य बलों का एक ही चरित्र है, वे देश को सबसे ऊपर रखते हैं। देश उनसे और उनके धर्म से बढ़कर होता है। हमारी सेना में हर धर्म, जाति, क्षेत्र, आस्था को मानने वाले लोग हैं। लेकिन, सेना की वर्दी उन्हें जोड़ती है। वे अपने धर्म, जाति या इलाके के हिसाब से बंटे हुए नहीं हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि सामान्य नागरिक के लिए यह आदेश सख्त लग सकता है, पर सेना में अनुशासन के जो मानक हैं, वे देश के आम नागरिकों से बहुत अलग हैं। कोर्ट आर्मी की इस दलील से सहमत है कि धार्मिक स्थल में प्रवेश करने से इनकार करना सैन्य मूल्यों को कमजोर करेगा। सेना ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा, जरूरी रेजिमेंटल परेड के दौरान धार्मिक स्थलों के अंदर एंट्री से अधिकारी का इनकार करना, यूनिट की एकजुटता और सैन्य बलों को कमजोर करता है। उन्हें ऐसा न करने के लिए कई बार समझाया गया, लेकिन वह नहीं माने। सैमुअल कमलेसन को मार्च 2017 में सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर 3 कैवेलरी रेजीमेंट में कमीशन दिया गया था। इसमें सिख, जाट और राजपूत सैन्य कर्मियों के तीन स्क्वाड्रन शामिल थे।

निवासियों के विरोध के बीच दिल्ली के मद्रासी कैंप में चलाया गया तोड़फोड़ अभियान

एजेंसी
नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा में बारापुला नाले के किनारे स्थित झुग्गी बस्ती मद्रासी कैंप में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ अभियान चलाया गया है। यह कार्रवाई नाले की सफाई और जीर्णोद्धार के लिए क्षेत्र को खाली करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद की जा रही है। अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती के बीच शुरू हुए इस अभियान का लक्ष्य 300 से अधिक झुग्गियों को हटाना है। इलाके के निवासियों ने अपर्याप्त पुनर्वास के बारे में चिंता जताते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जबकि कुछ परिवारों को नरेला में वैकल्पिक आवास की पेशकश की गई है। साइट पर स्थित 370 झुग्गियों में से, 215 परिवारों को प्रधानमंत्री की जहां झुग्गी वहां मकान पुनर्वास योजना के तहत पुनर्वास के लिए पात्र के रूप में पहचाना गया है और उन्हें नरेला में फ्लैट की पेशकश की गई है। शुरुआत में, पुनर्वास योजना में केवल 189 परिवारों को शामिल किया गया था। हालांकि, एक संशोधित सूची में 26 और परिवारों को जोड़ा गया। अपना घर टूटता देख एक निवासी ने से कहा, 'अब हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। 'जहां अभियान दिल्ली उच्च न्यायालय के 9 मई के आदेश का परिणाम है, जिसमें अधिकारियों को नाले की सफाई और जीर्णोद्धार की सुविधा के लिए अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया

ऑपरेशन ब्लू स्टारः एक ऐतिहासिक घाव जो आज भी हरा है-आखिर क्यों चुना गया सैन्य विकल्प ?

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऑपरेशन ब्लू स्टार के 40 साल बाद भी सिख समुदाय इस घाव से पूरी तरह उबर नहीं पाया है। यह घटना न केवल धार्मिक रूप से अपमानजनक थी, बल्कि इससे राज्य और सिख समुदाय के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो गई। इसके बाद देश ने और भी भयानक त्रासदियाँ देखीं — जैसे श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या और 1984 के सिख विरोधी दंगे, जिनमें हजारों निर्दोष सिखों को मार डाला गया। अब समय आ गया है कि भारत सरकार एक सकारात्मक, साहसी और सामंजस्यपूर्ण कदम उठाए। देश को जानने का हक है:

- ऑपरेशन ब्लू स्टार के पीछे असली कारण क्या थे?
- शांति की राह क्यों नहीं अपनाई गई?
- इस निर्णय का जिम्मेदार कौन था?
- अब समुदाय के साथ न्याय और विश्वास कैसे बहाल किया जाए?

सरकार को चाहिए कि वह इस पूरे विषय पर स्पष्ट और आधिकारिक बयान या श्वेत पत्र जारी करे। यह न केवल पारदर्शिता लाएगा, बल्कि सिखों के बीच भरोसा भी पुनर्स्थापित करेगा।

दिल्ली के महापौर ने रेखा गुप्ता सरकार के 100 दिन पूरे होने पर दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भाजपा ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक कार्यकम का आयोजन किया। इस दौरान फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने रेखा गुप्ता से बात की। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह भी जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही दिल्ली सरकार के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सरकार को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकारों की आलोचना भी की। भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी 100 दिन की रिपोर्ट पेश कर दी है। जिससे दिल्ली की जनता बेहद खुश है। महापौर ने कहा कि दिल्ली में ट्रीपल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। आने वाले समय में दिल्ली में विकास के सभी कार्य किए जाएंगे ताकि दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित राजधानी बनाया जा सके। सिंह ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है। दिल्ली की सड़को को ठीक करने से लेकर के कूड़े के पहाड़ तक हटाने का काम किया जा रहा है। ताकि दिल्ली की जनता को स्वच्छ और सुंदर वातावरण दिया जा सके। इस दौरान सिंह ने आआपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ और सफाई के क्षेत्र में जो काम दस साल में केजरीवाल की पार्टी नही कर पाई। वह काम रेखा गुप्ता की सरकार ने 100 दिन के अंदर कर दिया। उन्होंने आआपा के कार्यो की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले दस साल में केजरीवाल की सरकार अस्पतालों में प्रति हजार मरीजों के लिए एक बिस्तर उपलब्ध कराने में भी विफल रही थी। आआपा के लोग स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार के बारे में बात करते थे लेकिन काम एक भी नही किया। इकबाल सिंह ने कहा कि पिछले 27 सालों से दिल्ली में भ्रष्टाचार की राजनीति हो रही है। कांग्रेस और आआपा ने दिल्ली की जनता को ठगने के अलावा कोई काम नही किया। लेकिन अब भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली विकास की ओर आगे बढ़ रही है।

पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों ने तंबाकू सेवन के विरुद्ध ली शपथ

कैथल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जिला सचिवालय में डीएसपी हेडक्वार्टर बीर भान ने पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को उत्पादों सहित किसी भी नशे का सेवन न करने की शपथ दिलाई। इसके साथ साथ सभी चौकियों में भी महिला व पुरुष कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मकसद तंबाकू के उपयोग से जुड़े खतरे को उजागर करना है। तंबाकू सेवन से कैंसर, स्ट्रोक और डायबिटीज जैसी अनेक गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। एसपी ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य तंबाकू के खतरों और स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक प्रभावों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।

कागज कतरन से भरे ट्रक में लगी आग, लाखों का नुकसान

यमुनानगर। तेजली खेल रोड पर कर्ण रिसॉर्ट के नजदीक बिजली की तारों से चिंगारी निकलने से कागज की कतरन (स्क्रैप) से भरे ट्रक में आग लग गई। इसमें लाखों रूपये का नुकसान हो गया। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलने पर डॉयल 112 की टीम सहित दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। यमुनानगर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सचिन ट्रेड के मालिक सचिन ओबेरॉय ने बताया कि आज दोपहर बाद हमारा एक ट्रक तेजली खेल मैदान की तरफ से कागजों की कतरन से भरा हुआ आ रहा था जब वह कर्ण पैलेस के नजदीक पहुंचा तो एक अन्य वाहन ने उसे ओवरटेक किया। जिसके चलते वहां लगे बिजली के खंभे की तारों से शॉर्ट सर्किट हो गया और उसकी चिंगारी से कागजों में आग लग गई। जिसके जलते ड्राइवर की सूझबूझ से तुरंत ही ट्रक को खुले मैदान में ले जाकर छोड़ दिया गया और चालक तुरंत ट्रक से बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। थोड़ी ही देर में कागज की कतरनों सहित ट्रक में भी भयंकर आग लग गई। इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। समान और ट्रक का लगभग सात लाख रुपये के करीब का नुकसान हुआ है। दमकल विभाग के कर्मचारी विपिन कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर तुरंत दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और पूरी तरह से आग पर काबू पा लिया गया। कोई जाने नुकसान नहीं हुआ और जेसीबी की मदद से ट्रक को खाली कर लिया गया। जिसमें लाखों रुपये के समान का नुकसान हुआ है।

हिसार दौरे पर आए रेडक्रॉस महासचिव महेश जोशी, सेवा व जन जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की

हिसार। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव महेश जोशी ने जिला शाखा हिसार का दौरा किया। उनके आगमन पर रेडक्रॉस भवन में सेवा और न्याय की प्रतीक देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष में रक्तदान शिविर एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य नशा मुक्ति, पर्यावरण स्वच्छता तथा सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महेश जोशी ने किया तथा रेडक्रॉस संस्थापक हेनरी डयूनेन्ट को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।कार्यक्रम में रेडक्रॉस हिसार के सचिव रविन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात महेश जोशी ने रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया एवं रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस शिविर में 36 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिसका प्रबंधन सामान्य अस्पताल हिसार की रक्तकोष टीम द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के दौरान सात दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण व व्हील चेयर वितरित की गई। मुख्य अतिथि महेश जोशी को रेडक्रॉस सचिव रविन्द्र कुमार ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके पश्चात महेश जोशी ने रेडक्रॉस द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी प्रकल्पों जैसे आंचल मानसिक विकास केंद्र, शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम, दृष्टिबाधितार्थ संस्थान, ऑर्थो एवं फिजियोथेरेपी सेंटर, प्रोटेक्शन हाउस, कम्प्यूटर सेंटर एवं टीआई प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया।

पानीपत जिले में प्रशासन ने पटाखों पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

पानीपत। पानीपत में जिला प्रशासन ने सभी प्रकार के पटाखों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है । उपायुक्त डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार एनसीआर में सभी प्रकार के पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। जिसके प्रभावी कार्यान्यवन के लिए जिला में कमेटी गठित की गई है। जिला के साथ-साथ खण्ड स्तर पर यह कमेटी छापे के दौरान पाए गए सभी अवैध पटाखों को तत्काल प्रभाव से जब्त करेगी और मौके पर ही उनके विरूद्ध निपटान विस्फोटक नियम 2008 में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा। नियम 128 और सम्बंधित प्रावधानों के तहत अधिकृत अधिकारी जपती और निपटान की कार्यवाही करेंगे। इसको लेकर आम नागरिक भी लगाए गए प्रतिबंध के उल्लंघन के सम्बंध में मोबाईल नम्बर 7015381240 पर भी व्हाट्सएप कर शिकायत कर सकते है।

समान विकास को संकल्पित मुख्यमंत्री सैनी की लोगों से मुलाकात

- **सैनी ने कहा कि अहिल्याबाई ने किसानों को राहत दी, व्यापार को बढ़ावा दिया और सभी वर्गों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए।**

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र के पिपली स्थित अनाज मंडी में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए अहिल्याबाई के पदचिह्नों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने समाज सेवा, बेटियों को शिक्षा और समान अधिकार देने का संकल्प लेने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री सैनी ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार द्वारा मातेश्वरी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर दो एकड़ भूमि पर एक म्यूज़ियम का निर्माण कराया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन और कार्यों से

प्रेरणा ले सके। उन्होंने पाल गडरिया समाज की सहमति से किसी एक गांव या शहर में अहिल्याबाई होलकर के नाम से प्रवेश द्वार बनाने और पाल गडरिया समाज धर्मशाला कुरुक्षेत्र को अपने स्वैच्छिक कोष से 31 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त, कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों ने भी 11-11 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत-महात्मा और महापुरुष हमारी अमूल्य धरोहर और प्रेरणा हैं, और प्रदेश सरकार 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचा रही है। उन्होंने अहिल्याबाई को 'नारी शक्ति' की जीती-जागती मिसाल बताया, जिन्होंने उस युग में महिलाओं को शासन, शिक्षा और स्वतंत्रता से वंचित किए जाने के बावजूद समाज की जंजीरों को तोड़ा।

सैनी ने कहा कि अहिल्याबाई ने किसानों को राहत दी, व्यापार को बढ़ावा दिया और सभी वर्गों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए। उन्होंने अहिल्याबाई के सांस्कृतिक योगदान को भी सराहा, जिन्होंने काशी विश्वनाथ से सोमनाथ तक और मथुरा से रामेश्वरम् तक भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों का पुनर्निर्माण करवाया, जिससे देश की सांस्कृतिक पहचान जीवित रही। मुख्यमंत्री ने हालिया 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि अहिल्याबाई का जीवन बताता है कि नारी में कोमलता के साथ-साथ संकल्प और नेतृत्व का तेज भी होता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को दी विदाई, हुआ सम्मान

एजेंसी

सोनीपत। कल्याण शाखा सोनीपत में तैनात निरीक्षक विष्णु भगवान ने सोनीपत पुलिस के छह उप निरीक्षकों, एक सहायक उप निरीक्षक, दो मुख्य सिपाहियों व एक कुक को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी। आयोजित विदाई समारोह में निरीक्षक विष्णु भगवान सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त हो रहे इन पुलिसकर्मियों को उनके दीर्घकालीन सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में कल्याण निरीक्षक, लाइन अफसर, पुलिस प्रवक्ता, प्रवाचक, तथा पुलिस लाइन मोहर्र सहित अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहा। इस अवसर पर विष्णु भगवान ने बताया कि सेवानिवृत्त होने वालों में उप निरीक्षक जगबीर सिंह, हरी किशन, रोहताश, मुकन्दलाल, रामनिवास, राजेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक दयानन्द, मुख्य सिपाही रामेहर, सुरेश कुमार तथा कुक अभय शामिल हैं। उन्होंने सभी को विभाग में दी गई सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान चिन्ह व उपहार भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

गुरुग्राम में एयर स्ट्राइक जैसी आपात स्थिति की हुई मॉकड्रिल

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला प्रशासन गुरुग्राम द्वारा नागरिक सुरक्षा एवं आपातकालीन स्थितियों के दौरान तैयारियों की वास्तविक समीक्षा के लिए ऑपरेशन शील्ड के तहत जिला में सिविल डिफेंस की द्वितीय एक्सरसाइज आयोजित की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को एयर रेड जैसी आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना, प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावशीलता की जांच करना तथा समन्वय को परखना रहा। एक्सरसाइज का आयोजन जिला के पांच प्रमुख स्थलों सिलोखरा स्थित स्टार मॉल, खांडसा रोड स्थित एसडी आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आवर लेडी फातिमा कॉन्वेंट स्कूल, मानेसर स्थित मारुति सुजुकी प्लांट एवं सोहना रोड स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) स्टेशन पर किया गया। बजे सायरन बजाकर एक्सरसाइज की शुरुआत की गई, जिससे सभी स्थानों पर उपस्थित नागरिक सतर्क हुए और आपात स्थिति में नियमानुसार सुरक्षित स्थानों निकालकर सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। फंसे लोगों को फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस, रेडक्रॉस और आपदा मित्रों की मदद से बचाया गया

की ओर अग्रसर हुए। एयर स्ट्राइक की काल्पनिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बनाए स्टेजिंग एरिया से राहत टीमों को रवाना किया गया था। जिन्होंने नागरिकों को ऊपरी मंज़िलों से और प्राथमिक उपचार हेतु निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाया गया। अभ्यास की जिला सचिवालय स्थित कंट्रोल रूम से डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार द्वारा मोनिटरिंग की गई।

सिरसा में मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन की तैयारियों का सफल परीक्षण

एजेंसी

सिरसा। जिला प्रशासन द्वारा शाम सिरसा के लघु सचिवालय में ऑपरेशन शिल्ड के तहत नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत आपदा प्रबंधन और त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को परखने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास लघु सचिवालय परिसर में हुई मॉकड्रिल में 20 लोगों के घायल होने की स्थिति को दर्शाया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित कार्रवाई और प्रभावी बचाव कार्यों की तैयारियों का मूल्यांकन करना था। मॉड ड्रिल के दौरान अचानक पहली मंजिल पर धुआं उठने लगा और खतरा मानते हुए सायरन बजाया गया, तो आपदा प्रबंधन को लेकर पुलिस व एंबुलेंस व फायरब्रिगेड को सूचनाएं फ्लैश हुई, जिसके कुछ ही देर में पुलिस की गाड़ी पहुंची और ठीक इस गाड़ी के पीछे होमगार्ड की गाड़ी आ गई। कुछ ही समय में एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड की गाडियां भी पहुंच गई। तीन मिनट की अवधि के दौरान आठ एंबुलेंस और फायर बिग्रेड की तीन गाडियां

पहुंच चुकी थी। इस मॉक ड्रिल में शामिल सभी टीमें फायर ब्रिगेड, पुलिस, एंबुलेंस सेवाएं, रेडक्रॉस, एनसीसी और आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य विभाग ने उल्लेखनीय तत्परता और समन्वय का प्रदर्शन किया। एनआईसी की टीम द्वारा मॉकड्रिल को हेडक्वार्टर पर लाइव दिखाया गया। मॉक ड्रिल में विभिन्न विभागों ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने और बचाव कार्यों को अंजाम दिया, जबकि पुलिस व होमगार्ड ने घायलों को एंबुलेंस तक पहुंचाने का काम किया। इस एनसीसी के स्वयंसेवकों ने घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने में सहायता की। आपदा प्रबंधन टीम ने प्राथमिक उपचार और चिकित्सा सहायता की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया।

गरीबों को नौकरी मिलने से तिलमिलाए हुड्डा: बडौली

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना में भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकमाता अहिल्या बाईहोलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बालिका दौड़ प्रतियोगिता व अन्य आयोजन संपन्न हुए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और कार्यक्रम में भाग लेते हुए सामाजिक, राजनीतिक और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार प्रकट किए। प्रदेश अध्यक्ष ने लोकमाता अहिल्या बाई होलकर को न्यायप्रिय और कल्याणकारी योजनाओं की समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा और भारत सरकार इस ऐतिहासिक अवसर को जन-जन तक पहुंचाकर उनके जीवन से प्रेरणा ले रही है। बालिका दौड़ के आयोजन का उद्देश्य भी महिला सशक्तिकरण और नई पीढ़ी को प्रेरित

करना रहा। विजयी छात्राओं को पदक देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान मोहनलाल बडौली ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर हमला बोलते हुए कहा कि हुड्डा इस बात से तिलमिला गए हैं कि गरीब परिवारोंके बच्चों को हरियाणा सरकार में नौकरियां कैसे मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन घरों में पहले कभी सरकारी नौकरी नहीं लगी थी, वहां भी अब बच्चों को रोजगार मिल रहा है। बडौली ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और हुड्डा ने अदालत में जाकर भर्ती प्रक्रियाओं पर रोक लगवाई है जबकि भाजपा सरकार ऐसे बच्चों के साथ खड़ी है और उन्हें रोजगार दिलाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुए घर-घर सिंदूर अभियान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए सवालों को उन्होंने झूठी खबर (फेक न्यूज) करार दिया।

बडौली ने कहा कि कुछ समाचार माध्यमों ने इसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया है और दोषियों पर कार्रवाई होगी। सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पूरी तरह से सक्षम है और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी महिला अधिकारी कर्नल द्वारा दी गई। यदि पाकिस्तान फिर कोई दुस्साहस करता है तो सख्त प्रतिक्रिया दी जाएगी।

ऑपरेशन शील्ड के तहत कलायत व कांगथली में हुई मॉक ड्रिल :डीसी प्रीति

एजेंसी

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि जिला स्तर पर ऑपरेशन शील्ड के तहत कलायत व कांगथली में सफल रूप से मॉक ड्रिल की गई। कैथल में लघु सचिवालय व अन्य स्थानों पर सायं 5 बजे सायरन की आवाज गूंजी। डीसी ने बताया कि आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा, तैयारी तथा रिस्पॉन्स को परखने के उद्देश्य से जिले में एसडीएम अजय हुड्डा की अगुवाई में कलायत के लघु सचिवालय में तथा एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह की अगुवाई में कांगथली पॉवर प्लांट में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन ने संकट के समय सुरक्षा व्यवस्थाओं, आम लोगों, सुरक्षा बलों और प्रशासन के बीच तालमेल बिठाने का अनूठा प्रयास रहा। इस दौरान सायरनों की आवाज गूंजते ही बचाव दल मौके पर पहुंचना शुरू हो गए। जिसमें फायर ब्रिगेड, पुलिस, एंबुलेंस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। अभ्यास के तौर पर रेडक्रॉस के वॉलिंटियर्स आपात स्थिति में घायल होने पर लोगों को पीठ पर व स्ट्रेचर पर उठाकर बाहर लाया गया। उन्हें तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इसके अलावा दमकल की गाडयि़ों ने भी अभ्यास के तौर पर आगजनी पर काबू पाया गया। इस मौके पर आग बुझाने व अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

हुक्का सेवन की प्रवृत्ति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही: राहुल शर्मा

एजेंसी

हिसार। जिला नागरिक अस्पताल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नशा मुक्त भारत, नशा मुक्त हरियाणा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान मास्टर वॉलंटियर एवं सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने शनिवार को बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में हुक्का सेवन की प्रवृत्ति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही है, जो युवाओं के लिए विशेष रूप से हानिकारक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी घर में हुक्का का सेवन हो रहा है, तो बच्चों पर उसका प्रतिकूल असर होता है और वे भी इसकी लत में पड़ सकते हैं। सोशल वर्कर राजेश ने बताया कि इस वर्ष की थीम बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है। उन्होंने कहा कि यह

समाज के भविष्य की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। मनोवैज्ञानिक डॉ. शालू, मनोचिकित्सक डॉ. पूनम दहिया व डॉ. सुखबीर वर्मा ने तंबाकू से होने वाली बीमारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तंबाकू से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी जैसे गंभीर रोग हो सकते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन पर भी नकारात्मक असर डालता है। उन्होंने तंबाकू सेवन से होने वाले अन्य नुकसानों का उल्लेख करते हुए बताया कि इससे कम उम्र में सफेद मोतियाबिंद, दांतों की सड़न, मुंह का कैंसर, फेफड़े और दिल की बीमारियां, पेट के छाले जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी परिस्थिति में नशा समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं की जड़ है। इस दौरान डॉ. विकास चहल ने उपस्थित लोगों को तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई और कहा कि हम सभी को मिलकर एक तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में कार्य करना चाहिए।

नारनौल में नागरिक सुरक्षा अभ्यास-2 ऑपरेशन शील्ड संपन्न

'इस अभ्यास का मकसद केवल किसी भी प्रकार की आपदा के लिए तैयार रहना है।'

(ज्योति दर्पण)

नारनौल। आपातकालीन तैयारियों और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के लिए लघु सचिवालय नारनौल के पीछे राज्यव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास-2 'ऑपरेशन शील्ड' का आयोजन किया गया। यह व्यापक अभ्यास गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में सायं पांच बजे शुरू हुआ। इसी प्रकार सभी उपमंडल में भी यह अभ्यास किया गया। लघु सचिवालय भवन पर लगे सायरन बजते ही सभी टीम एक्शन मोड में आ गई। इस दौरान पुलिस, एसडीआरएफ, रेडक्रॉस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, एनएसएस, एनसीसी, सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स व अन्य एनजीओ की टीमों ने घायलों को बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार करके एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान आपदा प्रतिक्रिया बल को घटना के बारे में सूचित किया। थोड़ी ही देर में असिस्टेंट

कमांडेंट सरोज रानी की अगवानी में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम ने भवन में दबे नागरिकों का रेस्क्यू करके अस्पताल पहुंचाया। लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार भवन में अस्थाई अस्पताल बनाया गया था जिसमें सभी घायलों का सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार की देखरेख में इलाज किया गया। उपायुक्त डा विवेक भारती ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य मौजूदा आपातकालीन तंत्र का परीक्षण करना, नागरिक प्रशासन, रक्षा बलों और स्थानीय नागरिकों के बीच और बेहतर समन्वय करना तथा उन क्षेत्रों की पहचान करना है, जिन्हें और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा कि इस अभ्यास का मकसद केवल किसी भी प्रकार की आपदा के लिए तैयार रहना है। इन तैयारीयों से नागरिकों को घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल कर्मचारियों व अधिकारियों को ही नहीं, बल्कि आमजन को भी आपात स्थिति से निपटने का पूरा ज्ञान होना आवश्यक है। बिना तैयारी के किया गया कोई भी ऑपरेशन रेस्क्यू कई बार आपदा का कारण बन जाता है। ऐसे में तैयारी जरूरी है।

अफसर अब फाइलों में नहीं, गांव की गलियों में हैं : एडीसी डॉ. पंकज

पानीपत। सरकार द्वारा चलाए जा रहे रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान पानीपत के गांव बिहोली में एडीसी डॉ पंकज यादव को समस्याओं की लम्बी फेहरिस्त मिली। इन समस्याओं के निपटारे के लिए एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए । पानीपत में रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत गांव बिहोली में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। एडीसी के समक्ष ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर साझा कीं और कई मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया। एडीसी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम करना है। उन्होंने कहा कि रात्रि ठहराव सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम है। अफसर अब फाइलों में नहीं, गांव की गलियों में हैं। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, यही सरकार का संकल्प है। एडीसी ने बिहौली गांव के सरपंच संदीप कुमार द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों को भी पूरा करने का आश्वासन दिया और कहा कि इन पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

प्लॉस्टिक मुक्त मॉडल गुरुग्राम सरकारी कार्यक्रम तक सीमित ना रहेः आनंद मोहन शरण

एजेंसी

गुरुग्राम। प्लास्टिक मुक्त मॉडल शहर गुरुग्राम प्रोजेक्ट पर पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने यहां अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केवल एक सरकारी कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन की भावना के साथ आगे बढ़ाएं। यदि हम नागरिकों को सहभागी बनाएं, तो यह अभियान अपेक्षित समय-सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सकता है। वे श निवार को यहां इस विषय पर महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में डीसी अजय कुमार, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगम गुरुग्राम तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को प्लास्टिक मुक्त मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के लिए जल्द ही विभिन्न क्षेत्रों को चिन्हित कर पायलट प्रोजेक्ट के तहत आवश्यक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस प्रयास को जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए जनप्रतिनिधियों का सक्रिय सहयोग अनिवार्य है। उन्होंने सिक्किम और इंदौर जैसे शहरों के सफल उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुग्राम को भी उनके पदचिह्नों पर चलकर एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि अनेक गैर-सरकारी संगठन इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए आगे आ रहे हैं। आनंद मोहन शरण ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरुकता बढ़ाने के लिए पोस्टर्स, शॉर्ट वीडियो क्लिप्स, जिंगल्स, सोशल मीडिया अभियानों, नुक्कड़ नाटकों तथा सामुदायिक बैठकों जैसे प्रभावशाली माध्यमों का उपयोग किया जाए। इसके साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स, मॉल, बाजारों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कार्यालयों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा, लोगों के व्यवहार में परिवर्तन इस अभियान की सफलता की आधारशिला है। जब तक आमजन स्वयं प्लास्टिक का उपयोग छोड़ने के लिए प्रेरित नहीं होंगे, तब तक कोई भी सरकारी प्रयास सफल नहीं हो सकता। आनंद मोहन शरण ने सभी विभागों से आह्वान किया।

भारत में रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में निवेश बढ़ाने में केंद्रीय सरकार सक्रिय

नई दिल्ली। भारत एक दशक से भी कम समय में दुनिया के सबसे बड़े रक्षा हथियार आयातक से एक उभरता हुआ निर्यातक बन गया है। कभी अपनी 70फीसदी रक्षा आवश्यकताओं के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर रहने वाला भारत अब 100 से ज़्यादा देशों को उपकरण की आपूर्ति करने के मामले में काफ़ी आगे बढ़ गया है। यह निर्यात वित्तवर्ष 2013-14 में ?686 करोड़ से बढ़कर अब वित्तवर्ष 2023-24 में ? 21,083 करोड़ का हो गया है। यह महत्वपूर्ण परिवर्तन सरकारी पहलों का परिणाम है। भारत न सिर्फ़ आत्मनिर्भर रक्षा वातावरण का निर्माण कर रहा है, बल्कि यह एयरोस्पेस विनिर्माण के क्षेत्र में रक्षा के मामलों में वैश्विक नेता बनने का मंच भी तैयार कर रहा है। भारत के रक्षा तंत्र के केंद्र में एक स्पष्ट रणनीतिक इरादा है - आयात पर निर्भरता को कम करना। 2020 में लॉन्च किया गया, आत्मनिर्भर भारत दरअसल भारत को सभी क्षेत्रों में एक विनिर्माण केंद्र के रूप में देखता है, जहाँ रक्षा और एयरोस्पेस सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं। इसके अलावा, ÷मेक इन इंडिया भारत में निवेश और निर्माण के लिए निजी और विदेशी कंपनियों को आमंत्रित करके इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करता है। भारतीय निर्माताओं के लिए एक गारंटीयुक्त बाज़ार मुहैया करवाने के लिए, पॉज़िटिव इंडिजिनाइज़ेशन लिस्ट में यह क्लॉज़ शामिल है कि उपकरण, हथियार और प्लैटफ़ॉर्म को घरेलू रूप से सोर्स किया जाना चाहिए।

आरआईआर पावर को 2.58 करोड़ रुपये का लाभ, राजस्व में 22.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई। देश की प्रमुख पावर सेमीकंडक्टर निर्माता आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 22.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 26.46 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 21.57 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ (पीएटी) 2.58 करोड़ रुपये रहा जबकि ईबीआईटीडीए 3.33 करोड़ रुपये रहा। ईबीआईटीडीए और पीएटी मार्जिन क्रमशः 12.58 प्रतिशत और 9.75 प्रतिशत रहे और आय प्रति शेयर (ईपीएस) 3.51 रुपये दर्ज किया गया। पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी ने 29.2 प्रतिशत की वार्षिक राजस्व वृद्धि के साथ 86.21 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वार्षिक ईबीआईटीडीए 11.02 करोड़ रुपये और पीएटी 8.02 करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वर्ष से 3.7 प्रतिशत अधिक है। ईपीएस 10.91 रुपये रहा और बोर्ड ने दो रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। आरआईआर ने पूंजी बाजार में निवेशकों के लिए 1:1 बोनस शेयर और 10 रुपये से दो रुपये के स्टॉक स्प्लिट की भी घोषणा की, जिससे शेयरधारकों के लिए तरलता और मूल्य में इजाफा होगा। कंपनी ने ओडिशा में भारत की पहली एंड-टू-एंड सिलिकॉन कार्बाइड वेफर फैब प्लांट स्थापित करने की योजना के तहत 419.5 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह निवेश सिकैमोर सेमीकंडक्टर (अमेरिका) से तकनीकी प्रक्रिया जानकारी प्राप्त करने के लिए किया गया है।

कच्चे खाद्य तेल पर सीमा शुल्क में 10 प्रतिशत की कमी

नयी दिल्ली। खाद्य तेल की कीमतों को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क को 20 प्रतिशत से कम करके 10 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि रिफाइंड ऑयल पर शुद्ध सीमा शुल्क अभी 35.25 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय द्वारा कल देर रात जारी अधिसूचना के अनुसार यह कमी प्रभावी हो गया है। इसके बाद कच्चे खाद्य तेल पर शुद्ध सीमा शुल्क 16.5 प्रतिशत हो गया है। शुल्क में बदलाव का उद्देश्य पाम ऑयल, सोया ऑयल और सूरजमुखी तेल की कीमतों को कम करना है।सरकार ने यह कदम खाद्य तेल कीमतों में उछाल के बीच उठाया है। भारत में इस साल सरसों की बंपर फसल के प्रभाव को नकारते हुए खाद्य तेलों की कीमतें वैश्विक स्तर पर बढ़ गई हैं।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सरसों तेल की कीमतें औसतन 25 प्रतिशत बढ़कर 170 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गई हैं। एक साल पहले की तुलना में 28 मई को पाम ऑयल की औसत खुदरा कीमत 34 प्रतिशत बढ़कर 134 रुपये प्रति लीटर हो गई जबकि सूरजमुखी की कीमतें 30 प्रतिशत अधिक थीं। सोया तेल में सबसे कम 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई और घरेलू बाजार में इसकी कीमत करीब 147 रुपये प्रति लीटर है।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की वापसी, मई में एफपीआई निवेश 19,860 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजारों में मजबूत हुआ है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने मई 2025 में भारतीय बाजारों में रिकॉर्ड तोड़ निवेश किया है। इस महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने ?19,860 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। यह इस साल अब तक का सबसे ऊंचा मासिक निवेश रहा। 26 मई से 30 मई के बीच के सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 6,024.77 करोड़ रुपये डाले। एनएसडीएल ने बताया कि इन दिनों में सकारात्मक निवेश देखने को मिला। लेकिन 1,758.23 करोड़ रुपये की बिकवाली देखी गई। इस मजबूत मासिक प्रदर्शन के बावजूद, 2025 में कुल एफपीआई निवेश नकारात्मक क्षेत्र में बना हुआ है। जनवरी से मई तक, 92,491 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई।

कम मूल्य के नोटों और डिजिटल लेनदेन को प्राथमिकता दे रही सरकार : निर्मला सीतारमण

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता कम मूल्य के नोटों और डिजिटल लेनदेन को प्राथमिकता देना है। सरकार का प्रयास है कि कम मूल्य वाले नोट अधिक प्रचलन में रहें, क्योंकि 2000 रुपये के नोट लगभग पूरी तरह से प्रचलन से बाहर हो चुके हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री आज राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष पूरे होने पर आयोजित राष्ट्रीय स्मारक संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। सीतारमण ने कहा कि हमें और अधिक डिजिटल जागरूकता पैदा करने की जरूरत है, ताकि लोग डिजिटल हस्तांतरण के लाभ को देख सकें। सीतारमण ने 500 रुपये के नोट के भविष्य के बारे में कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि कम

मूल्य वाले नोट अधिक प्रचलन में रहें। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 में सत्ता संभालने के बाद से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहे हैं, जिससे भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दे पाया है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत यूपीए सरकार का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि यह उस सरकार के बिल्कुल विपरीत है, जो कहती थी कि उसके पास रक्षा खरीद पर खर्च करने के लिए पैसा नहीं है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान करना किसी भी राष्ट्र की मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। वित्त मंत्री ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने 'भारतीय प्रौद्योगिकी' के निर्माण के उद्देश्य से रोजगार सृजन के लिए नीति निर्माण में 7 'एम' को शामिल करने पर जोर दिया था। वित्त मंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास वही है, जो आप तब करते हैं, जब आप अंत्योदय में विश्वास करते हैं। इस अवसर पर 'कार्य, धन और कल्याणः जन-प्रथम अर्थव्यवस्था की ओर' शीर्षक सत्र भी आयोजित किया गया।

स्टील, एल्युमीनियम पर अमेरिका में ऊंचे शुल्क से चिंतित है भारतीय निर्यातक

एजेंसी
नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने अमेरिकी में स्टील और एल्युमीनियम पर आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की हाल की घोषणा पर चिंता व्यक्त की है और सरकार से भारतीय स्टील निर्यात की सुरक्षा के लिए अमेरिका के साथ कूटनीतिक प्रयास करने का आग्रह किया है।निर्यातकों का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ऐसी कार्रवाई से भारत के स्टील और एल्युमीनियम निर्यात, विशेष रूप से मूल्यवर्धित और तैयार स्टील उत्पादों और वाहनों के कल पुर्जों का निर्यात प्रभावित होगा भारत के निर्यातकों के शीर्ष मंच फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि अमेरिकी स्टील और एल्युमीनियम आयात शुल्क में प्रस्तावित वृद्धि का विशेष रूप से स्टेनलेस स्टील पाइप, स्ट्रक्चरल स्टील कंपोनेंट और ऑटोमोटिव स्टील पार्ट्स जैसी अर्ध-तैयार और तैयार इस्पात उत्पादों के निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा। ये उत्पाद भारत के बढ़ते इंजीनियरिंग निर्यात का हिस्सा हैं, और उच्च शुल्क अमेरिकी बाजार में हमारी मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता को कम कर सकते हैं। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को लगभग 6.2 अरब डॉलर मूल्य के स्टील और तैयार स्टील उत्पादों का निर्यात किया, जिसमें इंजीनियर्ड और फैब्रिकेटेड स्टील घटकों की एक विस्तृत श्रृंखला और लगभग 86 करोड़ डॉलर के एल्युमीनियम और उसके उत्पाद शामिल हैं। भारतीय स्टील निर्माताओं के लिए अमेरिका शीर्ष गंतव्यों में से एक है, जो उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के माध्यम से धीरे-धीरे बाजार हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। फियो के अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि हालांकि हम समझते हैं कि यह निर्णय अमेरिका में घरेलू नीतिगत विचारों से उपजा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की उप-प्रबंध निदेशक शांति एकंबरम अक्टूबर में होंगी सेवानिवृत्त

एजेंसी
नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक की उप-प्रबंध निदेशक (एमडी) और बैंक के बोर्ड में निदेशक शांति एकंबरम कार्यकाल पूरा होने पर 31 अक्टूबर को अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगी। बैंक ने कार्यकारी निदेशक (ईडी) के पद के लिए पारितोश कश्यप को नियुक्त किया है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि थोक बैंकिंग समूह के अध्यक्ष और व्यवसाय प्रमुख परितोष कश्यप को नियामक अनुमोदन के अधीन पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक) और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के रूप में शांति एकंबरम की जगह नियुक्त किया जाएगा। इस बीच बैंक की उप-प्रबंध निदेशक (एमडी) शांति एकंबरम 31 अक्टूबर को वर्तमान कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हो जाएंगी। बैंक ने बयान में कहा कि शांति एकंबरम ने समूह के कई रणनीतिक व्यवसायों का नेतृत्व किया है, जिनमें निवेश बैंकिंग, पूंजी बाजार, कॉर्पोरेट बैंकिंग, ट्रेजरी, 811 और उपभोक्ता बैंकिंग शामिल हैं। बयान में बताया गया है कि एकंबरम 1991 से

कोटक समूह के साथ जुड़ी हुई हैं और पिछले तीन दशकों में समूह के विकास और संस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उपभोक्ता बैंक, कॉर्पोरेट और निवेश बैंकिंग सहित कई व्यावसायिक इकाइयों की सफलतापूर्वक स्थापना की और उनका विस्तार किया। एकंबरम ने मई, 2022 से फरवरी, 2024 तक पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्य किया और अप्रैल, 2014 से मई, 2022 तक कोटक महिंद्रा बैंक में उपभोक्ता बैंकिंग व्यवसाय का नेतृत्व किया।

इंडिगो की 2 जुलाई से मुंबई-आदमपुर के बीच दैनिक सीधी उड़ान

एजेंसी
नई दिल्ली। बजट एयरलाइन इंडिगो ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से पंजाब के आदमपुर (जालंधर) के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत 2 जुलाई से होगी।

इंडिगो ने एक बयान में बताया कि आदमपुर एयरलाइन का 92वां घरेलू और 133वां समग्र गंतव्य होगा। ये उड़ान दो जुलाई से शुरू होगी। एयरलाइन की नई उड़ान का सीधा कनेक्शन पंजाब के कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों तक होगा, जो मुंबई महानगरीय क्षेत्र के प्रमुख बंदरगाहों तक आसान पहुंच प्रदान करेगा। इससे व्यापार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। एयरलाइन ने यह भी कहा कि नया मार्ग रणनीतिक रूप से व्यवसाय और अवकाश के लिए आने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया गया है, जिससे उन्हें सुविधाजनक यात्रा

विकल्प मिल सकें। इंडिगो के ग्लोबल सेल्स हेड विनय मल्होत्रा ने कहा, हमें मुंबई और आदमपुर (जालंधर) के बीच विशेष सीधी उड़ानों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो तेज़, किफायती और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि आदमपुर मुंबई से हमारा 55वां घरेलू और 77वां गंतव्य बन गया। नया मार्ग पंजाब की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के अवसरों को भी खोलता है, जिससे कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे।

जीएसटी पंजीकरण में देरी के दावों को सीबीआईसी ने खारिज किया

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी पंजीकरण में देरी और भ्रष्टाचार के बारे में सोशल मीडिया पर प्रसारित दावे को खारिज कर दिया है। सीबीआईसी ने कहा कि आवेदक ने अभी तक दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा मांगे गए विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं। सीबीआईसी के मुताबिक एक व्यक्ति ने पेशेवरों के लिए सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर बताया कि कैसे 20 दिन पहले आवेदन करने के बाद भी उसे जीएसटी पंजीकरण नहीं दिया गया है। इसको 'एक्स' पोस्ट पर एक अन्य उपयोगकर्ता ने साझा किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि

जीएसटी पंजीकरण देने में 'भ्रष्टाचार' है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने 'एक्स' पोस्ट पर ही मामले के तथ्य दिए और कहा कि आवेदन इस सप्ताह 26 मई, 2025 को दायर किया गया था, जिसे दिल्ली राज्य जीएसटी को सौंपा गया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं थी। सीबीआईसी ने बताया कि दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों के अनुसार मामले को तुरंत संसाधित किया गया था और कंपनी की ओर से किराया समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का पदनाम नहीं होने के बारे में सवाल किया गया था। सीबीआईसी ने कहा, इस स्तर पर, एआरएन करदाता पक्ष से उत्तर के लिए लंबित था और करदाता को इसकी विधिवत जानकारी दे दी गई थी। लंबित जानकारी प्राप्त होने पर दिल्ली जीएसटी अधिकारियों द्वारा आवेदन पर कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी 'एक्स' पोस्ट पर सीबीआईसी के पोस्ट को रीपोस्ट कर कहा, सीबीआईसी की ओर से विस्तृत जवाब। करदाताओं को सेवा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। करदाताओं की सेवा करते समय, उनका विश्वास और भरोसा जीतने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी बहुत जरूरी है। मुझे विश्वास है कि बोर्ड और क्षेत्रीय संरचनाएं संवेदनशील और ईमानदार रहेंगी।'

पीएनबी का मासिक कृषि आउटरीच कार्यक्रम

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत का अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक पंजाब नेशनल बैंक दो जून, 2025 को अपना मासिक राष्ट्रव्यापी कृषि आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि देश भर में कृषि समुदायों का समर्थन करने के उद्देश्य से, यह पहल हर महीने की पहली तारीख को होगी, जिससे किसानों और कृषि व्यवसायों के साथ निरंतर जुड़ाव सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कृषि पद्धतियों से लेकर आधुनिक उच्च तकनीक समाधानों तक कृषि आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए जागरूकता और वित्तपोषण तक पहुँच को बढ़ाना है। पीएनबी कृषि चौपालों, डिजिटल ज़ोन और पीएनबी बूथों के माध्यम से इस आउटरीच को सुविधाजनक बनाएगा, जिससे ग्रामीण वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता मजबूत होगी।

कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 24 रुपए हुआ सस्ता, नई कीमतें आज से लागू

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से रविवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। कंपनियों द्वारा 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 24 रुपए की कटौती की गई है, जबकि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत कम होकर 1,723.50 रुपए हो गई है, जो कि पहले 1,747.50 रुपए थी। वहीं, कोलकाता में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत घटकर 1,826 रुपए हो गई है, जो कि बीते महीने 1,851.50 रुपए थी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कमर्शियल

एलपीजी गैस सिलेंडर का दाम घटकर 1,674.50 रुपए रह गया है, जो कि पहले 1,699 रुपए था। चेन्नई में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर का दाम घटकर 1,881 रुपए हो गया है, जो कि मई में 1,906 रुपए था। घरेलू एलपीजी गैस के दाम यथावत बने हुए हैं और उनमें कोई भी बदलाव नहीं हुआ है। आखिरी बार घरेलू एलपीजी गैस की कीमतों में 8 अप्रैल 2025 को बदलाव किया गया था। उस दौरान 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा किया गया था। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 853 रुपए, कोलकाता में 879 रुपए, मुंबई में 852.50 रुपए और चेन्नई में 868.50 रुपए है। भारत घरेलू खपत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है। देश में एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई है। इस कारण ऑयल मार्केटिंग कंपनियां समीक्षा के बाद हर महीने की पहली तारीख को नई कीमतें जारी करती हैं। सरकार द्वारा संसद सत्र में पेश की गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाली एलपीजी पाने वाले लाभार्थियों की संख्या इस साल 1 मार्च तक 10.33 करोड़ हो गई है, जबकि भारत में कुल सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 32.94 करोड़ है।

ओला इलेक्ट्रिक की रोडस्टर एक्स की डिलीवरी शुरू

एजेंसी
बेंगलुरु। इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने मोटरसाइकिलों के अपने रोडस्टर एक्स पोर्टफोलियो की डिलीवरी शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि उसने अपने राइड द फ्यूचर अभियान के तहत पहले 5,000 ग्राहकों के लिए 10,000 रुपये मूल्य के ऑफ़र की भी घोषणा की, जिन्हें विस्तारित वारंटी, मूवओएस प्लस और आवश्यक देखभाल मुफ़्त मिलेगी। रोडस्टर एक्स सीरीज़ एक मिड-ड्राइव मोटर के साथ आती है जो प्रदर्शन और सुरक्षा को बढ़ाती है। रोडस्टर सीरीज़ के पावरट्रेन में एक चेन ड्राइव और एक एकीकृत एमसीयू भी है। रोडस्टर एक्स सीरीज़ में मोटरसाइकिलों में फ्लैट केबल भी शामिल हैं। ये केबल पैकेजिंग दक्षता में सुधार करते हैं, वजन कम करते हैं और थर्मल प्रदर्शन को बढ़ाते हैं, जिससे समग्र स्थायित्व और विश्वसनीयता में सुधार होता है।

कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक भाविश अग्रवाल ने कहा,स्कूटर तो बस शुरुआत थी। रोडस्टर एक्स मोटरसाइकिलिंग सेगमेंट में हमारे प्रवेश को चिह्नित करने वाली एक साहसिक छलांग है। रोडस्टर एक्स को भारत में डिज़ाइन, इंजीनियर और निर्मित किया गया है, एक ऐसी पीढ़ी के लिए जो भविष्य की बाइक चलाना चाहती है। आज से शुरू होने वाली डिलीवरी के साथ, रोडस्टर एक्स दोपहिया श्रेणी में ईवी की वास्तविक क्षमता को अनलॉक करेगा, ईवी अपनाने और इंडआईसीईऐज में प्रवेश को गति देगा। रोडस्टर एक्स सीरीज की कीमतें 99,999 रुपये से लेकर 1,99,999 रुपये तक है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा

डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.25 प्रतिशत गिरकर 60.79 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 62.61 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया ने उच्च गुणवत्ता वाले पेटेंटेड रंगीन इस्पात उत्पाद ऑप्टिगल प्राइम और ऑप्टिगल पिन्नाकल लॉन्च किए

एजेंसी
नई दिल्ली। आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया (ए एम / एन एस इंडिया) ने आज ऑप्टिगल0प्राइम और ऑप्टिगल0 पिन्नाकल नामक दो उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद लॉन्च किए, जो इसके प्रीमियम रंगीन लेपित इस्पात पोर्टफोलियो ऑप्टिगल0 का हिस्सा हैं। इस लॉन्च के साथ, ए एम / एन एस इंडिया ने पहली बार भारतीय बाजार में यूरोपीय मानकों वाले अत्यधिक जंग प्रतिरोधी इस्पात को पेश किया है, जिसका उपयोग आधुनिक हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, राजमार्गों और बड़े भवन परियोजनाओं जैसे उच्च स्तरीय निर्माण कार्यों में किया जा सकता है। कंपनी ने ष्ट4 ग्रेड के उच्च गुणवत्ता वाले विशेष इस्पात के क्षेत्र में एक नई श्रेणी की शुरुआत की है, जो अब तक भारत में उपलब्ध नहीं थी, और जिसमें ए एम / एन एस इंडिया देश की एकमात्र घरेलू उत्पादक कंपनी के रूप में उभर कर सामने आई है। यह उत्पाद प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए विकसित भारत के आह्वान को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी का लक्ष्य इस विशेष इस्पात क्षेत्र में प्रमुख हिस्सेदारी प्राप्त करना और आने वाले 2-3 वर्षों में संपूर्ण कलर-कोटेड इस्पात क्षेत्र में 25फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। भारत में रंगीन लेपित इस्पात का बाजार वर्तमान में लगभग 3.4 मिलियन टन का है और यह प्रतिवर्ष लगभग 10त्न की दर से बढ़ रहा है। ऑप्टिगल0? के दो नए विशेष वेरिएंट के जुड़ने से आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया अपने लक्ष्यों की ओर तेज़ी से अग्रसर होगा। ऑप्टिगल0 प्राइम, जो शहरी और मध्यम स्तर के जंग-प्रवण वातावरण के लिए उपयुक्त है, 15 वर्षों की वारंटी के साथ आता है। यह सिलिकॉन मॉडिफाइड पॉलिएस्टर (एस एम पी), सुपर ड्यूरेबल पॉलिएस्टर (एस डी पी) और पी वी डी एफ जैसी उन्नत फिनिश में उपलब्ध है, और छत, दीवार परत (क्लैडिंग) एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए आदर्श विकल्प है ऑप्टिगल0 पिन्नाकल, इस श्रृंखला का सर्वोत्तम वेरिएंट है, जिसे औद्योगिक और तटीय क्षेत्रों जैसी कठिन परिस्थितियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह 25 वर्षों की वारंटी के साथ आता है और इसमें PU/PA कोटिंग्स का प्रयोग किया गया है, जो नमी, - किरणों और अत्यधिक तापमान से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है - जिससे यह हवाई अड्डों, गोदामों और समुद्र के सामने स्थित इमारतों के लिए उपयुक्त बनता है। आर्सेलर मित्तल निप्पोन स्टील इंडिया (ए एम / एन एस इंडिया) के निदेशक और सेल्स एवं मार्केटिंग के उपाध्यक्ष श्री रंजन धर ने कहाःऑप्टिगल0 प्राइम और ऑप्टिगल0 पिन्नाकल का शुभारंभ हमारी गुणवत्ता, स्थायित्व और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे भारत निर्माण और अवसंरचना के क्षेत्र में 'विकसित भारत' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम गर्व के साथ विश्वस्तरीय इस्पात समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं जो विभिन्न जलवायु में औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह हमारी 'स्मार्टर स्टील्स, ब्राइटर फ्यूचर्स' की ब्रांड प्रतिबद्धता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।इन दोनों उत्पादों के छह विशेष वेरिएंट - हाई ग्लॉस, एंटी-डस्ट, एंटी-ग्रैफिटी, एंटी-स्टैटिक, एंटी-माइक्रोबियल और कूल रूफ - उपलब्ध होंगे, जो भारत के तीव्र गति से बढ़ते निर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। ये वेरिएंट जिंक-एल्युमिनियम-मैग्नीशियम तकनीक से तैयार किए गए हैं, जो पारंपरिक कोटिंग्स की तुलना में तीन गुना बेहतर संरक्षण और मौसम प्रतिरोध प्रदान करते हैं। 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत विकसित किए गए ये उत्पाद पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं - इनमें कम वाष्पशील कार्बनिक यौगिक उत्सर्जन है, कोई भारी धातु या हेक्सावेलेंट क्रोमियम नहीं है और ये 100त्न रिसाइकल हैं, जिससे ये सतत और भविष्य-उन्मुख निर्माण के लिए उपयुक्त हैं।

जौ या चना जकिस चीज का सत्तू है ज्यादा फायदेमंद जान लें

सत्तू को भारत के कई राज्यों में खूब पसंद किया जाता है. ये पोष्टिक तत्वों से भरपूर होता है और शरीर को कई फायदे देता है. यही वजह है कि इसे गरीबों का प्रोटीन भी कहा जाता है. सत्तू को जौ और चना से बनाया जाता है. लेकिन दोनों में से कौन सा सत्तू ज्यादा फायदे देता है चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं.

भारत में कई ऐसी देसी चीजें हैं जो पोष्टिक से भरपूर होती हैं और शरीर को अनगिनत फायदे देती हैं. इन्हीं में से एक है सत्तू, जिसका इस्तेमाल कई सालों से होता आ रहा है. ये पोषण तत्वों का भंडार और प्रोटीन से भरपूर होता है. यही वजह है कि इसे 'गरीबों का प्रोटीन' भी कहा जाता है. सत्तू उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में खूब खाया जाता है . खासतौर पर गर्मियों में खाने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन है. क्योंकि ये शरीर को ठंडक देता है और पूरा दिन बॉडी को एनर्जेटिक बनाने के लिए भी फायदेमंद है.

सत्तू पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे एनर्जी बनी रहती है और थकावट नहीं होती है. भारत में सत्तू कई प्रकार के मिलते हैं. जैसे चना सत्तू और जौ सत्तू. ये दोनों ही सत्तू खूब पसंद किए जाते हैं. लेकिन अक्सर कुछ लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि कौन सा सत्तू ज्यादा फायदेमंद होता है. तो चलिए आज इस आर्टिकल में जानते हैं जौ और चना सत्तू के बीच अंतर और आपको लिए कौन सा ज्यादा फायदेमंद है.

चने का सत्तू

चना प्रोटीन, फाइबर, आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर होता है. चने का सत्तू भूने हुए चनों को पीसकर बनाया जाता है. इसे खाने से शरीर को कई तरह के बेनिफिट्स मिलते हैं. जैसे प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत होने की वजह से ये शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का अच्छा ऑप्शन है. इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारता है और कब्ज से राहत देता है. इसके अलावा डायबिटीज के मरीजों के लिए चने का सत्तू फायदेमंद होता है क्योंकि यह ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में मदद करता है. लंबे समय तक पेट भरा रखता है जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है और वजन भी कंट्रोल रहता है.

जौ का सत्तू

जौ एक प्राचीन अनाज है जिसे आयुर्वेद में भी बहुत महत्व दिया गया है. जौ का सत्तू शरीर को ठंडक देता है और गर्मियों में विशेष रूप से लाभदायक होता है. गर्मियों में इसे खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और गर्मी में लू से बचाव करता है. ये एक बेहतर डिटॉक्स ड्रिंक की तरह भी काम करता है, जिससे शरीर से टॉक्सिंस निकलने में मदद मिलती है. इसमें वॉटर सोलुएबल फाइबर होता है जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होता है. ये भी डाइजेशन को बेहतर बनात है.

कौन-सा सत्तू है ज्यादा फायदेमंद?

अब कौन सा सत्तू ज्यादा फायदेमंद है, अगर इस पर बात की जाए तो ये आपके शरीर की जररूत पर निर्भर करता है. जैसे अगर आप मसल्स बनाना चाहते हैं तो चने का सत्तू आपके लिए बेहतर है क्योंकि इसमें प्रोटीन ज्यादा होता है. वहीं, अगर आप गर्मियों में लू से बचाव चाहते हैं, या शरीर को ठंडक पहुंचाना चाहते हैं, तो जौ का सत्तू ज्यादा लाभदायक है. अगर आपका मकसद वजन घटाना है, तो दोनों ही सत्तू फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन चने का सत्तू थोड़ा ज्यादा असरदार हो सकता है. वहीं, डायबिटीज या हार्ट डिजीज से जूझ रहे हैं, तो जौ का सत्तू ज्यादा सेफ और बेनिफिशियल ऑप्शन हो सकता है.

क्या है पेड़ों का संदेश

पेड़, हमें जीवन भर कुछ न कुछ देते रहते हैं। फल, फूल, पत्ते, हवा, छाया इत्यादि। अगर हमारे घर के आसपास पेड़ हैं, तो वो हमें सुकून व शांति देते हैं

पेड़ों का महत्व सर्वविदित है। उनका स्वभाव देने का है। फल, फूल, पत्तियां, छाया तो देते ही हैं। मशहूर लेखक शेल सिल्वरस्टाइन की किताब गिविंग ट्री है, जिसकी हिन्दी में प्रस्तुति अरविंद गुप्ता ने की है। यह पुस्तिका बहुत ही प्रेरणादायक है। इसमें पेड़ जीवन भर क्या देता है, इसकी कहानी है। पेड़ औषधियों के काम आते हैं। नीम इनमें से एक है। नीम बहुत ही उपयोगी पेड़ है।पेड़, हमें जीवन भर कुछ न कुछ देते रहते हैं। फल, फूल, पत्ते, हवा, छाया इत्यादि। अगर हमारे घर के आसपास पेड़ हैं, तो वो हमें सुकून व शांति देते हैं। विशेषकर, जब हम तनाव में होते हैं, परेशान होते हैं, तब पेड़ों की ओर जाते हैं, वे हमें राहत देते हैं। आज मैं इस कॉलम में पेड़ों के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे पेड़ और पर्यावरण को समग्रता में समझा जा सके।बचपन से ही मेरा पेड़ों के साथ करीबी का नाता रहा है। घर के आसपास मधुकामिनी, इमली, नीम बेर, बील, करंज के पेड़ थे। पक्षियों के चहचहाने से ही सुबह की शुरूआत होती थी। दिन भर ठंडी हवा बहती रहती थी। गर्मी के दिनों में मधुकामिनी के फू लों की मीठी खुशबू हर तरफ होती थी। नीम के पत्ते हिलते रहते थे। इनकी शाखाओं पर पक्षी झूला झूलते थे और गाना गाते रहते थे।पिछले कुछ सालों से मुझे देशभर में घूमने का मौका मिला है, जहां भी जाता हूं, पेड़, पहाड़, नदियां अपनी ओर खींचती ही हैं। मैं ऐसे लोगों व समुदायों से भी मिला हूं, जिन्होंन पेड़ लगाने व बचाने का काम किया है।हमारे जिले नर्मदापुरम(मध्यप्रदेश) में ही काकड़ी नामक गांव, जो कुछ साल पहले ही नया बसा है, विस्थापित आदिवासी गांव है, उसे वहां के लोगों ने हरा-भरा कर लिया है। यहां जो पेड़ लगाए गए हैं, उनमें आम, अमरूद, नींबू, कटहल, जामुन, छीताफल, आंवला, पपीता, मुनगा, महुआ इत्यादि पेड़ शामिल हैं। बांस, सागौन और केवलार भी हैं। सभी लोग पौधों की देखरेख करते हैं। उनमें पानी व गोबर खाद देते हैं और जरूरत पड़ने पर गुड़ाई करते हैं। यह सब गांव की एकता से ही संभव हुआ है।उत्तराखंड में सामाजिक कार्यकर्ता विजय जड़धारी, जो चिपको आंदोलन से भी जुड़े रहे हैं, उन्होंने उनके गांव जड़धार में उजड़े जंगल को घने जंगल में बदल दिया है। इस काम में उन्हें गांव को पूरा सहयोग मिला है। इससे वहां के सूख चुके जलस्रोत भी फिर से पानीदार हो गए हैं। यह टिहरी-गढ़वाल जिले में है। उनके गांव में गया हूं, उनके साथ इस जंगल में घूमा हूं।विजय जड़धारी बताते हैं कि टिहरी-गढ़वाल की चंबा-मसूरी पट्टी में पहले अच्छा और सुंदर जंगल था। इस गांव में भी था। पहाड़ के ढलानों से हरियाली की चादर हटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता था। यहां के कई सदाबहार जलस्रोत सूख गए थे, तब गांववाले चिंतित हो उठे। इकट्ठे होकर सोचने लगे, और वनों के जतन में जुट गए।वे आगे बताते हैं कि जड़धार गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया।कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया। यह काम गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया जिसमें जरूरत पड़ने पर थोड़ा बहुत फेरबदल किया जा सके। जंगल की रखवाली के लिए वन सुरक्षा समिति ने दो वनसेवक नियुक्त किए, जिन्हें गांववाले पैसे एकत्र कर कुछ आंशिक मानदेय देने लगे। जो पैसा जुर्माने से एकत्र होता उसे वनसेवकों को मानदेय के रूप में दे दिया जाता। हालांकि मानदेय की राशि कम थी, फिर भी वनसेवकों ने यह काम अपना समझकर किया।

इससे सूखे पानी के जलस्रोत फिर फूट पड़े, सदानीरा हो गए। ये सदाबहार जलस्रोतों से ही साल भर गांवों को पीने का पानी मिलता है। चौड़ी पत्ती के जंगल बारिश के पानी का स्पंज हैं। वे पानी को सोखकर रखते हैं। जहां ऐसे जंगल होते हैं वहां जलस्रोत सदानीरा होते हैं। पानी छन छन, कल कल बहता रहता है। इसके अलावा, कई वन्य प्राणियों ने भी इस जंगल को अपना आशियाना बना लिया है। भालू, सेही, बघेरा, तेंदुआ, बारहसिंघा, हिरण, जंगली सुअर, बंदर आदि यहां प्रायः दिखते हैं। हिरणों की टोलियां बिचरती रहती हैं।अब इस जंगल को देखने व समझने के लिए काफी लोग आते हैं। इसमें बड़ी संख्या में पक्षी भी हैं।इन दिनों वृक्ष खेती का भी प्रचलन बढ़ रहा है। कुछ समय पहले मैं महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रवाला गांव गया था। वहां गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता बसंत फुटाणे ने वृक्ष खेती का काफी अच्छा प्रयोग किया है। उनके खेत में संतरा के 500 पेड़ हैं। इसके अलावा, आंवला, रीठा, बेर, भिलावा, महुआ, दक्खन इमली, इमली, तेंदू, अगस्त, अमलतास, मुनगा, कचनार, चीकू, अमरूद, जामुन,सीताफल, करौंदा, पपीता, बेल, कैथ, इमली, रोहन, नींबू, नीम इत्यादि के फलदार व छायादार पेड़ हैं। वृक्ष खेती के तो और भी कई प्रयोग हैं।पेड़ों का महत्व सर्वविदित है। उनका स्वभाव देने का है। फल, फूल, पत्तियां, छाया तो देते ही हैं। मशहूर लेखक शेल सिल्वरस्टाइन की किताब गिविंग ट्री है, जिसकी हिन्दी में प्रस्तुति अरविंद गुप्ता ने की है। यह पुस्तिका बहुत ही प्रेरणादायक है। इसमें पेड़ जीवन भर क्या देता है, इसकी कहानी है।पेड़ औषधियों के काम आते हैं। नीम इनमें से एक है। नीम बहुत ही उपयोगी पेड़ है। गांवों में चोट लगने पर इसका लेप लगाया जाता है। नीम की दातौन तो करते ही हैं। बीमारियों से बचने के लिए भी इसकी पत्तियों को चबाया जाता है। मेरे पिताजी प्रायः इसकी कोमल पत्तियों को चबाया करते थे, कहते थे इससे बीमारियों से बचाव होता है।इसकी पत्तियों को अनाज के साथ मिलाकर रखा जाता था,माना जाता है कि इससे कीटों से बचाव होता है। पक्षी भी इसकी निबौलियों को चाव से खाते हैं। इसी प्रकार, आम तो फल देता ही है, बहुत घनी छाया भी देता है। बबूल भी काफी उपयोगी है। इसकी पत्तियां बकरियां खाती हैं।पेड़ों के आसपास की मिट्टी में कई तरह के जंतु होते हैं। कीड़े-मकोड़ों का भी वास होता है। इन पेड़ों के आसपास कुकुरमुत्ते (मशरूम) भी उगते हैं। इनमें से कई बहुत ही स्वादिष्ट होते हैं। ये कई आकारों व रंग के होते हैं। इन सबका आश्रयस्थल पेड़ों के आसपास ही होता है।बच्चों का पेड़ों के साथ खास रिश्ता होता है। जब पेड़ों में फल-फूल होते हैं, तो वे उनके आसपास मंडराते रहते हैं। वे फल तो खाते ही हैं, उन पर चढ़कर खेल खेलते हैं। उनकी शाखाओं से झूला झूलते हैं। टहनियों व पत्तों से खिलौना बनाते हैं। घर बनाते हैं। बच्चों के साथ उनकी स्मृतियां सदैव रहती हैं।यह कहा जा सकता है कि पेड़ों का एक संदेश है, जो उनकी यात्रा में छिपा है। उनके बीज, पौधे, तने, फल, फूल में छिपा है। वह उसका जीवन बिना विचलित हुए जीता है। सभी झंझावातों से जूझते हुए जीता है। जब हम दुखी होते हैं तो सहारा देता है।

कुल मिलाकर, पेड़ों से साफ हवा मिलती है, फल, फूल और पत्ते मिलते हैं और हरियाली होती है। जलवायु बदलाव के दौर में पेड़ों व हरियाली से वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैस सोखने की क्षमता बढ़ती है। यह जलवायु बदलाव कम करने का तरीका है। जैविक खेती में ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन है ही नहीं, दूसरी ओर मिट्टी बेहतर होती है। अनुकूलन व शमन का पक्ष भी है।

संपादकीय

डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी।

दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतः कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुईं। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतः हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं।

जिसे लगातार देने से जान बचाने की कोशिश की जा सकती है। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है। जिसके बाद आपातकालीन चिकित्सा सुविधा किसी हद तक मददगार साबित हो सकती है। निस्संदेह, शोध के निष्कर्ष सचेतक और मार्गदर्शक हैं। सुखद यह भी है कि यह शोध भारतीय परिवेश में डेल्टा वैरिएंट के प्रभाव से उपजे साइलेंट हार्ट अटैक को लेकर दृष्टि को स्पष्ट करता है। जिसका लाभ भविष्य में नये वैरिएंट के प्रभावों का विशद् अध्ययन करने में भी हो सकता है।

130 दिनों के शासन में डोनाल्ड ट्रम्प को नहीं मिली कोई सफलता

इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्टपति के रूप में शपथ ली थी

अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्टपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है।इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्टपति के रूप में शपथ ली थी, तब से एक सौ तीस दिन बीत चुके हैं। शुरुआती दिनों में बड़ी उम्मीदें जगाने के बाद, अति सक्रिय राष्टपति अब धीरे-धीरे इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि वे एक बड़ी विफलता हैं। %ट्रम्प हमेशा पीछे हटते हैं। यह एक ऐसा लेबल है जिसे चीनी नेटिज़ेंस ने उनके लिए गढ़ा था क्योंकि वे टैरिफ पर चीन के साथ लड़ाई से डरते थे। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145प्रतिशत तक बढ़ा दिया था और बातचीत शुरू होने से पहले ही चरणों में इसे 30प्रतिशत तक कम कर दिया था।चीनियों ने ट्रम्प की रियायतों को टैरिफ युद्ध में चीन के साथ उलझने के उनके डर के रूप में वर्णित किया। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट में उनके अपने देशवासियों ने उन्हें %टैको(ट्रम्प ऑलवेजचिकन्स आऊट) ट्रेड% की उपाधि दी, जिसका संदर्भ टैरिफ पर उनके तेज़ी से बदलते रुख के आधार पर अमेरिकी शेयर बाज़ारों में होने वाले उतार-चढ़ाव से था।जब एक रिपोर्टर ने ओवल ऑफ़िस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे अमेरिकी राष्टपति से यह सवाल पूछा, तो वह स्पष्ट रूप से गलत ढंग से पेश आये। उन्होंने इसे सबसे घटिया सवाल बताया और उसे फिर कभी इसे न उठाने के लिए कहा। उन्हें यह साबित करने में बहुत मेहनत करनी पड़ी कि वे कायर नहीं हैं।लेकिन अब सर्वव्यापी बैज का खंडन करने के उनके प्रयासों से, ट्रम्प अब एक मुखर व्यक्ति साबित हुए हैं, जो अपने वायदों के लायक नहीं हैं और वे जिन मुद्दों को उठा रहे थे, उन पर सख्त रुख़ अपनाने की बात कर रहे हैं। चाहे वह यह दावा हो कि वे सत्ता में आने पर एक दिन में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। या फिर अमेरिकी संघीय खर्च और बजट घाटे को कम करने के उनके दावे हों- सभी मामलों में, ट्रम्प को धोखेबाज कहा गया है।ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता के लिए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था - तथाकथित डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एक्सपेंडिचर) - ने बुधवार को अपने कदम पीछे खींच लिए और वास्तव में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघीय खर्च में कटौती करने में ट्रम्प की विफलता की सार्वजनिक रूप से आलोचना की।वास्तव में, मस्क को एक टीवी साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से यह कहते हुए सुना गया था कि सैन्य और रक्षा में संघीय खर्च में भारी कर कटौती और बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए बहुचर्चित %बड़ा और सुंदर विधेयक वास्तव में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले के वायदों से मुकरना था। इस विधेयक से अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी। यह उनके द्वारा वायदा किये गये कमी लाने के स्थान पर अमेरिकी सरकार के घाटे में एक बहुत बड़ी उछाल है।मस्क ने विडंबनापूर्ण रूप से बताया है कि यह विधेयक या तो बड़ा हो सकता है या सुंदर, यह दोनों नहीं हो सकता, जो ट्रम्प के वर्णन के बिल्कुल विपरीत है। मस्क वस्तुतः यह कह रहे हैं कि ट्रम्प अमेरिकी राजकोषीय उलझन के अपने वायदे किये गये बड़े टिकट सुधारों से पीछे हट रहे हैं। शेक्सपियर के शब्दों का उपयोग करते हुए, डोनाल्ड ट्रम्प के लिए उन्होंने कहा यह सबसे निर्दयी कटौती है।यूक्रेन युद्ध के मामले में, रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के उकसावे के बावजूद, ट्रम्प ने तत्काल युद्ध विराम के लिए अपने आह्वान की अवहेलना करने के लिए रूस पर तीखे प्रहार करने के बजाय अब तक उसे सहलाया है। जब राष्टपति ट्रम्प शांति की बात कर रहे थे और यूक्रेन से शांति के लिए अपने फार्मूले के तहत युद्ध विराम करने का आग्रह कर रहे थे, तब रूसी राष्टपति ने यूक्रेन पर अपने हमले तेज़ कर दिये।पुतिन ने युद्ध के मैदानों और सैन्य प्रतिष्ठानों के बाहर यूक्रेन के ठिकानों पर सबसे खराब मिसाइलों और ड्रोन हमलों को अंजाम दिया और सीधे शहरों और नागरिक ठिकानों पर हमला किया। ट्रम्प को रूसी पक्ष की ओर से शत्रुता में वृद्धि को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा जब वह अपने युद्ध विराम फार्मूले की बात कर रहे थे।

रूसी राष्टपति ने डोनाल्ड ट्रम्प और यूक्रेन युद्ध को हल करने के उनके प्रयासों को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया है। यहां तक कि जब ट्रम्प ने पुतिन की भाषा का इस्तेमाल करते हुए समाधान फार्मूले को स्पष्ट किया, तब भी पुतिन ने ट्रम्प को नज़रअंदाज़ कर दिया। पुतिन के कूटनीतिक अपमान के बावजूद, ट्रम्प यूक्रेन के राष्टपति वोलोडोमिर ज़ेलेंस्की के बारे में सबसे निंदनीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। इस बीच पुतिन नयी मांगें करते रहे।रूस की अवज्ञा और चालबाजी का सामना करते हुए, अमेरिकी राष्टपति ने रूस के खिलाफ नये प्रतिबंधों के रूप में और अधिक दंडात्मक उपायों पर विचार करने का प्रस्ताव रखा था। ये प्रतिबंध तीसरी संस्थाओं पर लगाये जाने थे, जैसे कि उन लोगों परप्रतिबंध लगाना जो सस्ते रूसी कच्चे तेल खरीद रहे थे।इससे मुख्य रूप से चीन और भारत को दंडित किया जाता, जो रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार के रूप में उभरे हैं, जो रूसी सरकार के खर्च के लिए धन का मुख्य स्रोत है, जिसमें युद्ध के लिए धन भी शामिल है। रूसी कच्चे तेल की बिक्री पर वास्तव में सख्त प्रतिबंध रूसी राज्य को परेशान कर सकते हैं।अन्य प्रतिबंधों का भी प्रस्ताव किया जा रहा था, जैसे कि बाहरी लेनदेन के लिए अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों का उपयोग करने के रूसी विकल्पों को बंद करना। अमेरिका ने अब तक यूक्रेन और यहां तक कि अपने युद्ध प्रयासों के लिए विदेशों में जब्त रूसी धन का उपयोग करने का भी उल्लेख नहीं किया था। यक्रेन द्वारा रूस के काफी अंदर हमलों के लिए भी अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल किया जाना था।हालांकि, अमेरिकी राष्टपति ने वास्तव में इनमें से किसी भी उपाय की घोषणा करने से परहेज किया है, परन्तु इसके विपरीत, ओवल ऑफिस से अपने नवीनतम प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा है कि रूस पर नये प्रतिबंध उनके द्वारा शुरू की गयी शांति प्रक्रिया को खतरे में डाल सकते हैं।यह उल्लेख किया जा सकता है कि अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्टपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके %व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ%। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है। इस प्रकार अमेरिकी राष्टपति के दूसरे कार्यकाल में अब तक जो कुछ बचा है, वह झूठों का एक पुलिंदा और विफलताओं की एक लंबी श्रृंखला है।

जब आपका बच्चा बड़ी कक्षा में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है, ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दें कि वह अपना ध्यान स्वयं रखें। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें की उसे क्या पढ़ाई करना है।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

आज के समय में सभी को आगे बढ़ने की होड़ में कुछ अलग करना चाहते है। आप अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है। ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी की व्यवस्था करें। एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी-कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है, समय- समय पर यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योंकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है। यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

बच्चों के साथ करें ऐसा व्यवहार

बच्चों का पालना पोषण करना आसान काम नहीं है लेकिन इस दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका व्यवहार ऐसो हो कि व भविष्य में बेहतर नागरिक बनकर उभरें। बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वो बच्चों पर छोटी छोटी बातों पर चिल्लाते रहते हैं। इससे बच्चों का व्यवहार भी गुस्सैल हो जाता है। बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार न केवल आप दोनों के संबंध को अच्छा बनाएगा बल्कि बच्चे के पूर्व विकास में भी सहायक होगा।

चिल्लाने से बिगड़ सकती है बात

शायद ही कोई माता-पिता हों, जिन्हें अपने बच्चों पर चिल्लाना न पड़ता हो। बच्चों की शरारत, जिद, बात न मानना या फिर उनकी कोई गलती करना, गाहे-बगाहे आपको मौका दे ही देता है कि आप उन पर गुस्से से चिल्लाएं। बच्चों के साथ आपके इस व्यवहार का कारण हमेशा बच्चे ही हों ये जरूरी नहीं है। कई बार दफ्तर का तनाव, माता-पिता के आपसी रिश्तों में खटास, थकान से पैदा हुआ चिड़चिड़ापन या फिर खराब स्वास्थ्य ऐसे कारण बन जाते हैं, जिनका गुस्सा हम बच्चों पर उतार देते हैं लेकिन बच्चों पर चिल्लाने से आपके और आपके बच्चों के आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। इसके साथ साथ आपकी इस आदत का बुरा असर बच्चों पर पड़ता है।

अगर आप कामकाजी महिला है और आप अपने ऑफिस के लिए तैयार होते होते अपने बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती होंगी। ये बहुत मुश्किल काम है, खासतौर पर तब जब बच्चे छोटे हों। ऐसे में जब बच्चे आपके निर्देशों को मानकर ठीक से तैयार नहीं होते और साथ ही आप को देरी होने लगती है तो आप उनपर चिल्ला देती होंगी। इससे बचने का एक आसान तरीका ये है कि बच्चों के जागने से कुछ देर पहले उठें। अपनी तैयारी कर ले फिर बच्चों को तैयार होने में मदद करें। या फिर पहले बच्चों को तैयार करवा दें, उन्हें नाश्ता करने दें, और उस दौरान आप तैयार हो जाएं। योजना के अनुसार काम से आपको परेशानी नहीं होगी।

रोल मॉडल बनें

बच्चे आमतौर पर वही करते हैं, जो वो अपने माता-पिता से सीखते हैं। अगर वो आपसे चिल्लाने की आदत सीख कर, अपने से छोटे भाई या बहन को फिजूल में डांटें, उन पर बेबात चिल्लाए, तो बेशक आपको अच्छा नहीं लगेगा। जब आप उन पर छोटी-बड़ी बातों पर चिल्लाएंगे, उन्हें बुरी तरह से डाटेंगे तो वो आपसे यही सब सीख कर अपने से छोटों के साथ करेंगे। इस स्थिति से बचने के लिए अपने बच्चों के रोल मॉडल बनें। आप जैसा व्यवहार उनका देखना चाहते हैं, वैसा ही उनके साथ करें।

बच्चों के मुताबिक उम्मीदें लगाएं

हर बच्चे की अपनी अलग क्षमता होती है। आप अपने बच्चे को उसका कमरा साफ करने के लिए कह दें, और वो इस काम को अच्छी तरह से न कर पाए। तो इसका मतलब ये नहीं कि वो आपकी बात नहीं मानता, हो सकता है कि वो उस लिहाज से छोटा हो, या इतना काम उसे न आता हो। बच्चे पर चिल्लाने की बजाय उन उम्मीदों पर ध्यान दें जो आप उनसे लगाते हैं। बच्चों को उनकी उम्र और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें।

ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों से जब भी बात करें अपनी आवाज पर खास ध्यान दें। बच्चों से बहुत तेज आवाज में बात न करें। बच्चे तेज आवाज से डर जाते हैं और वो अपनी बात सामने नहीं रख पाते। ऐसे में हो सकता है कि आप उन्हें ऐसी बात पर डांट दें, जिसमें उनकी कोई गलती ही न हो। बेहतर रहेगा कि आप अपने गुस्से या नाराजगी पर नियंत्रण करके बच्चे से सामान्य होकर बात करें।

चेतावनी देकर छोड़ें

अगर बच्चा कोई बड़ा नुकसान या गलती कर दे तो उसपर तुरंत चिल्लाएं नहीं। बच्चे को थोड़ा डांट समझा कर चेतावनी दे कर छोड़ दें। वैसे भी, आपके चिल्लाते रहने का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अगर आप उसे वॉर्निंग देंगे तो वो आगे से वैसी गलती करने से पहले सोचेगा।

चिल्लाए नहीं समझाएं

कई बार ऐसा होता है कि आप एक बात को चिल्ला चिल्ला कर 10 बार कहते हैं लेकिन तब भी आपका बच्चा आपकी बात नहीं सुनता। वो इसलिए, क्योंकि वो आपकी इस आदत का आदि हो चुका है। उसे आपके चिल्लाने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसलिए अगर आपको बच्चे को कुछ कहना हो तो बजाय कि दूर से चिल्लाते रहने के उसके पास जाएं, उसका ध्यान अपनी ओर खींचे, उससे आंखें मिलाएं और फिर मजबूती से अपनी बात सामने रखें। ऐसे में बच्चा आपको और आपकी बात को अनदेखा नहीं कर सकता।

आजकल के बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। जाने-अनजाने हम सभी इसकी गिरफ्त में आ गए हैं। आजकल के बच्चे अपने प्रश्नों का उत्तर ढूंढ़ने के लिए किताबें खंगालने की बजाय गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी का ये दौर बच्चों के मानसिक विकास के लिए प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है।

डिजिटल युग में बिगड़ते जा रहे हैं हमारे बच्चे

आज के युग को डिजिटल युग भी कहा जाता है। दरअसल, यह ऐसा समय है जिसमें बेहद छोटी उम्र से ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया जा रहा है और जब उनकी खेलने-कूदने की उम्र आती है तो वे पूरा दिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। आजकल ज्यादातर घरों में अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिए या खाना खिलाते वक्त उनके सामने यूट्यूब वीडियोज और गेम्स खोलकर रख देते हैं ताकि वे इनमें व्यस्त रहें, लेकिन इस बात की गंभीरता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे न सिर्फ बच्चों की आंखें खराब हो रही है बल्कि व्यवहार में खासा नकारात्मक बदलाव आ रहा है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे आसानी से मोबाइल एप्स, गेम्स चला रहे हैं और 8-10 साल के कई बच्चे आपको सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय मिल जाएंगे, अगर आपके बच्चे भी सोशल मीडिया और गूगल के शिकंजे मे फंसते जा रहे हैं तो उन पर किसी भी प्रकार की बंदिश लगाने की बजाय कुछ सावधानियां आजमाएं। इस विषय पर 'जीवनधारा रिहेब्लिटेशन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट बरेली से फिजियोलॉजिस्ट मानसी सिंह राठौड़ आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आई हैं जो आपको अपनी परवरिश में शामिल करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर नज़र

सबसे पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि क्या आपका बच्चा उस उम्र मे पहुंच चुका है, जिसमें वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सके? क्योंकि छोटी उम्र के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर गलत कदम उठा लेते हैं या आपराधिक विचारधारा के बन जाते हैं और यदि वो सोशल मीडिया के इस्तेमाल के योग्य हो चुका है तो अपने बच्चे से सोशल मीडिया को लेकर बातचीत करें। उससे उसके ऑनलाइन अनुभव के बारे में जानकारी लें। बच्चों को कभी भी अकेले में सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहने दें और न ही अकेले में ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें, क्योंकि उत्सुकतावश आपका बच्चा सर्च इंजन के जरिए न जाने किस खतरे को आमंत्रण दे सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन गेम्स के खतरों के बारे में जानकारी दें और एक समय निर्धारित करें ताकि आपके बच्चे को ऑनलाइन गेम खेलने की लत न लगे। अगर आप चाहें तो लैपटॉप और कंप्यूटर में सर्विलांस सॉफ्टवेयर लगा सकते हैं, जिससे आप इस बात को जान सकेंगे कि आपके बच्चे क्या सर्च कर रहे हैं।

मोबाइल से दूरी

बच्चों को व्यस्त रखने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। आजकल बाजार में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए तरह-तरह के किट आते हैं, जिससे बच्चों का मानसिक विकास तो होगा ही साथ ही साथ आपका बच्चा मोबाइल से दूर रहेगा। बड़े बच्चों को आउटडोर इनडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करिए, जिससे उनके शरीर और मस्तिष्क दोनों का ही विकास होगा और उनमें एक नई ऊर्जा आएगी।

योगा मेडिटेशन

बच्चों में योगा की आदत डालें ताकि आज की भाग-दौड भरी जिंदगी में जूझने के लिए तैयार रहें। इससे उनमें एकाग्रता आएगी। सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित करें।संस्कार-आजकल के ज्यादातर अभिभावक के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपनी जिम्मेदारियों से तो मुक्त हो जाते हैं पर कहीं न कहीं उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं या फिर यूं कहें उन्हें मालूम ही नहीं है बच्चों को संस्कारी कैसे बनाया जाए।

बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाएं, दूसरों की मदद करना, विनम्रता जैसे संस्कार, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। डायरी लिखने की आदत एकल परिवार की वजह से बच्चे अपने मन की बात जल्दी नहीं कह पाते जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो जाती है, इसलिये उनको दिन भर की बातें डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें और अपने बच्चे से दोस्ती करें ताकि वो आपको ही सारी बातें बताए।

क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पैरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए ही रखें और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें उनसे बातचीत करें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं।

किताबों मे रूचि

मॉरल एजुकेशन वाली बहुत सी किताबें बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चों को ऐसी किताबें लाकर दें ताकि उनका ध्यान टीवी, कंप्यूटर और लैपटॉप की ओर कम जाए और उनमें नैतिकता का विकास हो। आधुनिक अभिभावक की सोच है कि मेरा बच्चा, किसी भी स्थिति में किसी से कम न हो और बस इसी भागदौड़ में लगे रहते हैं। बच्चों को सुविधा तो दीजिए, पर ध्यान रहे वो उसका दुरूपयोग न करे।

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

अपने बच्चे को बचपन से ही सिखायें शेयर करना

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन मे अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी पसंदीदा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं।

कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

हृदय रोग की समस्या जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव, व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है। इसके उपचार के लिए सर्जरी के अलावा खानपान में भी परिवर्तन लाना होता है...

बंद धमनियां : जीवनशैली में बदलाव जरूरी

आज की इस भागती-दौड़ती जिंदगी का सबसे बड़ा शिकार हुआ है हमारा दिल, जो हमारे शरीर का सबसे नाजुक भाग भी है। हर चौबीस घंटे में एक लाख बार धड़कने वाले इस दिल पर ही हमारा जीवन आश्रित है। दिन-प्रतिदिन हृदय रोगों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया भर में हार्ट अटैक मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। लगभग 8 से 10 से प्रतिशत लोग हार्ट अटैक से एक माह के अंदर और लगभग 10 प्रतिशत हार्ट अटैक के बाद पहले साल में ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि जहां विकसित देशों में हृदय रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। दरअसल यह बीमारी व्यक्तियों की जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है।

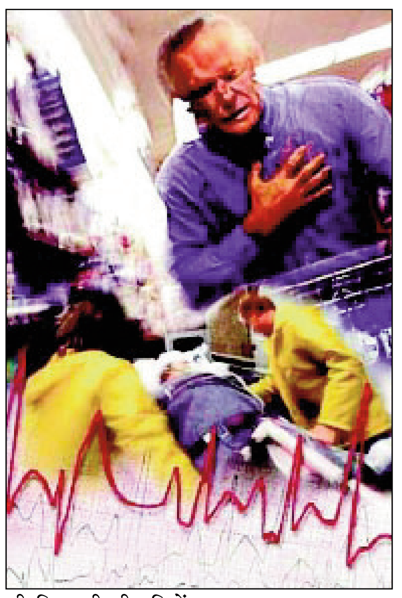

बीमारी का कारण ?

नई दिल्ली स्थित साओल हार्ट सैंटर के निदेशक डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि पुरूषों की तरह ही महिलाओं के लिए भी दिल की बीमारियों के लिए धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, आनुवांशिक आदि तथ्य शामिल होते हैं। कुछ पल के लिए अपनी जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और अपने सामान्य स्वस्थ्य की ओर देखें, यद्यपि आप अपने पारिवारिक इतिहास या आयु के बारे में कुछ नहीं कर सकते, लेकिन आप बहुत से अन्य तथ्यों को बदल तो सकते हैं। तो बताए गए कारणों के साथ आज हार्ट-अटैक का सर्वोपरि कारण है कोलेस्ट्रोल। शरीर में सामान्य मात्रा में कोलेस्ट्रोल का होना स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रोल हो तो एथेस्कलेरोसिस रोग होता है। इस रोग में धमनियों में मोम जैसा पदार्थ जम जाता है जिससे वे बहुत संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का प्रवाह सही तरह से नहीं हो पाता है जिससे दिल का दौरा पड़ जाता है।

लक्षण और इलाज

एंजाइना या हार्ट अटैक का रोग हृदय की तीन शिराओं में कोलेस्ट्रोल के जमने से होता है। कोलेस्ट्रोल जमने की वजह से हृदय की मांसपेशियों में ऑक्सीजन की कमी से एंजाइना का दर्द होता है। अधिक तेज दर्द से कई बार मरीज की जान बचाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर सीने, छाती तथा शरीर के ऊपरी हिस्सों में होने वाले दर्द को लोग पेट में होने वाली गैंस का दर्द समझ बैठते हैं और घरेलू अथवा आसपास के डॉक्टरों के पास भागते हैं। दरअसल उसी समय यदि हृदय रोग विशेषज्ञों से जांच करवायी जाए तो उस दर्द वास्तविक कारण पता चल सकता है और फिर उपचार होने पर व्यक्ति हृदयाघात से बच सकता है।

क्या विकल्प है ?

डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि आज इन सभी थैरेपियों से अलग एक नई पद्धति है जो हृदय रोगियों के लिए स्थायी उपचार प्रदान करने के लिए एक आधुनिक तकनीक है जिसे 9 बायोकैमिकल एंजियोप्लास्टी के नाम से जाना जाता है। दरअसल ये ब्लॉकेज (हृदय की धमनियों में रूकावट) एकदम से नहीं बनते, ये धीरे-धीरे बनते हैं लेकिन जिस तरह ये बनते हैं उन्हें वैसे ही घटाया भी जा सकता है। यह तकनीक ठीक उसी तरह काम करती है जिस प्रकार आजकल घर की औरतें रसोईघर के रूके हुए पाइपों को साफ करने के लिए उसमें ड्रेनैक्स डाल जाता है। जिससे फंसे हुए या जमें हुए कण बाहर आ जाएं व धमनियां पुन: ठीक प्रकार से काम करने लगें। यह इस चिकित्सा की बहुत बेहतर व सुरक्षित पद्धति है क्योंकि इसमें रोगी के शरीर में किसी भी प्रकार की चीड़फाड़ करने की आवश्यकता नहीं होती, रोगी को अस्पताल में भर्ती करने की भी जरूरत नहीं होती, कुछ रोगियों को केवल दो या तीन हफ्तों में ही इस बीमारी से निजात मिल जाती है। इस चिकित्सा के परिणाम अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं यदि इन्हें जीवनशैली बदलाव कार्यक्रम जैसे (खाना पीना, व्यायाम, योग ध्यान, स्ट्रेस-मैनेजमेंट) के साथ अपनाया जाए। याद रखिए कि हृदय संबंधी रोगों के पनपने का कारण है रक्त में चर्बी या कोलेस्ट्रोल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, नशा करना, दिमागी तनाव, मधुमेह, मोटापा, व्यायाम न करना, ठीक प्रकार से खाना न खाना आदि। यदि हम इन सब पर पूरा ध्यान दे पाएं तो हृदय रोगों को कम किया जा सकता है। आज यहां कई ऐसे तथ्य मौजूद हैं जिनसे यह साबित हो सकता है कि बॉयोकैमिकल एंजियोप्लास्टी जादुई असर करती है।

हेल्थ प्लस

क्या नहीं है करेले में?

- करेले की सब्जी बना कर खाने से कब्ज व गैस की शिकायत दूर होती है। साथ ही रक्त साफ होता है जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।
- करेले का रस पीने से पेट के कीड़े मरते हैं।
- करेले के रस से कुल्ले करने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।
- मधुमेह, बवासीर, लकवा आदि रोगों में करेला लाभकारी है।
- करेले के रसपान से शरीर के फोड़े-फूंसियां दूर होते है।

आयरन का भरपूर खजाना हैं 'पालक' में

पालक लौह तत्त्व (आयरन) से भरपूर सब्जी है। इसकी तासीर ठंडी होती है। शरीर में खून बनाने में पालक बहुत सहायक सिद्ध होता है। पालक को पकाने से इसके अंदर मौजूद गुण नष्ट नहीं होते। कब्ज के इलाज में पालक का नित्य सेवन रामबाण है। नियमित रूप से कुछ दिन पालक की सब्जी का सेवन करने से कब्ज से छुटकारा मिलता है।

जिसे रात में बार-बार पेशाब आता हो उसके लिए संध्या में पालक की सब्जी खाना लाभप्रद है। इससे कुछ दिनों में यह शिकायत दूर हो जाती है। पायरिया के रोग में भी पालक काफी उपयोगी सिद्ध होता है। पालक के रस का सुबह सेवन करने से पायरिया से मुक्ति मिलती है। आंतों की सूजन अथवा आंतों के किसी भी रोग में पालक की सब्जी खाना लाभदायक होता है। यह उदर विकारों को भी दूर करता है।

पालक के उपयोग के साथ कुछ सावधानियां बरतना आवश्यक है। पालक के पत्तों को बहुत अच्छी तरह खुले पानी में सफाई से धोयें, और फिर थोड़ी देर इन्हें पोटाश के पानी में भिगोकर रख दें। ऐसा करने से इनके पत्तों पर मौजूद कीड़े-मकोड़े मर जाते हैं। फिर साफ पानी से धोकर इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। बरसात केमहीनों में पालक के सेवन से बचें। इन दिनों मौसमी कीड़े-मकोड़े अधिक होते हैं, जो इन पत्तों के साथ शरीर में प्रवेश कर सकते हैं जिन पर पोटाश का भी असर नहीं होता।

पालक की सब्जी में चूंकि लवण और जल की मात्रा अधिक होती है, इसलिए नमक का इस्तेमाल नाम मात्र ही करना बेहतर होगा।

मोटापा और शरीर में फैट सैल्स

वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा की प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

आप मोटे हैं या पतले, भले ही आपका वजन बढ़ता हो या घटता हो, लेकिन हर साल आपकी 10 प्रतिशत फैट कोशिकाएं मर जाती हैं और हर साल जो कोशिकाएं मरती हैं उनकी जगह नयी फैट कोशिकाएं उनका स्थान ले लेती हैं। ऐसा स्वीडन के शोधकर्ताओं का कहना है। इसका नतीजा यह होता है कि साल दर साल, पूरे वयस्क जीवन तक, शरीर में फैट कोशिकाओं की कुल संख्या समान रहती है। वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा ही प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

यह शोध हाल ही में ऑनलाइन नेचर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि मोटापे की जांच करने वाले शोधकर्ताओं ने कुछ चुटकी लेने वाले प्रश्न उठाये हैं। मसलन, यह कैसे तय होता है कि व्यक्ति के शरीर में कितनी फैट कोशिकाएं हैं, इसी किस्म के अन्य सवाल हैं-

फैट कोशिकाओं की संख्या कब तय होती है ?

क्या कोई हस्तक्षेप का ऐसा तरीका है कि वयस्क होने तक लोगों में फैट कोशिकाओं की संख्या कम हो जाये ?

फैट कोशिकाओं की मृत्यु दर को जन्म दर से तेज करके क्या मोटापे का इलाज किया जा सकता है ?

'यह मोटापे को देखने का बिलकुल नया तरीका है।' ऐसा लेस्टर सैलान्स का कहना है। वह मोटापे के शोधकर्ता और न्यूयार्क स्थित माउंट सिनाई स्कूल ऑफ मेडिसिन में एमिरेट्स प्रोफेसर हैं। लेकिन फिलहाल के लिए, शोधकर्ताओं के अनुसार, उनके पास इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कोई रास्ता नहीं है। एक अन्य मोटापे के शोधकर्ता व हार्व 24 मेडिकल स्कूल में डीन जैफरी लासर का कहना है, 'एक सिस्टम इंतजार में है, जिसकी खोज की जानी है।' लासर व अन्य मोटापे पर शोध करने वालों ने इस संदर्भ में सावधानी बरतने को कहा है कि अगर वैज्ञानिकों को यह मालूम भी हो जाये कि फैट कोशिका सिस्टम किस तरह से काम करता है तो भी यह स्पष्ट नहीं है कि मोटापे का हस्तक्षेप करके इलाज करना सुरक्षित रहेगा। पिछले कई दशकों के अध्ययन ने एक कड़वा पाठ यह पढ़ाया है कि वजन बरकरार रखने के लिए शरीर के पास अतिरिक्त नियंत्रण हैं। सैलान्स का कहना है, 'मेरा मानना है कि शरीर के पास वजन को नियंत्रित करने का इतना जटिल तरीका है कि अगर आप एक जगह हस्तक्षेप करें तो इस हस्तक्षेप को निरस्त करने के लिए किसी दूसरी जगह कुछ और हो जायेगी।'

लेकिन इस खोज से यह फायदा हुआ है कि मोटापे से संबंधित प्रश्नों को संबोधित करने के लिए नये रास्तों की तलाश की जा रही है। मसलन, उन लोगों के साथ क्या होता है जो एडल्टहुड तक पतले रहते हैं और उसके बाद उनका वजन बहुत बढ़ जाता है ?

अध्ययन का फोकस उन लोगों पर था जो बचपन से ही मोटे थे जो कि एडल्ट मोटापे के लिए सामान्य रास्ता है। जो लोग बाद में मोटे होते हैं उनके लिए स्थिति भिन्न हो सकती है। शायद उनमें वास्तव में नयी फैट कोशिकाएं विकसित हो जाती हों-जो कोशिकाएं उनके पास थीं वे फैट से इतनी भर गयी हैं कि और फैट संभाल न पा रही हों।

एक अन्य प्रश्न यह है कि लिपोसक्शन के जरिये जो फैट कोशिकाएं हटायी जाती हैं, क्या वह फिर से विकसित हो जाती हैं ?

इन दोनों ही प्रश्नों पर स्वीडन के शोधकर्ता नये सिरे से जांच कर रहे हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 4072

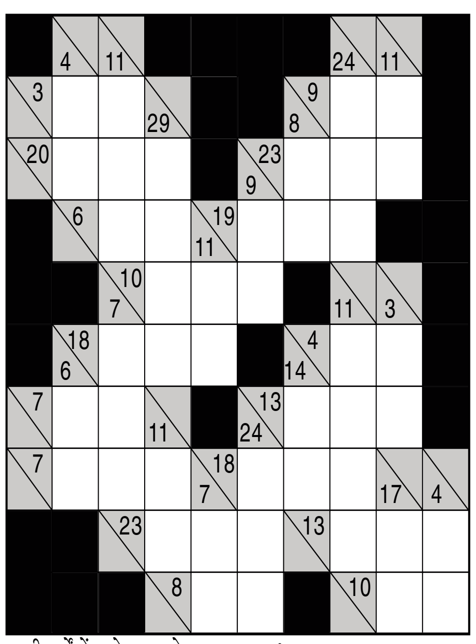

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -4071 का हल

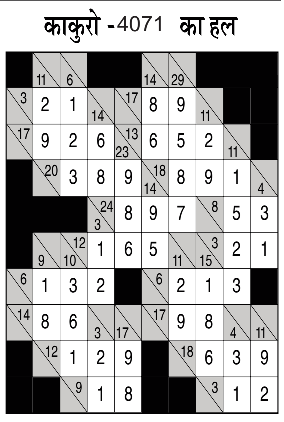

लॉफिंग जोक्स

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4072

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4071

सुडोकु 4072

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4071

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 4072

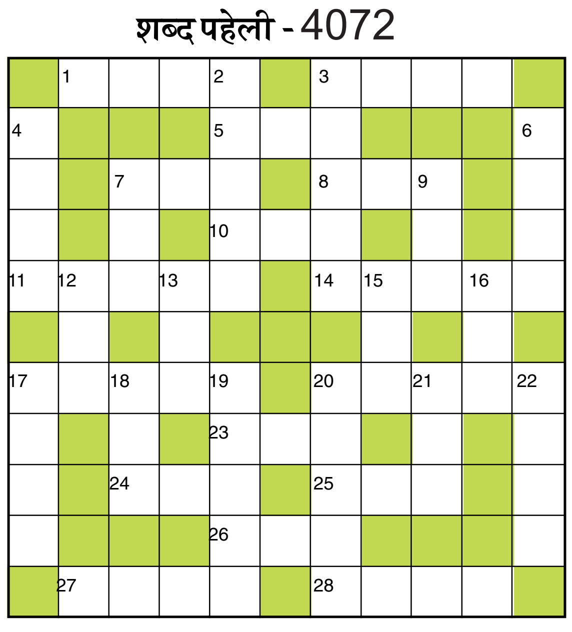

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 4071 का हल

नारायणपुर जिले में 10 शक्तिशाली आईईडी बरामद

एजेंसी

नारायणपुर/रायपुर। नारायणपुर जिले के थाना कोहकामेटा क्षेत्र के कुतुल कैंप से सर्चिंग पर निकले सुरक्षा बलों ने अबूझमाड़ क्षेत्र के ग्राम गुरमका और खोड़पार के जंगल रास्ते से दोपहर को 10 शक्तिशाली आईईडी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शनिवार शाम को जानकारी दी कि बरामद आईईडी का वजन 5-5 किलो से अधिक था जो सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए माओवादियों द्वारा प्लांट किया गया था। इन बमों को सुरक्षात्मक तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि डीआरजी नारायणपुर, 41वीं वाहिनी आईटीबीपी और बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड की संयुक्त टीम धुरबेड़ा, गुरमका और खोड़पार के जंगलों की ओर एरिया डॉमिनेशन के लिए निकली थी। इसी दौरान जवानों ने गुरमका और खोड़पार के जंगल रास्ते पर इनको बरामद किया। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं आईईडी या संदिग्ध वस्तु की जानकारी मिले, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। जानकारी देने वाले को ?5,000 तक का नकद पुरस्कार और उसकी पहचान गुप्त रखी जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले में महाराष्ट्र के मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये वितरित किए गए

मुंबई। महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद पाटिल ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले राज्य के छह नागरिकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता वितरित की गई है। मकरंद पाटिल ने बताया कि शुरुआत में, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए राज्य के नागरिकों के परिवारों को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की गई थी। बाद में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस सहायता राशि को बढ़ाकर 50-50 लाख रुपये करने का निर्णय लिया गया था। इस निर्णय के अनुसार, राहत एवं पुनर्वास विभाग ने आज मृतकों के परिवारों को यह आर्थिक सहायता वितरित की। राज्य सरकार के इस फैसले से प्रभावित परिवारों को राहत मिली है। राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार से प्राप्त यह सहायता ऐसे कठिन समय में परिवारों को कुछ सहारा दे रही है।

मणिपुर में बाढ़, बाढ़ में फंसी आकाशवाणी टीम को बचाया गया

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में बाढ़ की स्थिति ने भयावह रूप ले लिया है। नए इलाकों में बाढ़ आ रही है। बचाव और राहत कार्यों में राज्य प्रशासन और एसडीआरएफ के साथ असम राइफल्स को भी तैनात किया गया है। इस बीच बाढ़ में फंसी आकाशवाणी टीम को सुरक्षित बचाया गया। बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे असम राइफल्स (दक्षिण) के महानिरीक्षक मेजर जनरल रोबरूप सिंह एवीएसएम ने कहा, हम पिछले चार दिनों से स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम राज्य प्रशासन के साथ समन्वय कर रहे हैं और बचाव अभियान चला रहे हैं। हमने सभी संबंधित सरकारी और निजी एजेंसियों के साथ अपना हेल्पलाइन नंबर साझा किया है। बचाव कार्यों को अंजाम देने के लिए नावों सहित आठ टुकड़ियां तैनात की गई हैं। उन्होंने आगे कहा, आल इंडिया रेडियो की एक टीम बाढ़ के पानी में फंस गई थी। उनके उपकरण डूब गए थे। उन्होंने एसओएस कॉल किया। मेरी टीम ने आपातकालीन स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और उन्हें सुरक्षित बचाया। आईजी मेजर जनरल रोबरूप सिंह ने कहा, असम राइफल्स मौजूदा संकट के दौरान नागरिकों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिससे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है।

मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह ने दूधेश्वर नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

गाजियाबाद। मिजोरम के राज्यपाल व पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने यहां ऐतिहासिक पीठ भगवान दूधेश्वर नाथ में पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर के महंत नारायण गिरी के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। इस दौरान मंदिर में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए।मिजोरम के राज्यपाल व पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ऐतिहासिक पीठ भगवान दूधेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मंदिर में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना की और अभिषेक किया। उन्होंने मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की और उन्होंने सभी सिद्ध गुरू समाधियों के आगे मत्था टेका। जनरल वीके सिंह ने मंदिर के पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरि महाराज से फोन करउनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंदिर के पीठाधीश्वर महंत नारायण गिरि महाराज इन दिनों राजस्थान की धर्मयात्रा व देव दर्शन यात्रा पर हैं। इस मौके पर जनरल वीके सिंह ने कहा कि वे भले ही मिजोरम के राज्यपाल बन गए हों, मगर उनकी आत्मा आज भी भगवान दूधेश्वर नाथ के चरणों में ही बसती है। उनका दिल आज भी गाजियाबाद के लोगों के दिलों में ही धड़कता है। यह भगवान दूधेश्वर की कृपा, श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का आशीर्वाद व गाजियाबाद के लोगों का प्रेम, स्नेह व सहयोग ही है, जिसने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। भगवान दूधेश्वर के दर्शन-पूजन से ही हर चुनौती का सामना कर उन पर विजय प्राप्त करने की शक्ति मिलती हैं।

सीजेआई ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में अधिवक्ता चैंबर व मल्टीलेवल पार्किंग का किया उद्घाटन

एजेंसी

प्रयागराज। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। सीजेआई ने अधिवक्ता चैंबर आवंटन के ऑनलाइन पोर्टल का भी रिमोट से उद्घाटन किया। प्रोजेक्टर के माध्यम से पूरे निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। वेब पोर्टल के माध्यम से आवंटन की पारदर्शी प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसमें मानवीय हस्तक्षेप की सम्भावना शून्य है। अत्याधुनिक तकनीकि के माध्यम से पार्किंग की सुविधा है। हाई कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश और केन्द्रीय कानून राज्य मंत्री मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद

सीजेआई ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के साथ परिसर का निरीक्षण किया। उद्घाटन के बाद कार्यक्रम स्थल पर सीजेआई और सीएम पहुंचे। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भंसाली ने सीजेआई को बुके देकर स्वागत किया। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का भी पौधा सौंप कर स्वागत किया गया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मनोज मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरुण भंसाली ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग इलाहाबाद हाई कोर्ट के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा, जस्टिस भंसाली ने बताया कि मल्टीलेवल पार्किंग और एडवोकेट चैंबर 20 लाख फीट एरिया में किया गया है। यह भारत का सबसे बड़ा चैंबर और पार्किंग है। इसमें यूपी सरकार का विशेष योगदान है। इसके अंतर्गत लाइब्रेरी, डाइनिंग हॉल, कांफ्रेंस एंड मीटिंग रूम के साथ पोस्ट आफिस और एसबीआई की शाखा भी है।

राजस्थान में 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत राज्यव्यापी मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में शनिवार शाम को राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से ऑपरेशन शील्ड के तहत बड़े पैमाने पर हवाई हमले और आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट अभ्यास किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को आपदा प्रबंधन प्रक्रियाओं से अवगत कराना और युद्ध या आतंकी हमले जैसी स्थिति में प्रशासन की तैयारियों की जांच करना था। राज्यभर में शाम करीब आठ बजे से पहले अलग-अलग शहरों में ब्लैकआउट किया गया। जयपुर के खातीपुरा रोड से लेकर हसनपुरा तक का क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। इससे पहले पुलिस की टीमों ने कॉलोनियों में जाकर नागरिकों को सूचित किया, जिसके बाद अधिकांश लोगों ने तय समय से पहले ही अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद कर दीं। अजमेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, नागौर, उदयपुर, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, डीडवाना, जैसलमेर, करौली, धौलपुर, कोटा सहित लगभग सभी जिलों में ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल की गई। अजमेर में जैसे ही घड़ी में आठ बजे सभी सरकारी स्ट्रीट लाइट्स बंद कर दी गईं और नागरिकों ने अपने घरों की लाइटें भी बुझा दीं। वहीं बीकानेर में ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन ने बिजली बंद कर दी, लेकिन अधिकांश वाहन चालकों ने अपनी हेडलाइट्स बंद नहीं कीं, जिससे कुछ क्षेत्रों में अंधेरे का प्रभाव पूरी तरह नहीं दिखा। इस दौरान जगह-जगह पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की काल्पनिक स्थितियां बनाकर हवाई हमलों की मॉक ड्रिल की गई। जयपुर के खातीपुरा में स्थित एक स्कूल में युद्ध जैसे माहौल में धमाके और हवाई फायर की स्थिति को दिखाया गया ।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से 21 लाख रूपये के इनामी तीन हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जगरगुण्डा थाना क्षेत्रान्तर्गत सक्रिय लाखों रुपये के इनामी 03 हार्डकोर नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दो नक्सलियों पर छग शासन ने 08-08 लाख और 01 नक्सली पर 05 लाख रुपये सहित कुल 21 लाख रूपये का इनाम घोषित कर रखा था। गिरफ्तार नक्सली वर्ष 2024 में जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत एक शिक्षादूत को बैठक में बुलाकर पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या करने की घटना शामिल रहे हैं। शनिवार शाम को सुकमा जिले केएसपी किरण चव्हाण ने एक प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी। इसमें बताया गया कि इन नक्सलियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर दंतेवाड़ा न्यायालय में पेश किया गया ,जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। सुकमा जिले की एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सल उन्मूलन अभियान तहत 30 मई को जगरगुण्डा थाना से एसडीओपी तोमेश वर्मा के हमराह जिला बल और एसी. साश्वत मनु के हमराह 165 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन, नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए

ग्राम गोंदपल्ली व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे । इस अभियान के दौरान ग्राम गोंदपल्ली की घेराबंदी कर थाना जगरगुण्डा के प्रकरण में फरार चल रहे लाखों रुपये के इनामी 03 हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया।एसपी चव्हाण ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों में 8-8 लाख रुपये के इनामी नक्सली डोडी पोदिया उर्फ प्रकाश (36 वर्ष) ,एसीआरसी रीजनल कम्पनी नंबर 02 का सदस्य/पीपीसीएम निवासी गोंदपल्ली थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा तथा डोडी पाण्डू(18 वर्ष),पीएलजीएल कम्पनी नंबर 10 हेड क्वार्टर का पार्टी सदस्य, निवासी गोंदपल्ली थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा और 5 लाख रुपये का इनामी डोडी नंदू(28 वर्ष) एओबी पार्टी सदस्य/पीपीसीएम, निवासी गोंदपल्ली जगरगुण्डा जिला सुकमा शामिल हैं। पकड़े गये तीनों आरोपित जगरगुण्डा क्षेत्रान्तर्गत गत 13 सितंबर 2024 को ग्राम गोंदपल्ली के शिक्षा दूत को ग्रामीणों की बैठक लेकर पुलिस मुखबिरी के शक में लकड़ी के डण्डे से पीट-पीटकर गले में रस्सी डालकर गला घोंटकर हत्या करने की घटना में अन्य नक्सलियों के साथ शामिल रहे हैं।

कर्नाटक में तम्बाकू उत्पादों के उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध, उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

बेंगलुरु कर्नाटक सरकार ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिये हैं। प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। सरकार के इस फैसले के बाद अब राज्य में 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को सिगरेट, हुक्का और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई है। यह कदम राष्ट्रपति द्वारा सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2024 को मंजूरी देने के बाद संभव हुआ है। अब नये कानून के तहत तंबाकू उत्पाद खरीदने की न्यूनतम आयु 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी गई है। इसके अलावा, किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह निषिद्ध कर दी गई है। यह प्रतिबंध सिगरेट, गुटखा, पान मसाला सहित अन्य सभी तंबाकू उत्पादों पर लागू होगा। अब कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करता है या 21 साल से कम उम्र के व्यक्ति को तंबाकू बेचता है, तो उस पर पहले जहां 200 रुपये का जुर्माना लगता था, अब 1,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। नए कानून की धारा-4ए के तहत अब राज्य में हुक्का बार खोलना या चलाना भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति अपने नाम या किसी और के नाम पर हुक्का बार नहीं खोल सकता, चाहे वो भोजनालय हो, पब हो, बार हो, रेस्टोरेंट हो या किसी भी नाम से चलने वाला कोई भी स्थान हो। यदि कोई हुक्का बार चलाता पाया गया, तो उसे एक साल-तीन साल तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही 50 हजार से 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। हालांकि, कुछ विशेष स्थान जैसे, 30 कमरे या उससे ज्यादा वाले

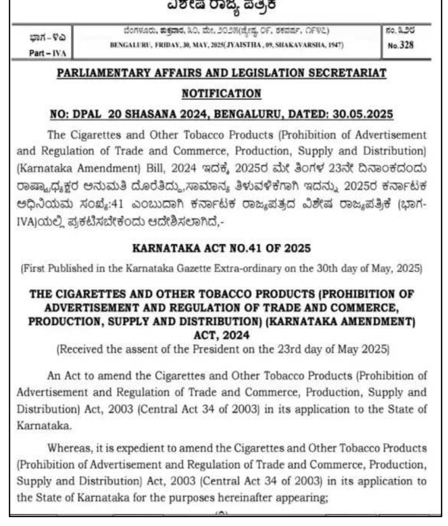

ಅಧಿಕೃತವಾಗಿ ಪ್ರಕಟಿಸಲಾದುದು
ವಿಶೇಷ ರಾಜ್ಯ ಪತ್ರಿಕೆ

Part – IVA | BENGALURU, FRIDAY, 30, MAY, 2025(JYAISTHA, 09, SHAKAVARSHA, 1947) | No.328

PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LEGISLATION SECRETARIAT

NOTIFICATION

NO: DPAL 20 SHASANA 2024, BENGALURU, DATED: 30.05.2025

The Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) (Karnataka Amendment) Bill, 2024 ಇದಕ್ಕೆ 2025ರ ಮೇ ತಿಂಗಳ 23ನೇ ದಿನಾಂಕದಂದು ರಾಷ್ಟ್ರಾಧ್ಯಕ್ಷರ ಅನುಮತಿ ದೊರೆತಿದ್ದು, ಸಾಮಾನ್ಯ ತಿಳುವಳಿಕೆಗಾಗಿ ಇದನ್ನು 2025ರ ಕರ್ನಾಟಕ ಅಧಿನಿಯಮ ಸಂಖ್ಯೆ:41 ಎಂಬುದಾಗಿ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯಪತ್ರದ ವಿಶೇಷ ರಾಜ್ಯಪತ್ರಿಕೆ (ಭಾಗ-IVA)ಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಕಟಿಸಬೇಕೆಂದು ಆದೇಶಿಸಲಾಗಿದೆ,-

KARNATAKA ACT NO.41 OF 2025

(First Published in the Karnataka Gazette Extra-ordinary on the 30th day of May, 2025)

THE CIGARETTES AND OTHER TOBACCO PRODUCTS (PROHIBITION OF ADVERTISEMENT AND REGULATION OF TRADE AND COMMERCE, PRODUCTION, SUPPLY AND DISTRIBUTION) (KARNATAKA AMENDMENT) ACT, 2024

(Received the assent of the President on the 23rd day of May 2025)

An Act to amend the Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act, 2003 (Central Act 34 of 2003) in its application to the State of Karnataka.

Whereas, it is expedient to amend the Cigarettes and Other Tobacco Products (Prohibition of Advertisement and Regulation of Trade and Commerce, Production, Supply and Distribution) Act, 2003 (Central Act 34 of 2003) in its application to the State of Karnataka for the purposes hereinafter appearing;

होटल, 30 या उससे ज्यादा लोगों के बैठने की क्षमता वाले रेस्टोरेंट और हवाई अड्डों जैसे जगहों पर विशेष स्मोकिंग जोन बनाए जा सकते हैं।

मोदी के नेतृत्व में देश में बदल चुकी है 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' की तस्वीर : जेपी नड्डा

एजेंसी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक इस बात का प्रमाण हैं कि अगर कोई भारत की ओर आंख उठाएगा, तो उसे घर में घुसकर जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि अब देश में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' की तस्वीर बदल चुकी है।केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा शनिवार को यहां एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। नड्डा अपनेएक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंचे। उन्होंने राजस्थान में डबल इंजन सरकार की ताकत, नीति निर्धारण की भूमिका और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की योजनाओं की सराहना की। नड्डा यहां राजस्थान

इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। यहां नड्डा ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास के लिए नीति निर्धारण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उस विचारधारा का सच्चा सिपाही बताया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा कर रही है। नड्डा ने कहा कि उजाले का महत्व तब समझ आता है जब कोई अंधकार से निकलता है। राजस्थान अब उजाले में है और इस उजाले को संभालकर रखना है। जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की महिला केन्द्रित योजनाओं की प्रशंसा करते हुए उन्हें देशभर के लिए एक मिसाल बताया। 'गर्भ की पाठशाला' जैसे कार्यक्रमों को उन्होंने समाज को बदलने वाला बताया।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर उनके महिला सशक्तीकरण के प्रयासों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भी उसी दिशा में कार्य कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने बताया कि देशभर में 1 लाख 77 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। साथ ही महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग और पुरुषों के लिए हाइपरटेंशन जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कोलकाता में एनआईए के हत्थे चढ़ा पाकिस्तान का जासूस, चकमा देने के लिए कर रहा था सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोलकाता में एक बड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए पाकिस्तान के लिए काम कर रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया शख्स सुरक्षा एजेंसी को चकमा देने के लिए होटल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। वह पिछले एक महीने से तापसिया इलाके के एक होटल में तैनात था। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर कोलकाता के पार्क सर्कस, मोमिनपुर और इकबालपुर समेत कई इलाकों में छापेमारी की गई। इसके बाद डायमंड हार्बर रोड स्थित एक टूर एंड ट्रैवल एजेंसी पर भी तलाशी ली गई। अंततः सुरक्षा एजेंसी ने पार्क सर्कस से उस गार्ड को हिरासत में लिया। उसे न्यू टाउन स्थित एनआईए के दफ्तर में पूछताछ के लिए ले जाया गया है। होटल में कार्यरत अन्य कर्मचारियों के मुताबिक, आरोपित शख्स करीब एक महीने नौ दिन से काम कर रहा था और वह कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नियुक्त हुआ था। एक स्टाफ मेंबर ने बताया कि वह सुरक्षा विभाग से जुड़ा था और अधिक समय तक होटल में नहीं रहा। सीआरपीएफ जवान से मिली जानकारी के बाद हुई कार्रवाई इस कार्रवाई की कड़ी जुड़ी है हाल ही में गिरफ्तार किए गए सीआरपीएफ जवान मोतीराम से, जिस पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है।

10 करोड़ के इनामी बसव राजू के मारे जाने के बाद बाकी बचे 25 में से 15 शीर्ष नक्सली सुरक्षाबलों के निशाने पर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित प्रदेशों में भी लगातार कमजोर होते नक्सल संगठन में 21 मई को अबूझमाड़ में संगठन का महासचिव और नक्सली संगठन का शीर्षस्थ नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसव राजू मारा गया । इसके बाद से लगातार जारी मुठभेड़ में जहां नक्सली संगठन के कई बड़े नेता सहित दूसरी पंक्ति के नक्सली कैडर मारे जा रहे हैं वहीं नक्सलियों के आत्मसमर्पण व गिरफ्तारी से पूरा नक्सली संगठन तहस-नहस हो गया है। बस्तर आईजी का कहना है कि नक्सली संगठन आज पूर्णतः विघटन की कगार पर है। सुरक्षाबलों के अनुसार बस्तर संभाग में अब केवल 300 सशस्त्र नक्सली कैडर ही बचे हैं, जिनमें शीर्ष नक्सली कैडर की संख्या लगभग 25 है। नक्सली संगठन का शीर्षस्थ नेता नंबाला

केशव राव उर्फ बसव राजू मारे जाने के बाद अब सुरक्षाबलों ने करोड़ों के इनामी 15 शीर्ष नक्सलियों में पोलित ब्यूरो और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुरक्षाबलों के निशाने पर हैं । सुरक्षाबलों का दावा है कि उक्त 15 शीर्ष नक्सलियों में से 9 नक्सली बस्तर के जंगलों में छिपे हुए हैं। प्रदेश में 30 मार्च 2026 तक नक्सलियों के समूल सफाये को लेकर नक्सल विरोधी अभियान लगातार जारी है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूरी तरह से खात्मा कर दिया जाएगा। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. का कहना है कि, नक्सली संगठन आज पूर्णतः विघटन की कगार पर है, जहां कोई नेतृत्व नहीं बचा है। नंबाला केशव राव उर्फ बसव राजू के मारे जाने बाद उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं अब बेमानी हैं। उसकी मौत के साथ ही यह आंदोलन अपनी वैचारिक और संचालन क्षमता भी खो चुका है। यह माना जा सकता है कि नंबाला केशव राव उर्फ बसव राजू ही इस अवैध नक्सली संगठन का अंतिम महासचिव था । सुरक्षाबलों का लक्ष्य अब शीर्ष नक्सलियों को निशाना बनाना है । उन्होंने कहा कि नक्सल मुक्त बस्तर मिशन अब केवल एक सपना नहीं बल्कि तेजी से साकार होती हुई हकीकत है। आईजी ने कहा कि एक समय आतंक और हिंसा का प्रतीक रहा नक्सल आंदोलन अब अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है, जबकि शांति और विकास की नई सुबह बस्तर में दस्तक दे चुकी है। अब नक्सली कैडरों के पास एक मात्र सम्मानजनक विकल्प यह है कि वे आत्मसमर्पण करें। हिंसा का रास्ता छोड़ें और समाज की मुख्यधारा में लौटें।

ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ की भी थी अहम भूमिका, पश्चिमी सीमा पर दुश्मन को दिया था मुंहतोड़ जवाब : अजय लूथरा

एजेंसी

बीकानेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उप महानिरीक्षक अजय लूथरा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केन्द्र सरकार ने सख्त एक्शन लेते हुए 7-8 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था । इस ऑपरेशन में बीएसएफ ने दुश्मन को करारा जवाब दिया था। यहां बीएसएफ के क्षेत्रीय मुख्यालय पर एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान बीएसएफ के उप महानिरीक्षक अजय लूथरा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कई अहम खुलासे किए। उप महानिरीक्षक लूथरा ने कहा कि बीते अप्रैल में हुए पहलगाम हमले में निर्दोषों को निशाना बनाया गया, जो कि पाकिस्तान की कायराना हरकत थी। इसके बाद

बीएसएफ को पश्चिमी सीमा पर सतर्क कर दिया गया। ऑपरेशन के दौरान राजस्थान के सीमावर्ती जिलों जैसलमेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में ड्रोन की घुसपैठ की कई कोशिशें की गईं, जिन्हें बीएसएफ ने भारतीय सेना और एयरफोर्स के साथ मिलकर नाकाम कर दिया।

उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने हालात की गंभीरता को भांपते हुए खुद पश्चिमी सीमा का दौरा किया। उनके साथ डीके बुरा (आईजी ऑपरेशन्स) और एमएल गर्ग (आईजी, जोधपुर फ्रंटियर) भी मौजूद थे।

बीकानेर सेक्टर पहुंचकर उन्होंने जवानों से संवाद किया और तैयारियों का जायजा लिया। लूथरा ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ ने न सिर्फ हाई लेवल इंटेलिजेंस नेटवर्क को सक्रिय किया बल्कि सेना और एयरफोर्स के साथ तालमेल बनाकर दुश्मन की हर हरकत पर नजर रखी। सीनियर अफसरों ने सीमाओं पर मोर्चा संभाला और जवानों को रीयल टाइम में दिशा-निर्देश देते रहे। अजय लूथरा ने कहा कि वर्ष 1971 के युद्ध में बीएसएफ ने जिस जांबाजी से पाकिस्तान को हराने में अहम भूमिका निभाई थी, उसी परंपरा को 'ऑपरेशन सिंदूर' में भी आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि हम देश की रक्षा में जान की परवाह नहीं करते, क्योंकि भारत की सरहदें हमारी आंखों की तरह कीमती हैं।

अवैध हथियारों के साथ मुंगेर का कुख्यात सप्लायर बंगाल में गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बीती रात एक बड़ी कार्रवाई में बिहार के मुंगेर जिले के कुख्यात अवैध हथियार सप्लायर मोहम्मद फिरदौस आलम उर्फ लड्डू (40) को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर आसनसोल नॉर्थ थानांतर्गत पलाशडिहा इलाके में की गई।एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने शनिवार शाम बताया कि आरोपित बिहार के मुंगेर जिले के मफस्सिल थाना क्षेत्र का निवासी है और लंबे समय से अवैध हथियारों का निर्माण कर उनकी तस्करी करता था। वह अपने गांव में ही सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल जैसी उच्च गुणवत्ता वाली अवैध बंदूकें बनाता था और उन्हें विभिन्न इलाकों में बेचता था, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है। इस बार वह खुद हथियारों की आपूर्ति करने के लिए बंगाल आया था, तभी एसटीएफ की टीम ने उसे धर दबोचा। एसटीएफ द्वारा की गई तलाशी में आरोपित के बैग से कुल नौ अवैध हथियार, जिनमें पांच सिंगल शॉट पाइप गन, दो नाइन एमएम पिस्टल, दो सेवन एमएम पिस्टल, छह पिस्टल मैगज़ीन, चार जिंदा कारतूस नाइन एमएम के और दस जिंदा कारतूस 7.65 एमएम के बरामद किए गए हैं। पूरे मामले में आसनसोल नॉर्थ थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच एसटीएफ पश्चिम बंगाल द्वारा की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है।

उत्तरी सिक्किम वाहन दुर्घटना में लापता लोगों का दूसरे दिन भी पता नहीं चल सका

एजेंसी

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के मुंशीथांग में पर्यटकों को ले जा रहे एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने के दो दिन बाद भी चालक सहित लापता हुए नौ पर्यटकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। लापता लोगों को जीवित बचा पाने की संभावना अब लगभग समाप्त हो चुकी है। दूसरी ओर, को हुई भारी बारिश ने समस्या को और बढ़ा दिया है तथा खोज एवं बचाव कार्यों पर भी असर पड़ा है।मंगन जिले के पुलिस अधीक्षक सोनाम डी. भोटिया ने आज दुर्घटना के बारे में जानकारी दी कि शुक्रवार रात भारी बारिश के कारण खोज एवं उद्धार अभियान प्रभावित हुआ। भारी बारिश के कारण विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन हुआ है और तीस्ता नदी का जलस्तर भी काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि उद्धार दल लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण उन्हें परेशानी हो रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह घटना 29 मई की रात साढ़े सात से साढ़े आठ बजे के बीच हुई होगी। लाचुंग से 10 यात्रियों को लेकर आ रही वाहन मुंशीथांग के

पास छोबोंपू में सड़क से करीब एक हजार फीट नीचे तीस्ता नदी में गिर गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण फिलहाल अज्ञात है और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पर्यटक दो वाहनों में लाचुंग से लौट रहे थे और दुर्घटनाग्रस्त वाहन पीछे से आ रहा था। चुंगथांग पहुंचने के बाद काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी वाहन नहीं पहुंचने पर चालकों ने मामले की सूचना चुंगथांग पुलिस को दी। चुंगथांग पुलिस के नेतृत्व में अग्निशमन कर्मियों, आईटीबीपी और ड्राइवरों की एक टीम लापता वाहन की तलाश में निकल पड़ी।उन्होंने बताया कि रात करीब 10-11 बजे दुर्घटना स्थल का पता चलने के बाद खोज एवं उद्धार अभियान शुरू किया गया। दुर्घटना स्थल से दो लोगों को घायल अवस्था में बचाया गया और स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अगले दिन राजधानी के एसटीएनएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वाहन को उत्तरी सिक्किम के सिंघिक निवासी पासांग शेरपा चला रहा था। वाहन में ओडिशा, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश के पर्यटक सवार थे। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान जारी है और लापता लोगों का पता जल्द ही चल जाएगा।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब

टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्रीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडऩे वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडऩे का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडऩे में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है।

एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और किसी अ न्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह करने जा रहे शादी, सपा सांसद संग लेंगे सात फेरे, 8 जून को सगाई; शादी भी इसी साल

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर खिलाड़ी रिंकू सिंह शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वह समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सात फेरे लेंगे। दोनों ने रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी का फैसला लिया। सगाई 8 जून को लखनऊ में होगी, जबकि शादी इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी।

सगाई की तारीखः 8 जून 2025
सगाई की जगहः लखनऊ
शादी की तारीखः 18 नवंबर 2025
शादी की जगह :होटल ताज, वाराणसी

रिंकू और प्रिया की लव स्टोरी

प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज, जो समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद हैं ने बताया कि उनकी बेटी की एक दोस्त के पिता क्रिकेटर हैं। उन्हीं के जरिए प्रिया और रिंकू की पहली मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और अब वे शादी करने जा रहे हैं।

इंग्लैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज विंडीज वनडे सीरीज से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन दाहिनी छोटी उंगली में फ्रैक्चर के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बचे हुए वनडे और आगामी टी20आई सीरीज से बाहर हो गए हैं। ओवरटन को यह चोट गुरुवार को एजबेस्टन में पहले वनडे में इंग्लैंड की जीत के दौरान लगी, जब उन्होंने कीसी कार्टी का तेज रिटर्न कैच छोड़ा और तुरंत इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। जैकब बेथेल ने ओवरटन का ओवर पूरा किया और बाद में उंगली पर भारी पट्टी बंधे होने के बावजूद मैदान पर लौटे। उन्होंने 5.2 ओवर में 3/22 के गेंदबाजी आंकड़े दिए। शुरू में इसे उंगली का उखड़ना समझा गया, लेकिन अब इसकी पुष्टि फ्रैक्चर के रूप में हुई है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा कि वह अब इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजरेंगे। वनडे टीम में कोई रिप्लेसमेंट नहीं जोड़ा जाएगा। इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक ने अपनी कप्तानी की शुरुआत में जीत के बाद कहा कि यह लड़कों का शानदार प्रदर्शन था। मैं बार-बार यही कह रहा हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में बड़े रन बनाएं। गेंदबाजी इकाई के रूप में मैदान के आयामों के अनुसार गेंदबाजी करें। फील्डिंग इकाई के रूप में प्रतिबद्ध रहें और गेंद का पीछा करें।

इतिहासकार को बैग उठाने वाला बोला, शोएब अख्तर को आया मानहानि का नोटिस

कराची। पाकिस्तान के जाने-माने क्रिकेट इतिहासकार, लेखक और टेलीविजन शख्सियत डॉ. नौमान नियाज ने उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाते हुए पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को नोटिस भेजा है। सरकारी स्वामित्व वाले पाकिस्तान टेलीविजन नेटवर्क (पीटीवी) के पूर्व खेल निदेशक डॉ. नियाज ने अपने वकील के माध्यम से यह नोटिस भेजा है। अख्तर ने कथित तौर पर उनके पाकिस्तान टीम के साथ कार्यकाल के दौरान उन्हें 'किट मैन' बताया था। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि डॉ. नियाज मूल रूप से टीम में हमारे लिए बैग और सामान ढोते थे।' अख्तर जब पाकिस्तान टीम के खेलते थे तब डॉ. नियाज ने कुछ दौरों पर पाकिस्तान टीम के डेटा विश्लेषक के रूप में काम किया था। अख्तर ने टीम में कोचों और प्रबंधकों की भूमिका की आलोचना करते हुए बताया कि कैसे डॉ. नियाज खिलाड़ियों के बैग ढोने के लिए टीम में थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम में यही काम किया। मुझे उनके किसी और काम के बारे में जानकारी नहीं है। डॉ. नियाज के वकील ने इस नोटिस में 14 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और हर्जाने का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इन दोनों के बीच पहले भी टकराव हो चुका है। इमरान खान की सरकार के समय में डॉ. नियाज ने मामूली विवाद के बाद अख्तर को पीटीवी पर लाइव शो छोड़ने के लिए कहा था। एक मंत्री के हस्तक्षेप पर उन्होंने बाद में इस तेज गेंदबाज से माफी मांगी और दोनों ने तब विवाद सुलझा लिया था।

वनडे में लागू होंगे नए नियम, 34 ओवर के बाद बदलेगी गेंद, अगर...

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) जुलाई 2025 से वनडे क्रिकेट में नए नियम लागू करने की तैयारी में है। उक्त जानकारी एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई है। इन नए नियमों का उद्देश्य खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है। विशेष रूप से, वनडे क्रिकेट में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम में बदलाव किया जा रहा है, जिसके तहत अब पारी के अंत तक एक ही गेंद का उपयोग होगा। यह बदलाव रिवर्स स्विंग को फिर से लाने और बल्ले व गेंद के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वनडे मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद चुननी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से लागू होगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिपः इंडियन वॉरियर्स की जीत की हैट्रिक, एशियन किंग्स टूर्नामेंट से बाहर

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ग्रेटर नोएडा) में खेले जा रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप के पांचवे दिन इंडियन वॉरियर्स ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए एशियन किंग्स को डीएलएस पद्धति के तहत 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह वॉरियर्स की लगातार तीसरी जीत रही, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

इस मुकाबले में एशियन किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। ओपनर इम्तियाज अहमद और तिलकरत्ने दिलशान की अनुभवी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। इम्तियाज (19) के आउट होने के बाद किंग्स की पारी लड़खड़ा गई। दिलशान (23) ने कुछ देर तक मोर्चा संभाला, लेकिन लगातार गिरते

विकेटों ने उन पर दबाव बना दिया और वे सुमित सिंह की गेंद पर पगबाधा हो गए। इसके बाद उमंग शर्मा (25) और बिपुल शर्मा (48) ने पारी को फिर से संभाला, और अंत में अमित मिश्रा की तूफानी 6 गेंदों में 24 रन की पारी ने स्कोर को 195 रन तक पहुंचाया, जो कि मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बना गया। 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत लड़खड़ाई और उन्होंने केवल 10 रन पर कप्तान प्रियंक पंचाल का विकेट खो दिया। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजों ने मोर्चा संभाल लिया। 9 ओवर के बाद बारिश ने खेल में खलल डाला, उस समय वॉरियर्स 3 विकेट पर 87 रन बना चुके थे। डीएलएस मैथड के अनुसार उन्हें अगली 30 गेंदों में 63 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। मौसिफ खान (31), केदार देवधर (33), पवन नेगी नाबाद (42) और 12 गेंदों में ताबड़तोड़ 33 रन बनाकर अरुण छपराना की दमदार पारियों की बदौलत वॉरियर्स ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अरुण छपराना को मैन ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया।

फोर नेशंस टूर्नामेंटःभारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शुटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने

HOCKEY INDIA

अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

मध्यप्रदेश लीग का सीजन 2 रचेगा इतिहासः ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

इंदौर। केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगामी मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) सीजन 2 को 'ऐतिहासिक' बताते हुए इसे प्रदेश के खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया है। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 12 जून से ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट संघ (जीडीसीए) द्वारा एमपीसीए के तत्वावधान में आयोजित यह पुरुषों की टी20 लीग, पिछले सीजन की अपार सफलता के बाद और भी व्यापक रूप में सामने आ रही है। इस बार दो नई टीमों- चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स को जोड़ा गया है, जिससे कुल टीमों की संख्या सात हो गई है। सिंधिया ने कहा, 'मध्यप्रदेश लीग ने देश की क्रिकेट लीगों में पहले ही अपनी खास जगह बना ली है। मुझे विश्वास है कि यह सीजन न केवल रोमांचक होगा, बल्कि इतिहास भी रचेगा। हमारे कई युवा खिलाड़ी पहले ही आईपीएल में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं और यह मंच भविष्य के सितारों को जन्म देगा। इस साल एमपीएल ने हरित

पहल के रूप में एक नई शुरुआत की है। सिंधिया ने बताया कि इस बार एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है, जिसमें हर डॉट बॉल पर एक पेड़ लगाया जाएगा। यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

एमपीएल क्रिकेट क्लैश ऐप लॉन्चःफैंस के रोमांच को और बढ़ाने के लिए एमपीएल ने 'एमपीएल क्रिकेट क्लैश' नाम से एक एक्सक्लूसिव मोबाइल गेमिंग ऐप भी लॉन्च किया है। यह एक फ्री टू प्ले गेम है, जिसमें उपयोगकर्ता वर्चुअली अपनी पसंदीदा टीम चुनकर लीग का आनंद ले सकते हैं।

महिला लीग की नई शुरुआत

सीजन-2 से महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है। पुरुषों के मैचों के साथ ही महिला मुकाबले भी खेले जाएंगे। महिला लीग में तीन टीमें भोपाल वोल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स भाग लेंगी।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है।

धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार

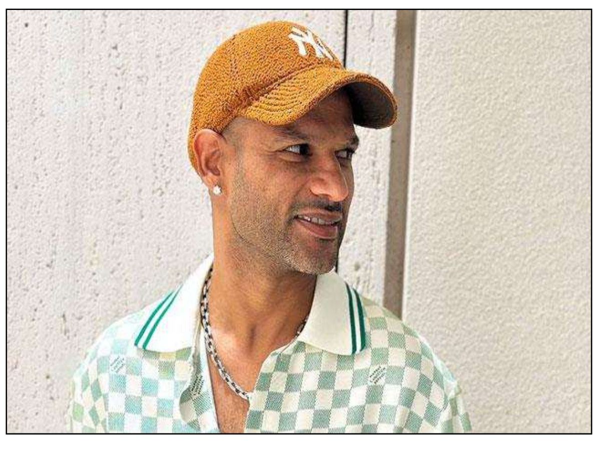

काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः भाला फेंक में सचिन यादव ने जीता रजत, अरशद नदीम को स्वर्ण

एजेंसी

गुमी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट सचिन यादव ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा और दविंदर सिंह कांग जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सचिन यादव लंबे समय तक मेडल की दौड़ से बाहर थे, लेकिन अंतिम दो प्रयासों में उन्होंने बाज़ी पलट दी। उन्होंने 83.03 मीटर और 85.16 मीटर के दमदार थ्रो कर सीधे दूसरे स्थान पर छलांग लगा दी और रजत पदक अपने नाम किया। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने प्रतियोगिता में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास से लय पकड़ी और

86.40 मीटर का जबरदस्त थ्रो करते हुए पहले स्थान पर कब्जा जमाया। उन्होंने आखिरी थ्रो में भी अपने प्रदर्शन को बेहतर किया। भारत के एक और भाला फेंक एथलीट यशवीर सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 82.57 मीटर की थ्रो के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ हासिल किया और पांचवें स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्वालिफाई करने के लिए 85.50 मीटर की थ्रो अनिवार्य है, जो सचिन और यशवीर दोनों से थोड़ी दूर रह गई।

किसान परिवार से निकला सितार

उत्तर प्रदेश के बागपत के पास खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले सचिन यादव की यह थ्रो उनके करियर की दूसरी सर्वश्रेष्ठ रही। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 84.39 मीटर का था। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने इस प्रतियोगिता से किनारा कर डायमंड लीग पर फोकस करने का निर्णय लिया। उन्होंने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की दूरी पार कर इतिहास रचा था।

केएल राहुल ने BCCI से भारत ए टीम में चयन का किया आग्रह, जल्द इंग्लैंड के लिए होंगे रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल के सबसे बहुमुखी क्रिकेटरों में से एक केएल राहुल अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स को प्रतियोगिता के प्लेऑफ में नहीं पहुंचा पाए। दिल्ली अंततः 5वें स्थान पर रही। हालांकि शीर्ष 4 में जगह बनाने में विफल रहने पर राहुल ने कथित तौर पर खुद को भारत ए के इंग्लैंड दौरे के लिए उपलब्ध कराकर अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी में शामिल होने का फैसला किया है। राहुल ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलना चाहते हैं। श्रृंखला की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में पहले मैच से हो गई है। हालांकि राहुल उस मैच के लिए समय पर टीम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन कहा जा रहा है कि वह दूसरे मैच के लिए टीम में जगह बनाने के लिए उत्सुक हैं। इस इरादे से बीसीसीआई और चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को भी अवगत करा दिया गया है। सूत्र के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, वह उड़ान भरेंगे और भारत ए की ओर से दूसरा अनौपचारिक टेस्ट खेलेंगे। चूंकि वह सीनियर पुरुष टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें खेलने का समय और मैच अभ्यास मिलेगा।' इंग्लैंड लायंस और भारत ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट 06 जून से शुरू होगा। इसके बाद सीनियर भारतीय टीम 13 जून को बेकेनहैम में एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल होगी। 5 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : अनिमेष कुजूर ने 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ 20.32 सेकंड में पूरी करका राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की, बल्कि भारत के लिए एथलेटिक्स के इतिहास में भी एक नई उपलब्धि जोड़ दी।इस साल की शुरुआत में फेडरेशन कप के दौरान अनिमेष ने 20.40 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अब उन्होंने उस रिकॉर्ड को और बेहतर करते हुए नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। अनिमेष कुजूर भारत के लिए एशियन एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के इतिहास में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में पदक जीतने वाले केवल दूसरे धावक बने हैं। इससे पहले धर्मबीर सिंह ने 2015 में इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीता था।

भारत अब तक जीत चुका है 19 मेडल

इस मेडल के साथ भारत ने इस चैंपियनशिप में अब तक कुल 19 पदक जीत लिए हैं, जिसमें 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। मेडल तालिका में भारत दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन पहले स्थान पर काबिज है। अनिमेष कुजूर का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है, और उनकी इस सफलता ने देशवासियों को गर्व से भर दिया है।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लेहेका ने आखिरकार सर्विस को बनाए रखा। कुल मिलाकर, इतालवी खिलाड़ी ने लेहेका के 45 अंकों के मुकाबले 91 अंक जीते और उन्हें कभी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: पारुल चौधरी को 5000 मीटर में रजत, विथ्या-पूजा ने जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की तीन महिला एथलीटों ने पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। महिलाओं की 5000 मीटर रेस में भारत की पारुल चौधरी ने 15:15.33 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह रेस कजाकिस्तान की नोरा जेरुटो तनुई ने 14:58.71 सेकंड के समय के साथ जीती, जबकि जापान की युमा यामामोटो को 15:16.86 सेकंड के साथ कांस्य पदक मिला।तमिलनाडु की 26 वर्षीय विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 56.46 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की मो जियाडी ने स्वर्ण और बहरीन की ओलुवाकेमी मुजिदात अडेकोया ने रजत पदक हासिल

किया। दिन के अंत में महिलाओं की 800 मीटर रेस में भारत की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2:01.89 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और कांस्य पदक अपने नाम किया।भारत का एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अब तक का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है, और देश को आगे और पदकों की उम्मीद है।

इंडिया ए 557 रन पर ऑलआऊट, Tom Haines का शतक, इंग्लैंड लायंस 237-2

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली। करुण नायर ने शानदार दोहरा शतक (204 रन, 281 गेंद, 26 चौके, 1 छक्का) जड़कर भारत के लिए टेस्ट टीम में वापसी का मजबूत दावा पेश किया। इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में 557 रन बनाए। पहले दिन इंडिया ए ने 409/3 का स्कोर बनाया था, जिसमें नायर (186*) और ध्रुव जुरेल (82*) नाबाद रहे। सरफराज खान ने भी 92 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चूक गए। दूसरे दिन नायर ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए दोहरा शतक पूरा किया, जबकि जुरेल 94 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड लायंस की ओर से जोश हल ने 2/51 और एडी जैक ने 1/51 विकेट लिए। इंग्लैंड लायंस ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 235/2 रन बनाए, जिसमें टॉम हेन्स ने शानदार शतक (नाबाद 100) जड़ा। वह अभी भी क्रीज पर हैं, लेकिन इंडिया ए 322 रनों की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में है। इंडिया ए के गेंदबाजों में हर्ष दुबे और अंशुल

कंबोज ने एक-एक विकेट लिया। यह मैच इंडिया की इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले अहम अभ्यास माना जा रहा है, जो 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। नायर, सरफराज, और जुरेल जैसे खिलाड़ियों ने इस मौके का फायदा उठाकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी मजबूत की है। यह मैच भारत में टेलीविजन पर प्रसारित नहीं हो रहा है, लेकिन इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) की वेबसाइट और ऐप पर लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध है।

दोनों टीमें

इंडिया एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, इशान किशन, मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंसः जेम्स रीव (कप्तान), फरहान अहमद, रेहान अहमद, सोनी बेकर, जॉर्डन कॉक्स, रॉकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हेन्स, जॉर्ज हिल, जोश हल, एडी जैक, बेन मैककिनी, डैन मौस्ले, अजीत सिंह डेल, क्रिस वोक्स, मैक्स होल्डन।

युजवेंद्र चहल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड

आरजे महवश

का क्रिप्टिक पोस्ट- कभी किसी के साथ गलत...

युजवेंद्र चहल और आरजे महवश काफी समय से सुर्खियों में हैं। महवश, चहल कई बार पब्लिकली साथ नजर आते हैं। चहल के हर मैच में महवश उन्हें सपोर्ट करने आती हैं और उनके लिए स्पेशल पोस्ट भी करती हैं। अब महवश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में महवश ने अपने एथिक्स को फॉलो करके जीने की बात कही है।

क्या है महवश का पोस्ट

महवश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है, आपको पता है कि आपने कभी किसी के साथ गलत नहीं किया। आपके इरादे हमेशा अच्छे रहे हैं और आपको याद है कि आपको एक दिन भगवान के पास जाना है। अपने एथिक्स के साथ जियो। बाकी लोग जो बोलते हैं वो बस शोर है तो उसे कैंसल करो।

महवश ने अपनी फोटोज भी शेयर की हैं और लिखा कि प्रिडिक्शन = फाइनल मैच आरसीबी और पंजाब किंग्स इलेवन के बीच होगा। हालांकि जो क्वाटरफाइनल मैच हुआ था आरसीबी और पंजाब के बीच उसमें पंजाब हार गई।

पैपराजी से छिपकर चहल से मिलने गईं

अभी हाल ही में महवश का एक वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें वह चहल से मिलने होटल जाते दिखीं। इस दौरान उन्होंने हुडी पहनी थी और चेहरा मास्क से कवर किया हुआ था। हालांकि जब पैपराजी ने उन्हें स्पॉट कर लिया तब वह तेजी से वहां से चली गईं।चहल और महवश का नाम तबसे काफी चर्चा में है जबसे चहल का तलाक हुआ है। चहल और महवश के रिलेशन की काफी खबरें आती हैं, लेकिन दोनों हमेशा एक-दूसरे को दोस्त बताते हैं।

बिजी शेड्यूल से ज्यादा जरूरी है फैमिली... दीपिका पादुकोण की डिमांड के बीच, सैफ अली खान ने बताई अपनी राय

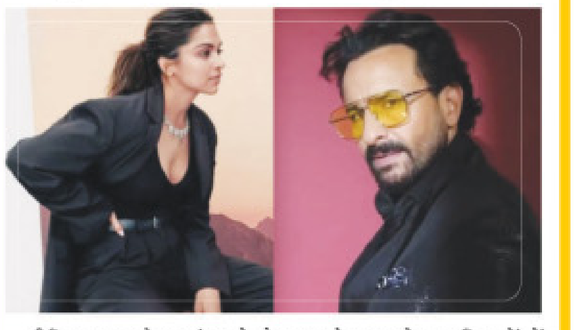

दीपिका पादुकोण मां बनने के बाद से अब दोबारा फिल्मों में वापसी कर रही हैं. हालांकि, उनकी कोई भी फिल्म आने से पहले ही एक्ट्रेस लोगों के बीच विवादों में घिर गई हैं. दरअसल, कुछ वक्त पहले तक खबर थी कि दीपिका फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट में प्रभास के अपोजिट नजर आने वाली हैं. लेकिन बाद में पता चला कि एक्ट्रेस ने फिल्म को छोड़ दिया है, इसकी वजह सामने आने पर बताया गया कि एक्ट्रेस सेट पर 8 घंटे के शेड्यूल की डिमांड कर रही थीं. इसी बीच सैफ अली खान का भी एक बयान सामने आया है.स्ट्रिक्ट शूटिंग शेड्यूल को लेकर कई लोगों ने दीपिका की तरफदारी की है, तो वहीं कई एक्टर्स ने इसे अपने हिसाब से गलत बताया है. इसी बीच सैफ अली खान ने भी लंबे शेड्यूल में काम करने की बात बताई. उन्होंने कहा कि बिजी वर्क शेड्यूल की जगह वो अपनी फैमिली को ज्यादा प्रायोरिटी देना चाहते हैं. सैफ ने खुद के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे बहुत नफरत है कि मैं घर आऊं और मेरे बच्चे तब तक सो चुके हो.

बिजी शेड्यूल सक्सेस नहीं है

एक्टर ने अरब मीडिया समिट में बात करते हुए कहा कि इस बिजी शेड्यूल को सक्सेस नहीं कहते हैं, बल्कि सक्सेस उसे कहते हैं, जब आप ये कह पाएं कि नहीं, अब मुझे घर जाना है और अपनी फैमिली के साथ वक्त बिता पाएं. साथ ही सैफ ने कहा, हमें साल में चार छुट्टियां मिलती हैं और जब मेरे बच्चे छुट्टी पर होते हैं, तो मैं काम नहीं करता हूं. मैं एक ऐसी उम्र में हूं, जहां मुझे अपनी मां और अपने बच्चे दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है.

फैमिली टाइम है जरूरी

सैफ ने काम को जरूरी बताने के साथ ही फैमिली के साथ वक्त बिताने को भी जरूरी कहा है. अपनी जिंदगी में सक्सेस के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, मेरे लिए सक्सेस वो है, जब मैं काम को नहीं बोलूं और अपने फैमिली टाइम को हां कर दूं. हालांकि, दीपिका की बात करें, तो कई स्टार्स ने उनकी डिमांड को सही बताया है.

कई लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस का फिक्स टाइम के लिए डिमांड करना सही है, इससे वो अपनी बेटी के साथ भी वक्त बिता पाएंगी.

वो गाना जिसके लिए थिएटर में खड़े होकर रोते थे लोग, 50 साल बाद लिखने वाले की बेटी के साथ हुआ ये चमत्कार

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में समय-समय पर ऐसी फिल्में आती रही हैं जो सिनेमा के इतिहास में अमर हो गईं. कई फिल्मों के साथ उनके गाने भी काफी पसंद किए गए थे. ऐसी ही एक फिल्म रही 'जय संतोषी मां' और उसका गाना, गीत या भजन कह लीजिए 'मैं तो आरती उतारूं रे' भी काफी पॉपुलर हुआ था. जय संतोषी मां की रिलीज के 50 साल पूरे हो चुके हैं, हालांकि आज भी ये फिल्म और इसके गाने लोगों की जुबां पर चढ़े रहते हैं. इसका इससे बढ़िया उदाहरण क्या होगा कि हाल ही में एक शख्स अपनी बांसुरी पर 'मैं तो आरती उतारूं रे' भजन बजाते हुए उस शख्सियत के घर पहुंच गया जिसने इसे लिखा था.

'मैं तो आरती उतारूं रे' जैसा अमर गीत दिवंगत कवि प्रदीप की कलम से निकला था. उनका असली नाम रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी था, लेकिन उन्हें कवि प्रदीप के नाम से जाना जाता है. उनकी बेटी मितुल प्रदीप ने हाल ही में अपने साथ हुए एक ऐसे वाकये का जिक्र किया जो अपने आप में इस फिल्म और इसके गाने के 5 दशक के बाद भी जीवंत होने का प्रमाण है. आइए जानते हैं कि कवि प्रदीप की बेटी के साथ आखिर ऐसा क्या हुआ ?

कवि प्रदीप की बेटी के साथ हुआ ये चमत्कार

'जय संतोषी मां' साल 1975 में रिलीज हुई थी. कवि प्रदीप की बेटी मितुल ने हाल ही में अपने दिवंगत पिता की कलम के जादू का एक जीवंत किस्सा शेयर किया. उन्होंने कहा, एक शुक्रवार सुबह एक शख्स मेरे घर के बाहर बांसुरी पर 'मैं तो आरती उतारूं रे' बजा रहा था और इसे लगातार दोहरा रहा था. मैंने उससे ऐसा करने का कारण पूछा.

थिएटर में रोने लगते थे लोग

मितुल से उस शख्स ने कहा, दीदी पचास साल पहले मैं अपनी मां के साथ फिल्म 'जय संतोषी मां' देखने गया था. जब थिएटर में ये भजन बजा तो महिलाएं खड़ी हो गईं, रोने लगीं और कईयों ने तो सिनेमाघर में ही मां संतोषी की आरती उतारी. ये नजारा बेहद रोमांचकारी था.उस शख्स ने आगे कहा, मेरी मां की आंखों में भी आंसू आ गए थे. वो भी आरती उतारना चाहती थी. हम अगले दिन फिर से ये फिल्म देखने गए, इस बार मेरी मां ने भी संतोषी माता की आरती थिएटर में की. जब मुझे पता चला कि ये प्रदीप जी का घर है जिन्होंने ये भजन लिखा था तो मैंने उन्हें अपनी बांसुरी के जरिए अपनी श्रद्धांजलि देने आया हूं. इसे किसी चमत्कार का नाम दिया जाए तो किसी को भी कोई हैरानी नहीं होगी. लोग न सिर्फ सिनेमाघरों में पूजा की थाली बल्कि कुमकुम, चावल, ढोलक,मजीरा आदि भी लाते थे और मां की आरती-पूजा करते थे.

काजोल देवगन

ने ठुकरा दी थी आमिर खान की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, 55 करोड़ के बजट में कमाए थे 460 करोड़

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आने वाली हैं. ये एक हॉरर फिल्म है. हालांकि, इससे पहले काजोल बड़े पर्दे पर कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी हैं. उन्होंने कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों को रिजेक्ट भी कर दिया था. ऐसी ही एक फिल्म आमिर खान और करीना कपूर खान की भी शामिल रही, जिसे काजोल ने रिजेक्ट कर दिया था और उसने बाद में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की थी. जिसने महज 55 करोड़ के बजट में 460 करोड़ रुपये कमा डाले थे.काजोल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया. हालांकि इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसे फैसले भी लिए जिनका उन्हें आज भी अफसोस होता होगा. काजोल को 2009 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थ्री इडियट्स' का भी ऑफर मिला था. उन्हें मेकर्स ने करीना कपूर वाला रोल ऑफर किया था, लेकिन एक्ट्रेस ने ये फिल्म ठुकरा दी थी.

55 करोड़ में बनी थी फिल्म

2009 में रिलीज हुई आमिर खान और करीना कपूर की इस पिक्चर में आर माधवन, शरमन जोशी, ओमी वैद्य और बोमन ईरानी जैसे मशहूर कलाकारों ने भी काम किया था. इसके प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा थे, जबकि इसका डायरेक्शन राजकुमार हिरानी ने किया था. मेकर्स ने इस फिल्म पर 55 करोड़ रूपये खर्च किए थे.

460 करोड़ कमाकर लूटा बॉक्स ऑफिस

काजोल ने जो फिल्म रिजेक्ट कर दी थी उसने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन किया था. इसने भारत में 202 करोड़ का कारोबार किया था. वहीं वर्ल्डवाइड कमाई का आंकड़ा 460 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था. इसी के साथ थ्री इडियट्स बॉलीवुड की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई.

कब रिलीज होगी काजोल की 'मां' ?

काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर सुर्खियों में हैं. इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है जो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है. इसमें उनकी बेटी का किरदार खीरिन शर्मा निभा रही हैं. काजोल मां में अपनी बेटी की रक्षा राक्षस से करती हुई नजर आएंगी. फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स और जियो स्टूडियो ने मिलकर बनाया है. इसका डायरेक्शन 'छोरी 2' के डायरेक्टर विशाल फुरिया ने किया है. 'मां' सिनेमाघरों में 27 जून को दस्तक देगी.